जबलपुर गुरुवार 19 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, दशमी

वर्ष 32 अंक 140 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण
▶▶ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 28.5°C
न्यूनतम तापमान 11.9 °C
सूर्योदय - 6.27 | सूर्यास्त - 5.25

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



पत्रकार कल्याण परिषद का प्रांतीय अधिवेशन ... ▶▶ 4



तब्बू वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की नेटफ्लिक्स ... ▶▶ 7



महापौर जनसुनवाईः नागरिकों की ... ▶▶ 9

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भाषण की लंबाई नहीं, थाली और जेब से मापी जाएगी तरक्की

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की प्रधानमंत्री के भाषणों की लंबाई से नहीं मापी जाएगी। इसे आम लोगों की थाली में मौजूद खाने और उनकी जेब में बचे पैसों से मापा जाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार ने 12 साल पहले महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन इसका नतीजा उल्टा निकला। आम लोगों को कम सामान मिल रहा है। उनकी जेब खाली हो रही है। जरूरी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मोदी जी ने महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि आम आदमी की थाली छोटी होती जा रही है, उसकी जेब खाली होती जा रही है और घर चलाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने आगे सवाल किया, मोदी जी, देश की तरक्की का पैमाना आपके भाषणों की लंबाई नहीं, बल्कि आम आदमी की थाली में खाना और उसकी जेब में बचा पैसा है। आपकी आर्थिक बदइंतजामी की कीमत आखिर लोग कब तक चुकाते रहेंगे?

20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा खर्च

उन्होंने कहा, थोक महंगाई दर 12.29 फीसदी हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि 61 फीसदी परिवारों का घरेलू जरूरतों पर हर महीने होने वाला खर्च पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। वहीं, 74 फीसदी लोगों को गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है।



मोदी जी ने महंगाई कम करने का वादा किया था। आज हालात ऐसे हैं कि आम आदमी की थाली छोटी होती जा रही है। उसकी जेब खाली होती जा रही है। घर चलाना मुश्किल होता जा रहा है।

श्वेत पत्र जारी करने की मांग

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महंगाई पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री बताएं कि आसमान छूती कीमतों को रोकने के लिए सरकार कौन से ठोस कदम उठाने वाली है। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि सरकार आम परिवारों को महंगाई से राहत देने के लिए अपनी योजना स्पष्ट करे।

12 साल में कितने बढ़े चीजों के दाम?

खड़गे ने दावा किया, मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में महंगाई का बोझ लगातार बढ़ा है। लोग बेबस हैं। उन्होंने 2014 और 2026 के दामों की तुलना करते हुए कहा, 2014 में महंगाई कम करने का वादा किया गया था। लेकिन 2026 में लोगों की जेब पर बोझ बढ़ गया है। खड़गे के मुताबिक, 2014 से 2026 के बीच जरूरी चीजों के दाम इस तरह बढ़े –

- गेहूं का आटा – 21 रुपये से बढ़कर 69 रुपये हो गया।
- अरहर की दाल – 75 रुपये से बढ़कर 180 रुपये हो गई।
- सरसों का तेल – 102 रुपये से बढ़कर 263 रुपये हो गया।
- दूध – 36 रुपये से बढ़कर 85 रुपये हो गया।
- चावल – 29 रुपये से बढ़कर 71 रुपये हो गया।

सरकारी नौकरी में दो बच्चों की शर्त खत्म

मंदसौर के गांधी सागर में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया निर्णय

गांधी सागर

मध्यप्रदेश सरकार की डेस्टिनेशन कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई। इसमें जनकल्याण और समग्र विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगी। कैबिनेट ने प्रदेश में निवेश और रोजगार बढ़ाने के कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी। विकास के संकल्पों का मंथन कर जनकल्याण के फैसले लिए गए। सरकारी नौकरी के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब दो से अधिक बच्चे होने पर भी सरकारी नौकरी की पात्रता बनी रहेगी।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंदसौर के गांधी सागर में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 में संशोधन को मंजूरी दी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 में भी बदलाव होगा। 26 जनवरी 2001 या उसके बाद तीसरी संतान वाले शासकीय सेवक अब अपात्र नहीं माने जाएंगे। पहले 26 जनवरी 2001 से यह प्रावधान था कि तीसरा बच्चा होने पर सरकारी नौकरी नहीं मिलती थी। नौकरी में रहते हुए तीसरी संतान होने पर सेवा समाप्त कर दी जाती थी। इस नियम के कारण कई लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा था। यह प्रावधान तब लागू किया गया था जब राज्य में प्रजनन दर अधिक थी। इस नए प्रावधान से स्कूल, उच्च, चिकित्सा शिक्षा सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों को लाभ होगा। वर्तमान नियम के कारण कई कर्मचारी नौकरी के लिए अपात्र हो गए थे। उनकी सेवाएं भी समाप्त कर दी गई थीं। हालांकि, जिन कर्मचारियों पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है, उन्हें नए निर्णय से कोई राहत नहीं मिलेगी। यह निर्णय पुरानी तिथि से लागू नहीं किया जाएगा।

उद्योगों को प्रोत्साहन और ऊर्जा विकास

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के सशक्तीकरण हेतु एमपी एमएसएमई लिमिटेड के गठन को मंजूरी दी गई। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रारंभिक वित्तीय प्रावधान है। एमएसएमई अधोसंरचना विकास योजना को 1,507 करोड़ रुपये की लागत से आगामी 5 वर्षों तक जारी रखने की स्वीकृति मिली। ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सौर परियोजना के द्वितीय चरण को मुहर लगी। इसमें 800 मेगावॉट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और 200 मेगावॉट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना विकसित होगी।

पांच पार्क विकसित किये जाएंगे

मंदसौर के बसई गांव में 178 हेक्टेयर में एग्रो पार्क विकसित करने को मंजूरी मिली। इससे 3,200 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 14 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। भारत सरकार की भव्य योजना के तहत मंदसौर के कुरलासी गांव में 3,500 एकड़ में केमिकल पार्क बनेगा। इसमें 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश और 1 लाख रोजगार सृजित होंगे। रतलाम इन्वेस्टमेंट रीजन में 453 हेक्टेयर में बायो-फार्मा पार्क स्थापित होगा। इससे 18 हजार करोड़ रुपये का निवेश और 25 हजार रोजगार मिलेंगे। धार के भैंसोला में 341.10 हेक्टेयर में वस्त्र उद्योग पार्क को विशेष प्रोत्साहन पैकेज मिला। यह 6,150 करोड़ रुपये का निवेश लाएगा और 35 हजार लोगों को रोजगार देगा। उज्जैन में 100 एकड़ भूमि पर 237 करोड़ रुपये की लागत से डीप-टेक अनुसंधान एवं नवाचार पार्क स्थापित होगा। यह अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि तकनीक और नई प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय के क्षेत्र में निर्णय

मुरैना को पहला विश्वविद्यालय मिलेगा, जहां श्री राधे विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी गई। यह विश्वविद्यालय वर्ष 2027-28 से प्रारंभ किया जाएगा। रीवा मेडिकल कॉलेज में निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत राशि 321.94 करोड़ से बढ़ाकर 414.17 करोड़ रुपये करने को स्वीकृति मिली। नशे की तस्करी और अवैध कारोबार से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष न्यायालय स्थापित होंगे। ये न्यायालय इंदौर, मंदसौर, नीमच, सिंगरौली, भोपाल और रीवा सहित 6 जिलों में बनेंगे।



प्रधानमंत्री ने 3.5 घंटे मंत्रियों के साथ कामकाज का रिव्यू किया

11 मंत्रालयों के सचिवों ने प्रेजेंटेशन दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रीपरिषद की बैठक हुई। इसमें सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री शामिल हुए। गृह और वित्त मंत्रालय समेत 11 मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने इन मुद्दों पर प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में गरीबी कम करने के लिए सरकार की योजनाओं की तारीफ की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के कामकाज का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि सरकारी योजनाएं कितनी आगे बढ़ी हैं और जोर दिया कि इनका फायदा हर जरूरतमंद तक पहुंचना चाहिए। बैठक में विश्व बैंक की रिपोर्ट का भी जिक्र हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, 2011 से 2023 के बीच भारत में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान अत्यधिक गरीबी की दर में 90 प्रतिशत की कमी आई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में कैसे कामयाबी मिली और देश में नक्सलवाद को कैसे खत्म किया गया। इसके अलावा सुशासन, सरकारी कामकाज में सुधार और महिलाओं व युवाओं तक सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय मंत्रियों की बैठक हुई थी, जिसे चिंतन शिविर नाम दिया गया था। इसमें चर्चा हुई थी कि सरकारी योजनाओं का फायदा हर पात्र व्यक्ति तक कैसे पहुंचाया जाए और सरकार के कामों की जानकारी लोगों तक बेहतर तरीके से कैसे पहुंचाई जाए।

चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमे की मंजूरी रद्द



मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर को एक बड़ी कानूनी राहत दी है। कोर्ट ने उन पर ऋण धोखाधड़ी मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी रद कर दी है। इस निर्णय के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी को इस मामले में आगे बढ़ने के लिए नई अनुमति लेनी होगी। चंदा कोचर पर आरोप थे कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर कुछ कंपनियों को अनुचित तरीके से कर्ज दिए थे। इन आरोपों के चलते उन पर मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

खाई में गिरी कार, 4 बच्चों समेत 6 की मौत

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। लडभड़ोल तहसील के अंतर्गत एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में चार नाबालिगों सहित छह युवकों की मौत हो गई। यह हादसा देर रात उस समय हुआ जब सभी युवक पड़ोस में आयोजित एक जन्मदिन समारोह से घर लौट रहे थे। सुबह तक घर नहीं पहुंचने पर चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। उन्होंने स्थानीय पुलिस की भी मदद ली।

आतंकी बोला- सरेंडर नहीं करूंगा, अल्लाह से मिलना है

श्रीनगर। सीआरपीएफ पोस्ट पर फायरिंग करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी लतीफ भट को सुरक्षाबलों ने बुधवार को एनकाउंटर में मार गिराया। वह एक मस्जिद के अंदर छिपा था। मुठभेड़ से पहले जवानों ने उसे वीडियो कॉल कर सरेंडर करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी ने उससे कहा, हम तुम्हारे साथ हैं, जिंदगी अभी बाकी है। लतीफ ने जवाब दिया, मुझे अल्लाह से मुलाकात करना है। बहुत खुश हूं मैं। सरेंडर नहीं करूंगा।

वॉयजर 1 ने अंतरिक्ष में रचा कीर्तिमान

केप कैनावेरल। नासा के वॉयजर 1 यान ने अंतरिक्ष में एक नया कीर्तिमान बनाया है। यह पृथ्वी से एक प्रकाश-दिवस की दूरी तक पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान बन चुका है। यह यान लगातार अंतरतारकीय अंतरिक्ष में गहराई तक जा रहा है। करीब 49 साल पहले छोड़ा गया यह अंतरिक्ष यान 26 अरब किलोमीटर से अधिक की अविश्वसनीय दूरी तय कर चुका है। बुधवार को वॉयजर 1 ने महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। अब इसके रेडियो संकेत पृथ्वी तक पहुंचने में ठीक 24 घंटे लेंगे।

सोनिया की किताब फाड़ रहे थे बाल ठाकरे की तस्वीर फाड़ दी

मुंबई। शिवसेना की ओर से सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान विवाद हो गया। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में किताब फाड़ी जा रही थी। इसी दौरान शाइना एनसी ने गलती से शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की तस्वीर भी फाड़ दी। जब किसी ने उन्हें इस बारे में टोका तो वे झेंप गईं। इस पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शिवसेना नेताओं पर बालासाहब ठाकरे के अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा- जहां भी ये लोग दिखें, इनकी पिटाई करो। दरअसल, शिवसेना सोनिया की किताब को बैन करने की मांग कर रही थी। पार्टी का आरोप है कि इस किताब में वीर सावरकर और मराठी अस्मिता का अपमान किया गया है। उधर, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी वायएसआर कांग्रेस और बीआरएस ने भी इस किताब को लेकर नाराजगी जताई है। सोनिया की किताब 10 नवंबर को बाजार में बिकना शुरू हुई थी। 16 नवंबर को लॉन्च की गई।



पेज नंबर 201 पर सावरकर का जिक्र

आरएसएस की राजनीति को लेकर इंदिरा गांधी की नाराजगी आजादी की लड़ाई के समय से ही थी। जब कांग्रेस के नेता अंग्रेजों की मार झेल रहे थे और जेल जा रहे थे, तब आरएसएस के बड़े विचारक विनायक दामोदर सावरकर अंग्रेजों के सामने दया याचिकाएं लिख रहे थे। आरएसएस के कुछ सदस्य अंग्रेज अधिकारियों के लिए मुखबिरी भी करते थे। आरएसएस, कांग्रेस और उसकी विचारधारा को हिंदू राष्ट्र बनाने की राह में सबसे बड़ी रुकावट मानता था।

अमेरिका में बोले राहुल गांधी

भारत आर्थिक संकट की कगार पर

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। राहुल अमेरिका के दो दिन के दौरे पर हैं। राहुल ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को सामान्य अभियान से बिल्कुल अलग बताया। उन्होंने कहा, 'इस अभियान में जितना पैसा खर्च किया गया, वह अनुमान से 20, 30, 40 या 50 गुना तक ज्यादा था। इतना पैसा कहां से आया। इस अभियान में खर्च की गई रकम को लेकर कई सवाल हैं, जिनका जवाब मिलना चाहिए।' राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है। चुनावी व्यवस्था को ठीक किए बिना कुछ नहीं हो सकता। निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी है।' भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने जालंधर में कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'



सीईसी चढ़ावा चोरी में भी शामिल : दिग्विजय

कहा- राम मंदिर के लिए 2 की जमीन 18 करोड़ में खरीदी

चंदेरी

अशोकनगर जिले के चंदेरी में बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। अपनी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' के दौरान आयोजित जनसभा में उन्होंने ज्ञानेश कुमार को वोट चोरी के साथ राम मंदिर निर्माण के चढ़ावा चोरी मामले से भी जोड़ते हुए निशाना साधा। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी थे और जमीन खरीद में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आने से तीन दिन पहले उन्होंने ट्रस्टी पद छोड़ दिया था। दिग्विजय सिंह ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की जमीन खरीद का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि एक जमीन को पहले 2 करोड़ रुपए (एक अन्य संदर्भ में 9 करोड़ रुपए) में खरीदा गया और अगले ही दिन मंदिर ट्रस्ट ने उसे 18 करोड़ रुपए में खरीद लिया। उन्होंने सवाल किया कि जमीन की कीमत एक दिन में इतनी कैसे बढ़ गई। सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इस मामले को प्रमाणों के साथ उठाया था। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी ने भी जमीन खरीद में कथित गड़बड़ी पकड़ी थी, लेकिन अब तक उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि मामले में विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस से जुड़े लोगों के नाम आने के कारण केंद्र सरकार इस पर कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।



99 प्रतिशत लोग ईवीएम के खिलाफ

चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि निष्पक्ष लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र चुनाव आयोग और पारदर्शी मतदाता सूची जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि अपनी 26 दिन की यात्रा के दौरान लोगों से बातचीत में 99 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की है। उन्होंने जनता से अपील की कि मतपत्र से चुनाव कराने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को दिए जाने वाले आवेदन के समर्थन में मिस्ड कॉल करें।

इसकी कल्पना नहीं थी: अमृता सिंह

सभा में दिग्विजय सिंह की पत्नी अमृता सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए दिए गए योगदान में गड़बड़ी होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की थी। देश के मौजूदा हालातों को लेकर चिंतित होने के कारण ही दिग्विजय सिंह इस उम्र में पदयात्रा कर रहे हैं। अशोकनगर जिले में यह यात्रा की 18वीं और आखिरी सभा थी। करीब 350 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यात्रा 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में प्रवेश करेगी।

घर में मिले पति-पत्नी और बेटे के शव

सीहोर। सीहोर के बुदनी में बुधवार सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों के शव घर के अंदर मिले। मृतकों की पहचान राकेश मीणा (45), उनकी पत्नी राधा मीणा (40) और 24 वर्षीय बेटे अश्विन के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में तीनों के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि तीनों की हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, वारदात में एक से ज्यादा आरोपी शामिल हो सकते हैं। एएसपी प्रशांत चौबे ने बताया कि घटना वार्ड-12 की है। बुधवार सुबह एक पड़ोसी को घर में बंधी बकरियों की लगातार आवाज सुनाई दी। जब वह देखने के लिए घर पहुंचा तो अंदर तीनों के शव पड़े मिले।

एपीओ ने किया फंड का 'अंतिम संस्कार'

'पेशी लड़ने' के नाम पर लिए अंत्येष्टि सहायता की राशि

शहडोल (स्वतंत्र मत)

शहडोल जिले की सबसे बड़ी जनपद पंचायत बुढ़ार लम्बे समय से अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी यानि एपीओ की मनमानी, तानाशाही और धनलोलुपता का शिकार हो रहा है। अनेकों शिकायतों के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही ना किये जाने के कारण कई ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। एपीओ दिवाकर सिंह का ट्रैक रिकॉर्ड गवाह है कि पूर्व में भी इन पर मनरेगा के तहत तालाब निर्माण, मेढ़ बंधान और वृक्षारोपण जैसे कार्यों में भारी फर्जीवाड़ा करने के गंभीर आरोप लग चुके हैं। मृत व्यक्तियों और सरकारी कर्मचारियों के नाम पर मजदूरी आहरित करने, चहेती ग्राम पंचायतों को उपकृत करने और तकनीकी मूल्यांकन में हेरफेर करने के मामलों में इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं। विभागीय जांच की फाइलें आज भी वरिष्ठ कार्यालयों में धूल फांक रही हैं, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख के चलते इन पर कभी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कागजों में विकास की गंगा बहाने वाले एपीओ पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी इतने मेहरबान क्यों हैं?



55 हजार की 'पेशी'

जनपद पंचायत बुढ़ार अंतर्गत ग्राम पंचायत मझौली में तीन माह पहले एपीओ (अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी) दिवाकर सिंह और पंचायत सचिव सुंदरलाल रजक से जुड़ा भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था। ग्राम पंचायत मझौली के ग्रामीणों ने ग्राम सभा के दौरान आरोप लगाया था कि जीवित लोगों के नाम पर अंत्येष्टि (अंतिम संस्कार) की राशि निकाली गई है। पंचायत सचिव सुंदरलाल रजक पर 55,000 रुपये की राशि सीधे अपने निजी खाते में ट्रांसफर करने का गंभीर आरोप लगाया था। जब इस गड़बड़ी पर सवाल उठे, तो सचिव ने एपीओ दिवाकर सिंह का हवाला देते हुए कहा कि यह पैसा किसी मामले की 'पेशी लड़ने' के लिए दिया गया था।

घोटालों की लगी झड़ी

बुढ़ार जनपद अंतर्गत भटिया ग्राम पंचायत में 2500 ईंटों को भाड़ा सहित 5 रुपए की दर से खरीदना बताकर बिल में इसकी कुल कीमत 1 लाख 25 हजार रुपए दर्शाई गई है और बड़ी बात तो ये है कि बिल को पास भी करा लिया गया है। इसका भुगतान भी कर दिया गया है। उक्त बिल चेतन प्रसाद कुशवाहा ग्राम पैरीबहरा पोस्ट साखी तहसील जैतपुर जिला शहडोल का था, जिसमें भटिया गांव के सरपंच और सचिव ने बकायदे हस्ताक्षर भी किए हैं। इसके अलावा बुढ़ार जनपद पंचायत क्षेत्र में अन्य पंचायतों जैसे रैकोवा में मोमबत्ती खरीदी का फर्जी बिल और भटिया में ईंट आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठ चुके हैं।

धूल फांक रही फाइलें

जनपद पंचायत बुढ़ार में पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के विरुद्ध जितनी भी शिकायतें हुई हैं, उन सभी में जांच के आदेश तो हुये लेकिन जांच हुई या नहीं, जांच के निष्कर्ष और उसके बाद हुई कार्रवाई आज तक सार्वजनिक नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं को आज भी ऐसा लगता है कि उनकी शिकायत की फाइल जांच अधिकारियों के बस्ते में धूल फांक रही होंगी। बता दें कि इससे पहले जयसिंहनगर जनपद पंचायत में एपीओ दिवाकर सिंह का कार्यकाल काफी चर्चित रहा है। वहां भी इनके कारनामों की शिकायतों की सूची बहुत लम्बी हो गई थी, अंततः जयसिंहनगर से बुढ़ार जनपद पंचायत स्थानांतरित कर दिया गया था।

13 दिसंबर से होगा भव्य श्रीराम कथा का शुभारंभ

श्री हनुमान महाराज जी को सौंपा गया अध्यक्ष पद का दायित्व, प्रचार-प्रसार अभियान का भव्य आगाज

शहडोल/अमलाई (स्वतंत्रमत)



प्रभु श्रीराम की असीम कृपा एवं पवनपुत्र हनुमान जी के आशीर्वाद से शिव भक्ति जन चेतना समिति द्वारा आयोजित होने जा रही भव्य श्रीराम कथा के प्रचार-प्रसार अभियान का शुभारंभ आज विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं द्वारा सर्वप्रथम भगवान श्री हनुमान जी महाराज को विधिवत आमंत्रित कर पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात उन्हें समिति के अध्यक्ष के रूप में विराजमान कर अध्यक्ष पद का दायित्व एवं संपूर्ण आयोजन का भार समर्पित किया गया। समिति का मानना है कि प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के आशीर्वाद से ही इस पावन धार्मिक आयोजन का प्रत्येक कार्य सफल एवं मंगलमय होगा। इस शुभ अवसर पर श्रीराम कथा के प्रचार-प्रसार अभियान का भव्य शुभारंभ करते हुए समिति के सदस्यों ने संकल्प लिया कि कथा का संदेश क्षेत्र के प्रत्येक गांव, नगर एवं घर तक पहुंचाया जाएगा तथा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इस धार्मिक आयोजन से जोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि शिव भक्ति जन चेतना समिति के तत्वावधान में 13 दिसंबर से 22 दिसंबर तक अमलाई स्थित कास्टिक सोड़ा यूनिट के सोड़ा फैक्ट्री कॉलोनी ग्राउंड में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों में उत्साह का वातावरण है। समिति ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं युवाओं से श्रीराम कथा के प्रचार-प्रसार में सहभागी बनने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

कन्या महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक नंद कुमार को मिली पीएच.डी. की उपाधि



शहडोल (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय शहडोल में पदस्थ सहायक प्राध्यापक नंद कुमार को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा पीएच.डी. (विद्या वाचस्पति) की उपाधि प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा 16 नवंबर को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। उन्होंने च्वइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उपयोग के लिए नवीन पॉलीफॉस्फाजीन नैनोसंयुक्त पदार्थों का विकास एवं अभिलक्षणज्ञ विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया। उनका शोध कार्य डॉ. नागमणि मानिकपुरी, प्राध्यापक, पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढ़ार के निर्देशन में संपन्न हुआ। डॉ. नंद कुमार ने वर्ष 2014 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद वर्ष 2015 से 2020 तक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), कानपुर में सेवाएं दीं।

एशियन वुमेंस चौपियंस ट्रॉफी पहुंची शहडोल खिलाड़ियों एवं छात्राओं ने निकाली रैली



शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 19 से 8 नवम्बर तक आयोजित होने वाली एशियन वुमेंस चौपियंस ट्रॉफी के प्रचार-प्रसार एवं खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विजेता ट्रॉफी का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में 17 नवंबर को विजेता ट्रॉफी शहडोल पहुंची। शहडोल के जय स्तंभ चौक पर संतोष लोहानी, भोपाल रत्नम ने हरी झंडी दिखाकर ट्रॉफी भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान खिलाड़ियों के साथ विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भी शामिल रहें। ट्रॉफी के साथ निकाली गई रैली जयस्तम चौक से प्रारंभ होकर गांधी चौक होते हुए महात्मा गांधी स्टेडियम में संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि एशियन वूमेन चौंपियन ट्रॉफी का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। इसके तहत विजेता टीम को प्रदान की जाने वाली ट्रॉफी का भ्रमण मध्य प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, शहडोल, जबलपुर एवं नर्मदापुरम में कराया जा रहा है।

स्वामी संत शरण जी महाराज के 99वें जन्म महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, विधायक मीना सिंह ने लिया आशीर्वाद

मानपुर (स्वतंत्रमत)



जिले के मानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छपड़ौर स्थित तीर्थस्थल श्री हनुमंत कुंज आश्रम में अनंत विभूषित पूज्यपाद स्वामी संत शरण जी महाराज का 99वां जन्म महोत्सव एवं प्राकट्य दिवस श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रीराम कथा, श्रीराम यज्ञ, संकीर्तन, तुलादान एवं विशाल भंडारे में मध्यप्रदेश सहित कई अन्य प्रदेशों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने भी आश्रम पहुंचकर गुरुदेव महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। शिवपुरी रिजर्व फॉरेस्ट के मध्य स्थित श्री हनुमंत कुंज आश्रम में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी 12 से 16 नवंबर तक श्रीराम कथा एवं श्रीराम यज्ञ का आयोजन किया गया। वहीं 17 नवंबर को गुरुदेव के प्राकट्य दिवस पर विशेष पूजन-अर्चन, भव्य जन्मोत्सव समारोह, बधाई गायन, रंग एवं पुष्प वर्षा, संकीर्तन, तुलादान तथा विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जन्म महोत्सव के अवसर पर पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने पुष्पमालाओं, भजन-कीर्तन, आरती एवं मंगलगान के माध्यम से गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की। आयोजन में दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों भक्तों ने महाराज श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने आश्रम पहुंचकर पूज्य स्वामी संत शरण जी महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, किसानों सहित सभी वर्गों के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन का प्रमुख आकर्षण विशाल भंडारा रहा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम की आकर्षक सजावट, वैदिक परंपराओं के अनुरूप धार्मिक अनुष्ठान और भक्ति-संकीर्तन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन गुरु भक्ति, धार्मिक आस्था और सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण का अनुपम अवसर बना।

नीट की तैयारी कर रहे युवाओं के लिये सुनहरा अवसर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। नीट मेडिकल परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा छात्रों के लिये एसईसीएल ने सीएसआर के तहत सुनहरा मौका दिया है। जोहिला क्षेत्र के अधिकारी अरिहंत पशगाढिया व अजय दास ने बताया कि जोहिला क्षेत्र के महाप्रबंन्धक सुरेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में उमरिया जिले के युवा छात्रों के लिये नीट मेडिकल परीक्षा की तैयारी हेतु निशुल्क कोंचिग,रहने खाने की व्यवस्था आवश्यक नोटस उपलब्ध बिलासपुर में की जायेगी। छात्रों की चयन प्रक्रिया के तहत बायोलाजी से बारहवीं पास छात्रों को 29 नवम्बर को केन्द्रीय विध्यालय नौरोजाबाद मे प्रातः दस बजे परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर दिया गया है। 28 नवम्बर तक छात्र दीये गये लिंक ीजजचेरूध्ध्वतउेण्हसमध्ब्जल66चग्इक्छैज2ग्ह्8 में अपना रजिस्ट्रेशन पंजीयन करा सकते हैं या एसईसीएल की वेबसाईट पर जाकर लिंक पर अपना पंजीयन करा सकते है। चयनित छात्र छात्राओं को बिलासपुर में कोंचिग सुविधा प्रदान की जायेगी जिसमें अनुभवी श्रेष्ठ शिक्षकों के द्वारा उन्हे कोर्स से सम्बधिंत जानकारी दी जायेगी।यह सुनहरा अवसर कोयलांचल क्षेत्र के युवाओं को ही दिया जा रहा है। गौरतलब है कि उमरिया जिले में जोहिला क्षेत्र की खदानें उमरिया पिपरिया, पिनौरा, बिरसिंहपुर पाली, नौरोजाबाद में कोयला उत्सर्जन का कार्य कर रही है इसी कारण एसईसीएल के सुश्रुत के अंतर्गत परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों को व एसईसीएल के खनन क्षेत्रों में लगे कोयलाचंल के निवासियों को निःशुल्क आवासीय नीट केाचिंग हेतु चयन परीक्षा आयोजित की जा रही है।समाजिक दायित्व निर्वहन के तहत उमरिया जिले के युवाओं के लिये सुनहरा अवसर दिया जा रहा है जिसका अधिक से अधिक लाभ युवाओं को उठाना चाहिये।

उच्च न्यायालय, जबलपुर के आदेश के पालन में आशा जितेंद्र भंडारी ने पुनः संभाला मुख्य नगर पालिका अधिकारी का कार्यभार



शहडोल (स्वतंत्रमत)

नगर पालिका परिषद में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर आशा जितेंद्र भंडारी द्वारा 18 नवंबर को उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में पुनः विधिवत कार्यभार ग्रहण किया गया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल द्वारा 05 अक्टूबर को जारी आदेश के माध्यम से आशा जितेंद्र भंडारी का स्थानांतरण मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद शहडोल के पद से सहायक संचालक, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल के पद पर किया गया था। उक्त आदेश के परिपालन में 06 अक्टूबर को उन्हें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद से भारमुक्त किया गया था। उक्त आदेशों के विरुद्ध भंडारी द्वारा उच्च न्यायालय, जबलपुर में याचिका प्रस्तुत की गई थी। प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा 09 अक्टूबर को पारित आदेश के माध्यम से संबंधित आदेशों पर स्थगन प्रदान किया गया था। इसी क्रम में उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में आशा जितेंद्र भंडारी ने नगर पालिका परिषद शहडोल में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर अपनी उपस्थिति प्रस्तुत करते हुए विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। नगर पालिका परिषद शहडोल में नगरीय प्रशासन, विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं तथा स्वच्छता व्यवस्था से संबंधित समस्त कार्य शासन के नियमों, दिशा-निर्देशों एवं न्यायालय के आदेशों के अनुरूप संपादित किए जाएंगे।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने कछरवार पहुंचकर बांस नर्सरी का किया अवलोकन, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल को सराहा

उमरिया (स्वतंत्रमत)



सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर 16 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने उमरिया पहुंचे मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्राम कछरवार पहुंचकर यदुवंशी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर श्री नरेश भाई पटेल एवं श्री संजय राय (कवि) से मुलाकात की तथा उनके द्वारा संचालित बांस की नर्सरी का अवलोकन कर वहां की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने बांस की खेती, नर्सरी विकास और किसानों को कृषि आधारित स्वरोजगार से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। कंपनी संचालकों ने उन्हें बांस उत्पादन एवं नर्सरी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन की संभावनाओं से अवगत कराया। मंत्री श्री जायसवाल ने इस प्रकार की पहल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। गौरतलब है कि ग्राम कछरवार में संचालित यदुवंशी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से बांस की खेती एवं नर्सरी विकास को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस तरह की पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ किसानों के लिए रोजगार के नए अवसर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पाली में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)



जिला सत्र एवं प्रधान न्यायाधीश, विधिक प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में, न्यायाधीश श्री गोपाल नंदन पाल द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2026 को बिरसिंहपुर पाली के सूखा धौरई स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अनीता वाधवानी, विद्यालय की शिक्षिकाएँ, पैरालीगल वॉलंटियर सोनम सोनी तथा पाली न्यायालय के कर्मचारी स्वाति पांडेय, विनय सोनी एवं प्रदीप तराम सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। शिविर के दौरान न्यायाधीश श्री गोपाल नंदन पाल ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं जीवन में सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही बच्चों को गुड टच एवं बैड टच के विषय में विस्तारपूर्वक समझाया तथा उन्हें सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श के बीच अंतर बताते हुए किसी भी अनुचित व्यवहार के प्रति जागरूक और सतर्क रहने की सीख दी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं व्यक्तिगत विकास के प्रति जागरूक करना तथा उनमें विधिक साक्षरता की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल कानूनी जानकारी प्रदान की गई, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ सही निर्णय लेने एवं स्वयं की सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए भी प्रेरित किया गया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नियमों की अनदेखी पड़ी भारी

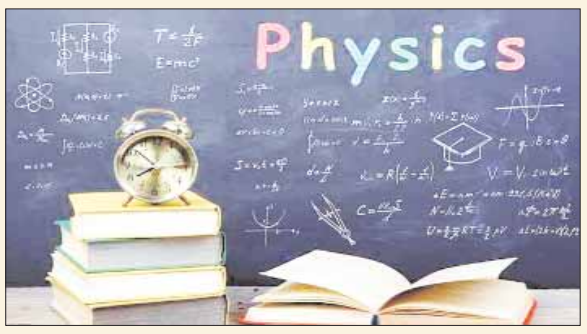
12 वाहन चालक और मालिकों पर कार्रवाई, जुर्माने के साथ सफारील में प्रवेश पर प्रतिबंध

उमरिया (स्वतंत्रमत)



जंगल की सैर के रोमांच में वन्यजीवों की सुरक्षा से खिलवाड़ सफारी वाहन चालकों और मालिकों को भारी पड़ रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने पार्क के भीतर निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों और वाहन मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पर्यटन अधिकारी ताला कार्यालय द्वारा जारी चार अलग-अलग आदेशों में कुल 12 वाहन चालकों और वाहन मालिकों पर जुर्माना लगाते हुए उन्हें सात दिनों के लिए पार्क प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया है। पर्यटन कार्यालय से जारी आदेश क्रमांक 05, 06, 07 और 08 के अनुसार, 1, 2, 10 और 12 नवंबर 2026 को अलग-अलग पारियों में सफारी के दौरान वाहनों की गति निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई। इन मामलों में पर्यटकों को लेकर कोर जोन में भ्रमण कर रहे वाहनों की जांच के दौरान गाइड को आवंटित बघीरा एप्प मोबाइल के माध्यम से वाहनों की गति का परीक्षण किया गया था। जांच में वाहन चालकों द्वारा निर्धारित गति से तेज वाहन चलाने और पर्यटन नियमों एवं पार्क प्रबंधन के निर्देशों का उल्लंघन करने का मामला सामने आया, जिसे लेकर कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब करने के बाद अब कार्यवाही की गई।

भौतिकी: रटें नहीं, कॉन्सेप्ट क्लियर रखें



कक्षा 12वीं प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण वर्ष होता है। इस कक्षा में विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ अपने भविष्य और करियर को लेकर भी चिंतित रहते हैं। आगे की पढ़ाई और करियर के लिए अच्छे अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करना उनकी प्राथमिकता होती है। कक्षा 12वीं में सभी विषय महत्वपूर्ण होते हैं, किंतु कुछ विषय विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत कठिन लगते हैं। भौतिकी भी ऐसा ही एक विषय है, लेकिन रणनीति बनाकर हम इसे आसान बना सकते हैं।

भौतिकी कठिन नहीं, समझने का विषय है

बोर्ड परीक्षा और भविष्य की चिंता के बीच कई विद्यार्थियों को चेलेपबे कठिन विषय लगती है। वास्तव में चेलेपबे कठिन नहीं है, आवश्यकता केवल इसे सही तरीके से समझने की है। इसे केवल रटने के बजाय यदि कॉन्सेप्ट को समझकर पढ़ा जाए तो यह विषय सरल होने के साथ-साथ बहुत रोचक भी बन सकता है।

हमारे आसपास प्रतिदिन अनेक घटनाएँ होती हैं। वाहन की गति, पंखे का घूमना, बिजली का उपयोग, प्रकाश का परावर्तन, ध्वनि का उत्पन्न होना, तापमान में परिवर्तन और उपग्रहों की गति, इन सभी के पीछे भौतिकी के सिद्धांत कार्य करते हैं। वास्तव में भौतिकी प्रकृति और हमारे आसपास होने वाली घटनाओं को समझने का विज्ञान है। इसलिए जब विद्यार्थी किसी नए अध्याय की शुरुआत करें तो केवल पुस्तक में दिए गए फार्मूले को याद करने के बजाय यह समझने का प्रयास करें कि यह वास्तविक जीवन में कहाँ और किस प्रकार दिखाई देता है। इससे विषय को समझना आसान होगा और सीखी हुई बात लंबे समय तक याद रहेगी।

फार्मूले से पहले कॉन्सेप्ट को समझें

भौतिकी में कई विद्यार्थी फार्मूले याद करने पर अधिक ध्यान देते हैं। यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन केवल फार्मूले याद कर लेना पर्याप्त नहीं है। किसी भी फार्मूले को याद करने से पहले यह समझना आवश्यक है कि वह किस सिद्धांत पर आधारित है, उसमें प्रयुक्त राशियों का क्या अर्थ है और उसका उपयोग किन परिस्थितियों में किया जाता है। फार्मूले को केवल परीक्षा के लिए रटने के बजाय उसके प्रत्येक चरण को समझने का प्रयास करना चाहिए।

दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ें भौतिकी

भौतिकी को समझने का एक सरल तरीका है इसे अपने आसपास की घटनाओं से जोड़ना। जैसे वाहन की गति से मोषन, घूमती हुई वस्तुओं से रोटेषन, मोषन बिजली के उपकरणों से इलेक्ट्रिसिटी, चश्मे और कैमरे तथा संगीत और ध्वनि से घ्वनि तरंगों को समझा जा सकता है। इस तरह पढ़ने पर विद्यार्थी को यह महसूस होगा कि भौतिकी केवल किताब का विषय नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को भौतिकी को एक कठिन विषय मानकर उससे डरने के बजाय उसके पीछे छिपे क्यों और कैसे को जानने की कोशिश करनी चाहिए। जब किसी घटना के पीछे का कारण समझ में आता है तो सीखना अधिक रोचक हो जाता है।

रटें नहीं, 'क्यों' को जानने का प्रयास करें।

भौतिकी को केवल बोर्ड परीक्षा का विषय न समझें। यह हमारे भीतर वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और जिज्ञासा विकसित करने का माध्यम है। जितना विद्यार्थी इसे समझने और अपने जीवन से जोड़ने का प्रयास करेंगे, भौतिकी उतनी ही सरल और रोचक बनती जाएगी।



आभा श्रीवास्तव

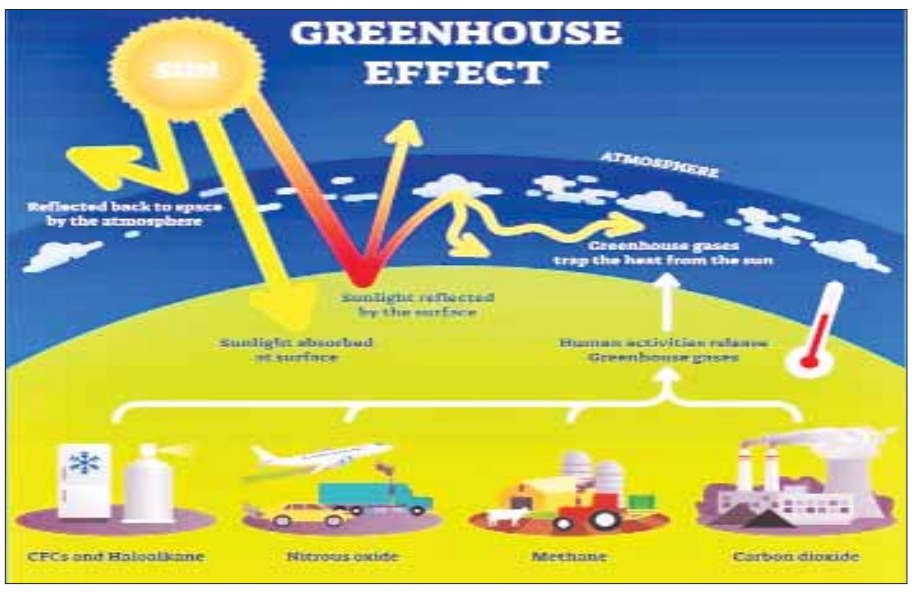
असिस्टेंट प्रोफेसर, फिजिक्स
एपीएन कॉलेज, जबलपुर।

वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की बदलती भूमिका

हरित गृह (ग्रीन हाउस) गैसों में कार्बन डाईऑक्साइड सबसे प्रमुख गैस है जो आमतौर से जीवाश्म ईधनों के जलने से उत्सर्जित होती है। वातावरण में यह गैस 0.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है तथा इसकी तपन क्षमता 1 प्रतिशतत है। बोर्ड एग्जाम के सिलेबस के आधार पर यह एक महत्वपूर्ण टॉपिक है।

बढ़ रहा है सीओटू का स्तर

जैव ईधनों के जलने से प्रति वर्ष 5 बिलियन टन से भी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड का जुड़ाव वातावरण में होता है जिसमें उत्तरी तथा मध्य अमेरिका, एशिया, यूरोप तथा मध्य एशियन गणतंत्रों का योगदान 90 प्रतिशत से भी ज्यादा का होता है। पूर्व-औद्योगीकरण काल की तुलना में वायु में कार्बन डाईऑक्साइड का स्तर आज 31 प्रतिशत तक बढ़ गया है। चूंकि वन कार्बन डाईऑक्साइड के प्रमुख अवशोषक होते हैं अत: वन-विनाश भी इस गैस की वातावरण में निरन्तर वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। वातावरण में 20 प्रतिशत कार्बन डाईऑक्साइड जुड़ाव के लिए वन विनाश जिम्मेदार है। वन-विनाश के फ्लस्वरूप 1850 से 1950 के बीच लगभग 120 बिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड का वातावरण में जुड़ाव हुआ है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाईऑक्साइड की वातावरण में 20 प्रतिशत बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। कार्बन डाईऑक्साइड का वैश्विक तपन वृद्धि में 55 प्रतिशत का योगदान है। औद्योगीकृत विकसित देश वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड वृद्धि के लिए ज्यादा उत्तरदायी हैं।



महत्वपूर्ण है मिथेन गैस

मिथेन भी एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण हरितगृह गैस है जो 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से वातावरण में बढ़ रही है। मिथेन की तपन क्षमता 36 है। यह गैस कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में 20 गुना ज्यादा प्रभावी होती है। पिछले 100 वर्षों में वातावरण में मिथेन की दोगुनी वृद्धि हुई है। धान के खेत, दलदली भूमि तथा अन्य प्रकार की नम भूमियां मिथेन गैस के उत्सर्जन के प्रमुख स्रोत हैं। एक अनुमान के अनुसार वातावरण में 20 प्रतिशत मीथेन की वृद्धि का कारण धान की खेती तथा 6 प्रतिशत कोयला खनन है। इसके अतिरिक्त, शाकभक्षी पशुओं तथा दीमकों में आंतरिक किण्वन (एन्टरिक फरमेन्टेशन) भी मिथेन उत्सर्जन के स्रोत हैं। विकासशील देश विकसित देशों की तुलना में मिथेन उत्सर्जन के लिए ज्यादा उत्तरदायी हैं।

क्लोरोफ्लोरो कार्बन्स भी प्रभावी

क्लोरोफ्लोरो कार्बन्स रसायन भी हरितगृह प्रभाव के लिए उत्तरदायी होते हैं। क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स रसायनों का इस्तेमाल आमतौर से प्रशीतक, उत्प्रेरक तथा ठोस प्लास्टिक झाग के रूप में होता है। इस समूह के रसायन वातावरण में काफी स्थायी होते हैं और यह दो प्रकार के होते हैं- हाइड्रो फ्लोरो कार्बन तथा पर फ्लोरो कार्बन। औद्योगीकरण के कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स की वातावरण में 25 प्रतिशत वृद्धि हुई है। अत: विकासशील देशों की तुलना में औद्योगीकृत विकसित देश क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स के उत्सर्जन के लिए ज्यादा उत्तरदायी हैं।

नाइट्रस ऑक्साइड भी बढ़ रहा

नाइट्रस ऑक्साइड गैस 0.3 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वातावरण में बढ़ रही है तथा इसकी तपन क्षमता 140 है। जैव ईधन, जीवाश्म ईधन तथा रासायनिक खादों का कृषि में अंधाधुंध प्रयोग इसके उत्सर्जन के प्रमुख कारक हैं। मृदा में रासायनिक खादों पर सूक्ष्मजीवों की प्रतिक्रिया के फ्लस्वरुप नाइट्रस ऑक्साइड का निर्माण होता है तत्पश्चात् यह गैस वातावरण में उत्सर्जित होती है। नाइट्रस ऑक्साइड समतापमण्डलीय ओजोन पट्टी के क्षरण के लिए भी उत्तरदायी है। ओजोन पट्टी क्षरण से भी वैश्विक तपन में वृद्धि होगी।

ओजोन गैस की भूमिका

क्षोभमण्डलीय ओजोन भी एक महत्वपूर्ण हरित गृह गैस है जो वातावरण में 0.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। इस गैस की तपन क्षमता 430 है। ओजोन का निर्माण आमतौर से सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में नाइट्रोजन डाईऑक्साइड तथा हाइड्रोकार्बन्स की प्रतिक्रिया स्वरूप होता है। ओजोन गैस का वैश्विक तपन में 2 प्रतिशत का योगदान है। अत: विकासशील देशों की तुलना में विकसित देश हरित गृह गैसों का ज्यादा उत्सर्जन करते हैं जिसका खामियाजा भारत सहित दुनिया के अन्य विकासशील देशों को भुगतना होगा।

दिमाग को भी छुट्टी चाहिए ?

हम थकान को हमेशा शरीर से जोड़कर देखते हैं। पैरों में दर्द हो तो बैठ जाते हैं, शरीर थके तो सो जाते हैं और काम से थकें तो छुट्टी ले लेते हैं। पर जब दिमाग थकता है, तब हम अक्सर कुछ नहीं करते; उलटे उसे एक और फोन कॉल, कुछ और संदेश और सोशल मीडिया की स्क्रॉलिंग दे देते हैं। आज छुट्टी का अर्थ केवल काम की जगह बदलना रह गया है। ऑफिस न जाना हो तो घर के काम, वे खत्म हों तो मोबाइल और मोबाइल रखें तो आने वाले कल की चिंता। हम बिस्तर पर होते हैं, लेकिन दिमाग अब भी दौड़ रहा होता है।

तनाव और उसके प्रभाव

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तनाव कठिन परिस्थिति से पैदा होने वाली चिंता या मानसिक दबाव की अवस्था है। सीमित तनाव सामान्य है, पर अधिक तनाव ध्यान की कमी, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द, शरीर में दर्द और नींद की समस्या जैसी परेशानियाँ ला सकता है। व्यस्तता सफलता का प्रमाण नहीं मैं बहुत व्यस्त हूँ कई बार गर्व से कहा जाता है, जैसे खाली बैठना अपराध हो। पर हर पल उत्पादक होना ज़रूरी नहीं। बारिश देखना, बिना उद्देश्य टहलना, संगीत सुनना, किताब पढ़ना या अपनों से बात करना भी आवश्यक है; खाली समय सदा बर्बाद समय नहीं होता।

मानसिक स्वास्थ्य कमज़ोरी नहीं

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ केवल मानसिक बीमारी का न होना नहीं है। ॅभ्व् के अनुसार यह वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति जीवन के तनावों से निपट सके, अपनी क्षमताओं को पहचान सके, सीख और काम कर सके तथा समाज में योगदान दे सके। दुनिया में लगभग हर सातवाँ व्यक्ति किसी मानसिक विकार के साथ जी रहा है, इसलिए इस विषय पर खुलकर बातचीत करना ज़रूरी है।

कैसे हों रिलेक्स

सूचनाओं और सोशल मीडिया का समय सीमित करें, पर्याप्त नींद लें, नियमित दिनचर्या और शारीरिक गतिविधि अपनाएँ तथा अपने लोगों से जुड़े रहें। दिन में कुछ मिनट बिल्कुल बिना काम के बैठना भी दवा जैसा असर देता है। फोन साइलेंट करना ही पर्याप्त नहीं; मन के भीतर चल रही सूचनाओं को भी शांत करना होगा। याद रखिए दिमाग कोई मशीन नहीं है। हम फोन चार्ज करते हैं, वाहनों में ईंधन भरते हैं और मशीनों को समय-समय पर बंद करते हैंकृतो दिमाग से हर समय चलते रहने की अपेक्षा क्यों? ज़िंदगी केवल दौड़ने का नाम नहीं; कभी रुकना भी उसका हिस्सा है और शायद दिमाग को दी गई सबसे ज़रूरी छुट्टी भी।

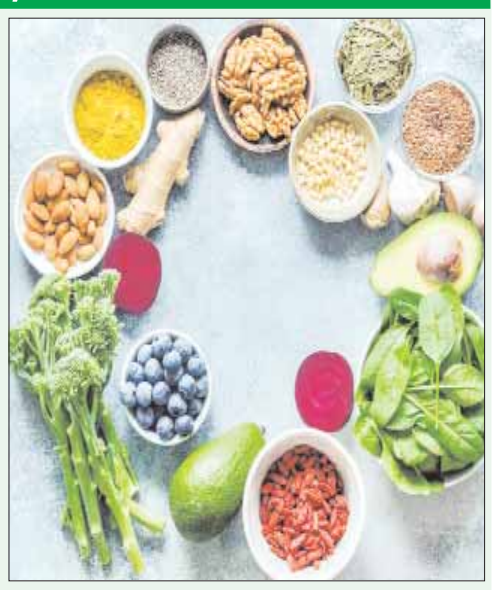


आफरीन खान

टीचर
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

भोजन, ऊर्जा और स्वास्थ्य का आधार

भोजन हमारे शरीर को ऊर्जा देता है, शरीर की वृद्धि में मदद करता है और हमें स्वस्थ रखता है। भोजन में मौजूद उपयोगी घटकों को पोषक तत्त्व कहते हैं। मुख्य पोषक तत्त्व हैं, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण और जल। रेशे पाचन में सहायता करते हैं।



कार्बोहाइड्रेट और वसा

कार्बोहाइड्रेट और वसा शरीर को ऊर्जा देते हैं। चावल, गेहूँ, आलू और चीनी कार्बोहाइड्रेट के स्रोत हैं। घी, तेल, मक्खन, मेवे और बीजों में वसा पाई जाती है। शरीर को ऊर्जा के लिए इनकी आवश्यकता होती है, लेकिन वसायुक्त और मीठे खाद्य पदार्थ सीमित मात्रा में खाने चाहिए।

प्रोटीन

प्रोटीन शरीर की वृद्धि और टूटे हुए ऊतकों की मरम्मत के लिए आवश्यक है। दालें, चना, राजमा, दूध, अंडा, मछली और सोयाबीन प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। बच्चों के बढ़ते शरीर के लिए प्रोटीनयुक्त भोजन विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।

विटामिन, स्रोत और कमी से होने वाले रोग

विटामिन ए गाजर, पालक और दूध में मिलता है। इसकी कमी से रतौंधी हो सकती है। विटामिन बी साबुत अनाज, दालों और मेवों में पाया जाता है; इसकी कमी से बेरी-बेरी हो सकता है। आँवला, अमरूद और खट्टे फल विटामिन सी के स्रोत हैं। इसकी कमी से स्कर्वी हो सकता है। अंडे की जर्दी और मछली के तेल में विटामिन डी पाया जाता है; सूर्य का प्रकाश भी शरीर में इसे बनाने में मदद करता है। इसकी कमी से बच्चों में रिकेट्स हो सकता है।

खनिज लवण और जल

दूध और हरी पत्तेदार सब्जियों में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों और दाँतों को मज़बूत बनाता है। आयोडीनयुक्त नमक आयोडीन का प्रमुख स्रोत है। आयोडीन की कमी से घेंघा हो सकता है। जल शरीर के कई कार्यों के लिए आवश्यक है और पाचन में भी मदद करता है। क्या है संतुलित भोजन जिस भोजन में सभी पोषक तत्त्व उचित मात्रा में हों, उसे संतुलित भोजन कहते हैं। इसमें अनाज, दाल या अन्य प्रोटीनयुक्त पदार्थ, सब्जियाँ, फल और पर्याप्त पानी शामिल होने चाहिए। भोजन की मात्रा उम्र, काम और स्वास्थ्य के अनुसार बदल सकती है। हाथ धोकर भोजन करना और साफ़ पानी पीना भी ज़रूरी है।

दर्पण एग्जाम टिप्स

- लगभग हर दूसरे साल परीक्षा में इससे संबंधित सवाल पूछे जाते हैं, इसलिए मूल अवधारणों का याद करें।
- संतुलित भोजन की परिभाषा और छह प्रमुख पोषक तत्व याद करें।
- विभिन्न विटामिन के स्रोत और कमी से होने वाले रोगों की सूची बनाएँ।
- उत्तर लिखते समय में स्रोत और रोग का नाम स्पष्ट लिखें; जैसे, विटामिन सी की कमी से स्कर्वी नामक बीमारी।

विज्ञान के प्रयोग

विज्ञान हमारे आसपास होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं में छिपा है। क्या आपने कभी सोचा है कि लोहे की पेपर क्लिप पानी से भारी होने के बावजूद उसकी सतह पर तैर सकती है? इसका कारण पानी का पृष्ठ तनाव है। इस सरल प्रयोग से विद्यार्थी विज्ञान के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को आसानी से समझ सकते हैं।

पानी की सतह पर तैरती पेपर क्लिप



आवश्यक सामग्री

एक कटोरा, साफ पानी, लोहे की पेपर क्लिप और टिशू पेपर का छोटा टुकड़ा।

प्रयोग करने की विधि

एक कटोरे में सामान्य तापमान का साफ पानी भरें और उसे स्थिर स्थान पर रखें। टिशू पेपर का छोटा टुकड़ा पानी की सतह पर धीरे से रखें। पेपर क्लिप को सावधानी से टिशू पेपर के बीच में रखें। ध्यान रखें कि क्लिप सीधे पानी में न गिरे। कुछ समय प्रतीक्षा करें। टिशू पेपर पानी सोखकर डूब सकता है, जबकि पेपर क्लिप पानी की सतह पर रह सकती है। यदि क्लिप डूब जाए, तो उसे निकालकर दोबारा अधिक सावधानी से प्रयास करें।

वैज्ञानिक कारण

पानी के अणुओं के बीच आकर्षण बल होता है। पानी की सतह पर मौजूद अणुओं के बीच यह आकर्षण सतह को एक खिंची हुई पतली परत जैसा व्यवहार करने में मदद करता है। इस गुण को पृष्ठ तनाव कहते हैं।

जब पेपर क्लिप को बहुत सावधानी से पानी की सतह पर रखा जाता है, तो पानी की सतह में पर्याप्त विकृति उत्पन्न नहीं होती और पृष्ठ तनाव क्लिप के भार को सहारा दे सकता है। लेकिन क्लिप को तेजी से डालने या सतह को हिलाने पर वह डूब सकती है।

आवश्यक सावधानियाँ

- कटोरा और पानी साफ होने चाहिए।
- पानी को हिलाएँ नहीं और कटोरे को स्थिर रखें।
- पेपर क्लिप को धीरे-धीरे सतह पर रखें।
- पानी में साबुन या डिटर्जेंट न मिलाएँ, क्योंकि इससे पृष्ठ तनाव कम हो सकता है।
- प्रयोग के बाद पानी और पेपर क्लिप को व्यवस्थित रखें।

यह प्रयोग बताता है कि पानी का पृष्ठ तनाव कुछ छोटी वस्तुओं को उसकी सतह पर सहारा दे सकता है। हालाँकि, पेपर क्लिप का तैरना हालाँकि, पेपर क्लिप का तैरना निश्चित नहीं हैय यह उसके आकार, भार और उसे रखने के तरीके पर निर्भर करता है। इस प्रकार एक साधारण प्रयोग से विज्ञान का महत्त्वपूर्ण सिद्धांत समझा जा सकता है।

अम्ल और क्षार , खट्टे-कड़वे पदार्थों का विज्ञान

रसोई में रखा नींबू, दही और सिरका खट्टा लगता है, जबकि साबुन और बेकिंग सोडा कड़वे तथा स्पर्श में फिसलन वाले। यह स्वाद कोई संयोग नहीं, बल्कि पदार्थों के रासायनिक स्वभाव का संकेत है। जो पदार्थ खट्टे होते हैं और नीले लिटमस को लाल कर देते हैं, उन्हें अम्ल कहते हैं; जो कड़वे होते हैं और लाल लिटमस को नीला कर देते हैं, उन्हें क्षार कहते हैं। यह ज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहींकृपेट का पाचन, अचार का संरक्षण, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और दांतों की सफाई, सब इसी पर आधारित हैं।

अम्ल क्या हैं

अम्ल जल में घुलकर हाइड्रोजन आयन देते हैं तथा धातुओं से क्रिया करके हाइड्रोजन गैस उत्पन्न करते हैं। ये दो प्रकार के हैं कार्बनिक अम्ल, जैसे नींबू का सिट्रिक अम्ल, दही का लैक्टिक अम्ल और सिरके का एसिटिक अम्ल; तथा अकार्बनिक अम्ल, जैसे हाइड्रोक्लोरिक अम्ल और सल्फ्यूरिक अम्ल, जो प्रयोगशाला में काम आते हैं।

क्षार क्या हैं

क्षार अम्ल के प्रभाव को कम कर देते हैं और साबुन जैसे फिसलन वाले होते हैं। सोडियम हाइड्रॉक्साइड, बेकिंग सोडा और चूने का पानी इसके सामान्य उदाहरण हैं। वे क्षार जो जल में घुल जाते हैं, क्षारक कहलाते हैं।

क्या होते हैं सूचक

वे पदार्थ जो अम्ल और क्षार की पहचान कराते हैं, सूचक कहलाते हैं। नीला तथा लाल लिटमस कागज सबसे सरल सूचक है। हल्दी का पेस्ट क्षार के संपर्क में लाल हो जाता है, गुड़हल के फूल का रस अम्ल में गहरा लाल और क्षार में हरा हो जाता है।

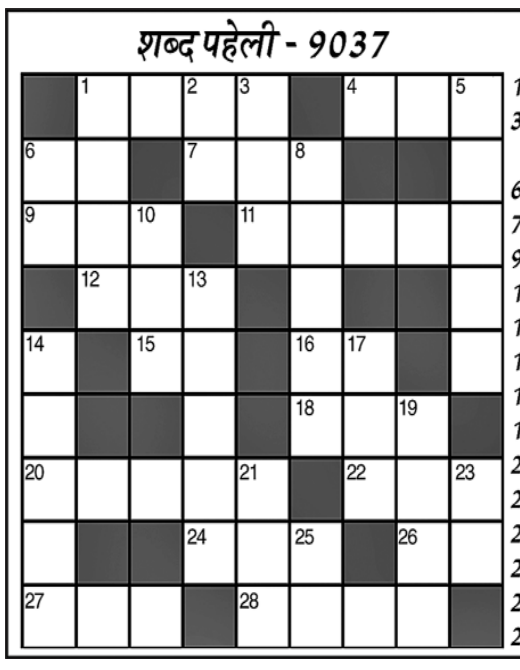
जानिए उदासीनीकरण

जब अम्ल और क्षार मिलते हैं तो वे एक-दूसरे का प्रभाव समाप्त करके लवण और जल बनाते हैं। इस क्रिया को उदासीनीकरण कहते हैं। पेट में अधिक अम्ल बनने पर डॉक्टर एंटैसिड देते हैं, अम्लीय मिट्टी में चूना मिलाया जाता है और दांतों का पेस्ट भी इसी सिद्धांत पर काम करता है।

दैनिक जीवन में उपयोग

अम्ल अचार बनाने, बैटरी तथा उद्योगों में काम आता है, और क्षार साबुन, कागज, काँच एवं सफाई के पदार्थों में। चूने का पानी सफेदी में काम आता है। अम्ल और क्षार जीवन के महत्वपूर्ण पदार्थ हैं, जो स्वाद, स्वच्छता और उद्योग से जुड़े हैं। सूचकों की सहायता से हम इन्हें पहचान सकते हैं और उदासीनीकरण द्वारा इनके प्रभाव को संतुलित कर सकते हैं।

शब्द पहेली - 9037



बाएँ से दाएँ

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक(अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -9036 का हल

अ	च	क	न			आ	ब	रु
जू			व	र	दा	न		ख
बा	ल			बा	दा			सा
	ल	त		ना		म	ग	र
	का	र	ण		क	ल	फ	
ह	र	फ		आ		बा	ल	
बा			दा	बा			त	ह
ला		रा	ह	ज	नी			व
त	मी	ज			र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

केरल को पराजित करते हुए तमिलनाडु की टीम ने जीती 70 वी राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता

खेलो-इंडिया जैसे अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान और नई दिशा दी : मंत्री उदयप्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)



मंगलवार को चीचली के कैलाश सोनी खेल मैदान पर 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर 19 आयु बालक वर्ग का भव्य समापन प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह एवं भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में हुआ। समापन के पूर्व चीचली के खेल मैदान पर खेले गये फाइनल मैच में तमिलनाडु ने केरल को 13 रनो से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। मैच में टॉस हारकर तमिलनाडु की टीम ने लड़खड़ाती पारी के चलते 20 ओवर में प्लेयर ऑफ दा मैच संजय की 50, भरत के 40 रनो की पारी की बदौलत 7 विकेट खोकर मात्र 131 रन बनाये । जवाब में केरल की टीम 20 ओवरो में 7 विकेट खोकर सिर्फ 118 रन ही बना पाई। वहीं तीसरे स्थान के लिए एनटीपीसी खेल मैदान पर खेले गये मैच में उप्र ने जम्मू कश्मीर को 5 विकेट से हराया। टॉस हारकर जम्मू कश्मीर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 95 रन बनाये जबाब में उप्र ने 12 वे ओवर में 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस मैच का प्लेयर ऑफ दा मैच 36 रनो की पारी खेलने वाले उप्र के राहुल यादव को दिया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर चीचली में राष्ट्रगान एवं माँ सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं अतिथियों का स्वागत स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियो ने किया।इस दौरान छात्रावास की छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण देश की संस्कृति के दर्शन हुए है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया की नजर इस समय भारत पर है। सम्पूर्ण विश्व आज भारत की ओर देख रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की शक्ति से ही राष्ट्र का विकास संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलोइंडिया' जैसे अभियानों ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान और नई दिशा दी है। आज पूरा भारत खेल रहा है और भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। एक समय था जब हम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में केवल भागीदारी के लिए जाते थे, लेकिन आज पदक जीतकर तिरंगे का मान बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन सराहनीय है। खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त आधार हैं। उन्होंने तमिलनाडु के कम उम्र के बल्लेबाज संजय की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे ही नवोदित बच्चों की बदौलत क्रिकेट आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्यसभा के पूर्व सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि मैच में कोई जीतता तो कोई हारता है लेकिन हमें मन से नहीं हारना चाहिए।

सात दिवसीय संकीर्तन प्रारंभ



नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

संकीर्तन समाज नरसिंहपुर के द्वारा तुलसी मानस प्रतिष्ठान सदर मदिया में गौलोकवासी पं. शिवशंकर दीक्षित (दादा जी) दमोह वालों की पुण्य स्मरण करते हुये उनके दिव्य प्रेम और आर्शीवाद से सिंचित नरसिंह धरा में इस वर्ष भी हरिनाम संकीर्तन महोत्सव के आयोजन 18 नवंबर से प्रारंभ हो गई है । कीर्तन अनंत का 41 वाँ वार्षिक आयोजन सप्त-दिवसीय होगा।वो जिसमें 18 नवंबर को आवला नवमी पर प्रात: बेला 10 बजे से दीप प्रज्वलन के साथ अखाण्ड संकीर्तन प्रारंभ पं. मदन मोहन जी दीक्षित बड़े भैया की उपस्थिति में होगा। इसमें 19 नवंबर से 24 नवंबर तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से संकीर्तन एवं प्रवचन पं. नीलमणि जी दीक्षित मझले भैया के द्वारा होंगे एवं 19 नवंबर से 2ः30 बजे से श्री रामकथा प्रवचन होंगे। प्रतिदिन संकीर्तनमय दिव्य आरती रात्रि 8.30 बजे से होगी तथा 25 नवंबर को प्रात: 10 बजे संकीर्तन का विश्राम एवं भंडारा प्रसादी होगी। संकीर्तन समाज ने सभी से सहभागिता की अपील की।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित की जन चौपाल

ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और संगठन की मजबूती पर दिया जोर

शहडोल (स्वतंत्रमत)



जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संचालित च्वोट बचाओ, देश बचाओज अभियान के तहत ब्यौहारी एवं जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्रों में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों ने ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर आम नागरिकों से सीधा संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस क्रम में प्रथम जन चौपाल का आयोजन ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टेटका में तथा दूसरी जन चौपाल जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पत्थर में आयोजित की गई। दोनों ही कार्यक्रमों में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आब्जर्वर एवं महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक अर्जुनराव जगताप (भाई जगताप) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने की। इस अवसर पर ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी त्रिभुवन सिंह एवं जयसिंहनगर विधानसभा प्रभारी आशीष त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति रही। जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाई जगताप ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। वोट केवल मतदान का माध्यम नहीं, बल्कि देश के भविष्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को दिशा देने का सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने च्वोट बचाओ, देश बचाओज अभियान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने, मतदाता सूची में पारदर्शिता बनाए रखने तथा प्रत्येक मतदाता के मत की सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की रक्षा और आम नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच पहुंचकर उन्हें उनके संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा चुनावी प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जनसंवाद स्थापित करना है। इस दौरान आब्जर्वर भाई जगताप ने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से विस्तारपूर्वक संवाद किया। उन्होंने जिले में संचालित संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी की वर्तमान स्थिति एवं जमीनी स्तर पर संगठन की सक्रियता की जानकारी प्राप्त की। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पार्टी के कार्यक्रमों एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर जनता के बीच पहुंचकर उनकी आवाज उठाने का कार्य कर रही है। च्वोट बचाओ, देश बचाओज अभियान के माध्यम से लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार के प्रति जागरूकता और आम नागरिकों के अधिकारों को मजबूती प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगा। जन चौपाल के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा। कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि जनता से जुड़े इन विषयों को संगठन के माध्यम से उचित मंच तक पहुंचाकर उनके निराकरण के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

अखिल भारतीय ऑनलाइन वीडियो कविता प्रतियोगिता में मृगेन्द्र श्रीवास्तव को मिला प्रथम स्थान

शहडोल (स्वतंत्रमत)

समीपस्थ ग्राम सिंहपुर निवासी सेवानिवृत शिक्षक मंच संचालक ,कवि एवं साहित्यकार मृगेन्द्र श्रीवास्तव को मुक्तिका पब्लिकेशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। ज्ञातव्य है मुक्तिका पब्लिकेशन द्वारा दीपोत्सव पर्व पर कलम से सपनों का सफर' अखिल भारतीय कविता सृजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के अनेक रचनाकारों ने सहभागिता की। संस्था के नियमानुसार तीन दिनों में अंदर सर्वाधिक लाइक और कमेंट प्राप्त करने वाले रचनाकार को विजेता घोषित किया जाना था। उक्त अनुसार संस्था द्वारा परिणाम की घोषणा की गई। जिसमें शहडोल जिले के ग्राम सिंहपुर निवासी प्रतिष्ठित शिक्षक एवं साहित्यकार मृगेन्द्र श्रीवास्तव की प्रविष्टि तोड़ सभी बाधाएँ अपने पथ पर बढ़ते जाएं को प्रथम स्थान हेतु चयनित किया गया, जिन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है इसके पूर्व भी मृगेन्द्र श्रीवास्तव को कई साहित्यिक मंचों द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया जा चुका है। आप हर अवसर पर अपनी लेखनी से अपने भावों की अभिव्यक्ति सतत करते रहते हैं एवं इस हेतु अन्य साहित्यकारों को भी प्रेरित करते रहते हैं। मृगेन्द्र श्रीवास्तव ने आयोजक संस्था एवं समस्त समर्थकों के प्रति विनम्र कृतज्ञता ज्ञापित की है। आपकी इस उपलब्धि पर आपके इष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

निगम प्रशासन जुटा शहर का अतिक्रमण हटाने में

आयुक्त के सख्त आदेश पर अतिक्रमण दस्त निकला शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए

सतना (स्वतंत्र मत)



कमिश्नर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा खुद शहर में अतिक्रमण को देख रहे हैं और उन्होंने साफ निर्देश दिए हैं कि शहर के अंदर एक भी अतिक्रमण नहीं रहना चाहिए। कमिश्नर ने अतिक्रमण प्रभारी को कड़े शब्दों में कहा कि शहर की सड़कों, फुटपाथ और सार्वजनिक मार्गों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाए। शहर के मुख्य बाजार बस स्टैंड सेमरिया चौक बैंक कॉलोनी मोड़ और अस्पताल रोड सिविल लाइन चौराहा पर अतिक्रमण हो जाता है। हाथ ठेले फुटपाथी दुकानें और अवैध कब्जे फिर से सड़कों पर हो जाता है । स्थानीय लोगों का कहना है कि जब दस्ता आता है तो ठेले वाले कुछ देर के लिए हट जाते हैं और दस्ता जाते ही फिर से वहीं आकर बैठ जाते हैं। इससे आम लोगों को जाम और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि निगम की कार्रवाई सिर्फ कागजों और फोटो तक सीमित है। कमिश्नर के निर्देश के बाद भी अतिक्रमण प्रभारी की टीम ने स्थाई व्यवस्था नहीं की न ही दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई। शहरवासियों ने मांग की है कि कमिश्नर के निर्देश का सच में पालन हो और शहर को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाए, नहीं तो यह अभियान सिर्फ दिखावा बनकर रह जाएगा।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सतना (स्वतंत्र मत)

जिले के नागौद थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में मंगलवार रात 25 वर्षीय विवाहिता साक्षी कचेर ने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साक्षी का विवाह पुष्पेंद्र कचेर से हुआ था। उसके दो बच्चे हैं और मायका सीधी जिले के रामपुर नैकिन में बताया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय पति पुष्पेंद्र अपनी किराना की दुकान कुलगढ़ी में था। जब वह रात में दुकान से घर पहुंचा तो दोनों बच्चे घर के बाहर रोते हुए बैठे मिले। बच्चों को इस हालत में देखकर जब वह घर के अंदर पहुंचा तो साक्षी को फंदे पर लटका पाया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पोड़ी चौकी से प्रधान आरक्षक संतोष गहरवार एवं आरके कुशवाहा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए नागौद अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल विवाहिता द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कलेक्टर ने किया 650 बिस्तरीय चिकित्सालय के निर्माण का निरीक्षण

निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता पर दिया जोर

सतना (स्वतंत्र मत)



कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अपने शहर भ्रमण में भारत रत्न पं. अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सतना में निर्माणाधीन 650 बिस्तरीय चिकित्सालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, एसडीएम राहुल सिलाडिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की प्रगति समय-सीमा और गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य समय पर और तय मानकों के अनुसार पूरा किया जाए, इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सालय सतना ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों के लिए भी बड़ी सुविधा साबित होगा। इसलिए काम में तेजी के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

पत्रकार कल्याण परिषद का प्रांतीय अधिवेशन

सतना, स्वतंत्र मत। पत्रकार कल्याण परिषद का प्रांतीय अधिवेशन 22 नवंबर को सिमरिया चौराहा स्थित कोलकाता मैरिज गार्डन सतना में आयोजित किया जा रहा है। इस अधिवेशन में प्रदेश भर के पत्रकार शामिल होंगे। पत्रकार कल्याण परिषद के जिला अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बताया कि अधिवेशन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिवेशन में पत्रकारों के हित सुरक्षा और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। पत्रकार कल्याण परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। अधिवेशन में पत्रकारों की समस्याओं शासन की योजनाओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने सभी पत्रकारों से अधिवेशन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन पत्रकारों की एकजुटता और उनके हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।



मां राजराजेश्वरी का भव्य कोटि हल्दी-कुंकुमार्चन महाअनुष्ठान 1 को

सतना (स्वतंत्र मत)

सामूहिक श्रीविद्या साधना पूजन हवन एवं महाआरती से गूंजेगा सतना पूजन सामग्री से लेकर भोजन प्रसाद तक रहेगी नि:शुल्क व्यवस्था। गौ संरक्षण के लिए 'एक रोटी गौ माता के नाम' अभियान का भी होगा शुभारंभ। धर्म अध्यात्म साधना और जनकल्याण की भावना को समर्पित एक ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के रूप में सतना में आगामी 1 दिसंबर को मां राजराजेश्वरी (श्री माता महालक्ष्मी) का भव्य कोटि हल्दी-कुंकुमार्चन महाअनुष्ठान आयोजित होने जा रहा है। परम पूज्य संत श्री रावतपुरा सरकार के पावन सान्निध्य में पन्ना रोड स्थित जीएमएस सिटी सेंटर मैदान में आयोजित होने वाले इस दिव्य महाअनुष्ठान में 2100 परिवारों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। श्री रावतपुरा सरकार भक्त मंडल, सतना के तत्वावधान में आयोजित इस महाअनुष्ठान में सामूहिक श्रीविद्या साधना मां राजराजेश्वरी का हल्दी-कुंकुमार्चन हवन, पूजन एवं महाआरती सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजन का मूल उद्देश्य मां राजराजेश्वरी की सामूहिक आराधना के माध्यम से सतना सहित संपूर्ण क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति, सद्भाव, आध्यात्मिक चेतना और जनकल्याण की मंगल कामना करना है। मां राजराजेश्वरी को समर्पित यह महाअनुष्ठान धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्त्व रखता है। श्रीविद्या साधना को शक्ति उपासना की विशिष्ट साधना पद्धति माना जाता है। हल्दी एवं कुमकुम से मां राजराजेश्वरी का अर्चन श्रद्धा, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। संत श्री रावतपुरा सरकार की प्रेरणा एवं संकल्प के अनुरूप इस आयोजन को सामूहिक साधना और जनकल्याण का माध्यम बनाया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ मां राजराजेश्वरी की आराधना करते हैं, तो इससे समाज में सकारात्मकता आध्यात्मिक चेतना, एकता और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश भी दिया जाएगा कि आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ व्यक्ति को अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए भी सकारात्मक योगदान देना चाहिए। महाअनुष्ठान में 2100 परिवारों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आयोजन के दौरान निर्धारित धार्मिक विधान के अनुसार मां राजराजेश्वरी का 12 लाख अर्चन, पूजन, हवन एवं महाआरती



संपन्न कराई जाएगी। अनुष्ठान में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की पूजन सामग्री अपने घर से लाने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रत्येक सहभागी के लिए आयोजन स्थल पर व्यवस्थित रूप से आसन, पूजन थाली, हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, पुष्प, कलश सहित समस्त आवश्यक पूजन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस महाअनुष्ठान में सहभागिता के लिए कोई पंजीयन शुल्क निर्धारित नहीं किया गया है। पूजन सामग्री से लेकर भोजन प्रसाद तक की संपूर्ण व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। आयोजकों का उद्देश्य है कि आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक श्रद्धालु मां राजराजेश्वरी की सामूहिक आराधना में सहभागी बन सके। करीब ढाई घंटे तक चलने वाले इस महाअनुष्ठान के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को विशेष रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर विशाल एवं नि:शुल्क पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रसाधन (शौचालय) की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालुओं के बैठने, पूजन सामग्री वितरण, आवागमन और भोजन प्रसाद वितरण के लिए पृथक-पृथक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य एवं स्वयंसेवक विभिन्न व्यवस्थाओं में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पूरा आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। इस भव्य महाअनुष्ठान के लिए परम पूज्य संत श्री रावतपुरा सरकार 29 नवंबर को सतना पहुंचेंगे। उनके सतना आगमन को लेकर भक्तों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।29 एवं 30 नवंबर को महाराज श्री विभिन्न निजी एवं निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात 1 दिसंबर की सायंकालीन बेला में पन्ना रोड स्थित जीएमएस सिटी सेंटर मैदान (विराट नगर कॉलोनी मोड़, रिलायंस जियो मार्ट के सामने) में आयोजित मां राजराजेश्वरी के कोटि हल्दी-कुंकुमार्चन महाअनुष्ठान में अपना पावन सान्निध्य एवं आशीर्वचन प्रदान करेंगे। महाराज श्री के आगमन को लेकर भक्त मंडल द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। उनके प्रवास के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस धार्मिक आयोजन की एक विशेष पहल गौ सेवा एवं गौ संरक्षण को समर्पित रहेगी। समाज में गौ माता के प्रति सेवा, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से 1 दिसंबर को 'एक रोटी अपने लिए नहीं, गौ माता के लिए' अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत सतना के धवारी स्थित वार्ड क्रमांक 32 से होगी। संत श्री रावतपुरा सरकार स्वयं घर-घर पहुंचकर लोगों को गौ सेवा एवं गौ संरक्षण का संदेश देंगे और प्रत्येक परिवार से प्रतिदिन एक रोटी गौ माता के लिए निकालने का संकल्प लेने का आह्वान करेंगे। अभियान का उद्देश्य केवल एक दिन गौ सेवा करना नहीं, बल्कि इसे प्रत्येक परिवार की नियमित दिनचर्या और सामाजिक संस्कार का हिस्सा बनाना है। आयोजन समिति का मानना है कि धर्म और अध्यात्म की सार्थकता तभी है, जब उसके साथ सेवा, करुणा और जीवमात्र के प्रति संवेदना का भाव भी जुड़ा हो। संत श्री रावतपुरा सरकार के 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक प्रस्तावित सतना प्रवास के दौरान भक्तों को दीक्षा प्रदान करने का कार्यक्रम भी रहेगा। आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए यह विशेष अवसर होगा। महाराज श्री का यह प्रवास धार्मिक अनुष्ठान आध्यात्मिक मार्गदर्शन भक्तों को आशीर्वचन तथा गौ सेवा जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहेगा।

बिना एसएमएस के धान कटाई करने वाले चार हार्वेस्टर संचालकों के विरुद्ध नैनपुर थाना में एफआईआर

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।





कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंडला द्वारा जारी आदेश क्रमांक कृषि खरीफ-नरवाई पराली 2026-27/5384 दिनांक 15 अक्टूबर 2026 के माध्यम से जिले की राजस्व सीमा में फसल अवशेष प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नरवाई जलाने पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही धान की फसल की कटाई के लिए कम्बाइन हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम एसएमएस लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। उक्त आदेश तथा राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन नीति 2014 के प्रावधानों के अनुपालन में जिले में बिना एसएमएस युक्त कम्बाइन हार्वेस्टर से धान की कटाई पर प्रतिबंध है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समितियों को सतत निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा की जा रही निगरानी के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिना एसएमएस युक्त हार्वेस्टर से धान कटाई किए जाने के मामले सामने आए। जांच में आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर थाना प्रभारी नैनपुर द्वारा संबंधित चार हार्वेस्टर संचालकों के विरुद्ध थाना नैनपुर में पृथक-पृथक चार एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें एफआईआर क्रमांक 0523/2026, 0524/2026, 0525/2026 एवं 0526/2026 शामिल हैं। उक्त प्रकरणों में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के प्रावधानों के अनुसार संबंधित हार्वेस्टर संचालकों के विरुद्ध निर्धारित दण्ड एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है।

संचालन पर सतत निगरानी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम एसएमएस के कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल कटाई की अनुमति नहीं है। यदि किसी क्षेत्र में बिना एसएमएस के हार्वेस्टर से फसल कटाई की जाती है तो नागरिक इसकी सूचना संबंधित पुलिस थाना राजस्व अधिकारी अथवा जिला कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 9301463430 पर दे सकते हैं। प्राप्त सूचना पर तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

नरवाई जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध

कलेक्टर के आदेश के अनुसार जिले की राजस्व सीमा में खेतों में नरवाई अथवा फसल अवशेष जलाना पूर्णत: प्रतिबंधित है। नरवाई जलाने की स्थिति में भूमि के रकबे के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति अर्थदण्ड निर्धारित किया गया है। इसके तहत 2 एकड़ से कम भूमि पर प्रति घटना 2500 रुपये, 2 से अधिक एवं 5 एकड़ से कम भूमि पर 5 हजार रुपये तथा 5 एकड़ से अधिक भूमि पर प्रति घटना 15 हजार रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने की अपील

जिला प्रशासन ने जिले के समस्त कृषकों एवं हार्वेस्टर संचालकों से अपील की है कि निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। कृषक नरवाई न जलाएं तथा फसल कटाई के लिए केवल एसएमएस युक्त हार्वेस्टर का ही उपयोग कराएं। फसल अवशेषों का वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन कर भूमि की उर्वरा शक्ति एवं जनस्वास्थ्य के संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

कार्यशाला में किसानों को दी जानकारी

किसानों को नरवाई जलाने से रोकने और फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अमित बायोग्रीन सॉल्यूशंस के तत्वावधान में ग्राम कोरगांव स्थित सीबीजी प्लांट में नरवाई प्रबंधन कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषि विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में जिले और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। किसानों को नरवाई के वैज्ञानिक प्रबंधन, आधुनिक कृषि मशीनों के उपयोग और फसल अवशेषों से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

अवशेष प्रक्रिया से कराया अवगत

कार्यशाला के दौरान सीबीजी प्लांट के संचालक दिनेश पोपटानी एवं एग्रीगेटर रितेश राय के सहयोग से किसानों को प्लांट का भ्रमण कराया गया। इस दौरान प्लांट की कार्यप्रणाली और कृषि अवशेषों के उपयोग की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। किसानों को बताया गया कि फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाली नरवाई को जलाने के बजाय उसका संग्रहण कर उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान नरवाई प्रबंधन में हे-रैक मशीनों की कार्यशैली समझाई गई। साथ ही बेलर मशीन का जीवंत प्रदर्शन कर किसानों को बताया गया कि किस प्रकार खेतों में बिखरे फसल अवशेषों को एकत्र कर बंडल तैयार किए जाते हैं। इससे नरवाई का व्यवस्थित संग्रहण और परिवहन आसान हो जाता है तथा किसानों को फसल अवशेषों से अतिरिक्त आय प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

टीकाकरण सत्रों का सपोर्टिव सुपरविजन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त दल द्वारा ग्राम सनकुही एवं ग्राम ठोंड़ा अहमदपुर में आयोजित टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया गया। संयुक्त भ्रमण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमित सिंगौर परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अनूप नामदेव एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक बीपीएम आदित्य पटेल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान दोनों ग्रामों में संचालित टीकाकरण सत्रों की व्यवस्थाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया गया। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन निर्धारित आवश्यक जांचों की पूर्ति तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं एचआरपीडब्ल्यू की पहचान कर उनकी सघन निगरानी नियमित फॉलोअप तथा आवश्यकता अनुसार समय पर उचित स्वास्थ्य संस्था में रेफरल सुनिश्चित करने के निर्देश मैदानी स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस अमले को दिए।

विधिक साक्षरता शिविर

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कमल जोशी के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश-सचिव हेमराज सनोडिया के निर्देशन में न्याय उत्सव-विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत अमल ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल, महाराजपुर मंडला में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

जागरूकता सत्र आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में एकीकृत शासकीय हाई स्कूल पाठा, विकासखंड नारायणगंज में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना एवं हब अंतर्गत मासिक थीम के अनुसार जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।

प्रभारफेरी का हो रहा स्वागत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी श्री गुरुनानक जयंती के अवसर पर पूर्व आयोजन की श्रृंखला में पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में समाज के पुरुष महिलाओं बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली जा रही है जो कि प्रात: काल 5 बजे अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों एवं रहवासी क्षेत्रों में जाकर गुरु के जयकारों के साथ गुंजायमान हो रही है, सामाजिक जनों के द्वारा प्रभात फेरी का दिये जलाकर,फूल माला के साथ स्वागत किया जा रहा रहा है।

ढाबा संचालकों की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार एसडीएम कुलदीप पटेल द्वारा बिछिया क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के किनारे संचालित ढाबा मालिकों की बैठक ली गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राजमार्ग पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है।

गौशाला में धूमधाम से मनाई गोपाष्टमी, संतों ने सुनाई गौकथा

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा के तत्वावधान में ग्राम सेमरखापा स्थित अचली धेनुवाड़ी गौशाला में गोपाष्टमी का पर्व श्रद्धा उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संतों का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। इस दौरान गौ माता का पूजन गो-कथा भजन-कीर्तन और वृक्षारोपण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की गईं कार्यक्रम का शुभारंभ परम पूज्य संत नीलू महाराज एवं शारदानात्मक महाराज के सानिध्य में गौ माता के पूजन से हुआ। विश्व हिंदू परिषद गौ रक्षा के पदाधिकारियों, संगठन के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों और ग्रामीणों ने गौ माता का तिलक-वंदन कर विधि-विधान से पूजन किया इसके बाद गौ माता को गुड़, फूटा, पूरी और खीर का भोग अर्पित किया गया उपस्थित गौभक्तों ने गौ माता की सेवा और संरक्षण का संकल्प लिया कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजन स्थल पर गौ माता एवं भगवान श्रीकृष्ण गोपाल का पूजन किया गया पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। इसके बाद संत नीलू महाराज ने लगभग दो घंटे तक गौ कथा का वाचन किया। इस अवसर पर भजन मंडली ने गौ माता की महिमा से जुड़े सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। विश्व हिंदू परिषद रेनू कछवाहा ने बताया कि गोपाष्टमी का आयोजन गौ माता के प्रतिश्रद्धा व्यक्त करने के साथ ही समाज में गौ सेवा संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे आयोजनों से लोगों में गौसेवा के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भालावी, वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती प्रिया धुर्वे, विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, नवांकुर संस्था की संचालिका सुश्री किरण ठाकुर, सुधीर कांसकार नीरज अग्रवाल, मुकेश सोनी, गजेन्द्र गुप्ता, किशोर रजक, दीपक उमरे सहित बड़ी संख्या में गौ सेवक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



खेलकूद रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्रमत)। सेंट एलिसिस इंग्लिश स्कूल अंजनिया में बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों के लिए खेलकूद एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लया और अपनी प्रतिभा ऊर्जा व रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर बाल दिवस की खुशियों बच्चों की हंसी-खुशी और रंग-बिरंगी रंगोलियों से सराबोर नजर आया। जहां एक ओर खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दौड़ कूद व अन्य रोचक खेलों में अपनी फुर्ती और खेल भावना का परिचय दिया वहीं दूसरी ओर रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पना और कला के रंगों से मनमोहक व आकर्षक रंगोलियां बनाकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों व अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और विजेता व प्रतिभागी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीन दिवसीय वॉलीबॉल महाकुंभ सम्पन्न



मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर ग्राम चंदवारा रैयत विकासखंड बिछिया में आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय वॉलीबॉल महाकुंभ समापन किया गया। 13 से 15 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में मंडला डिंडोरी और बालाघाट जिले की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में स्पीकर टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया जबकि डिंडोरी की टीम उपविजेता रही विजेता स्पीकर टीम को 11 हजार रुपये नकद ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र तथा उपविजेता डिंडोरी टीम को 7,500 रुपये नकद ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

व्यक्तिगत पुरस्कारों में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट नंदू, बेस्ट सेटर रूपांश इमर्जिंग प्लेयर सौरभ, बेस्ट अटैकर प्रदीप, बेस्ट डिफेंडर बिट्टू और बेस्ट स्पोर्ट्समैनशिप का पुरस्कार सुनील को प्रदान किया गया आयोजन के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष और योगदान पर निबंध प्रतियोगिता तथा जनजातीय लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, जनपद पंचायत मवई अध्यक्ष मनीषा मरकाम, मनसुख पट्टा सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

अस्पताल को भेंट की सामग्री संस्था का जताया आभार

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।



जिले के नारायणगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज में मरीजों की सुविधाओं के विस्तार के लिए क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड और क्रेडिट एक्सेस इंडिया फाउंडेशन द्वारा सराहनीय पहल की है। संस्था ने अपने कार्यक्रम के तहत नारायणगंज अस्पताल प्रबंधन को मरीजों की देखरेख और सहूलियत के लिए कई आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण और सामग्रियां प्रदान की हैं बताया गया कि संस्था द्वारा नारायणगंज अस्पताल को जो सामग्रियां भेंट की गई हैं उनमें 5 आयरन बेड, 1 स्ट्रेचर 1 व्हीलचेयर 1 वाटर कूलर 5 बीपी मशीन और 5 पल्स ऑक्सीमीटर शामिल हैं। इस अवसर पर संस्था के एरिया मैनेजर रामेश्वर रोकड़े और ब्रांच मैनेजर राहुल पटले ने बताया कि उनका संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके उत्थान के लिए निरंतर काम कर रहा है। इसके साथ ही जनहित और समाज के उत्थान के लिए समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है कार्यक्रम के दौरान उपस्थित डॉ. अमृतलाल कोल ने मरीजों के हित में दी गई इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए संस्था के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ से डॉ. देशबंधु उइके, डॉ. सुमित व उनकी टीम फार्मासिस्ट कमलेश सिंह और नर्सिंग विभाग से नर्सिंग ऑफिसर सोनिका उईके, प्रतिमा हरदहा, राजकुमारी समेत सीएचसी स्टाफ उपस्थित रहा वहीं क्रेडिट एक्सेस लिमिटेड की ओर से रामेश्वर रोकड़े और राहुल पटले के साथ स्टाफ सदस्य ललित ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर सामग्री सौंपी।

मासिक बैठक सह प्रशिक्षण सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मप्र जन अभियान परिषद् में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों विकास खण्ड स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र गाजीपुर में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामेश्वर अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में वैज्ञानिक डॉ केके राणा, जिला समन्वयक सुशील कुमार बर्मन एवं विकास खण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारीगण समस्त परामर्शदाताओं एवं बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

आदिवासी शब्द के विरोध में सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

आदिवासी समाज की पहचान और अस्मिता से जुड़े आदिवासी शब्द को लेकर दिए गए कथित बयान के विरोध में बुधवार को आदिवासी महापंचायत गढ़ा ने महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। महापंचायत ने संबंधित जनप्रतिनिधि के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है ज्ञापन में विधायक पन्नालाल शाक्य के कथित बयान का उल्लेख करते हुए कहा गया कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के संदर्भ में भारत में आदिवासी समुदाय के अस्तित्व को नकारने तथा उन्हें गिरिवासी वनवासी ग्रामवासी और नगरवासी जैसे शब्दों से संबोधित करने संबंधी टिप्पणियों से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। महापंचायत ने कहा कि इस तरह के बयान आदिवासी समुदाय की पहचान इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को प्रभावित करते हैं महापंचायत ने अपने ज्ञापन में कहा कि आदिवासी शब्द समाज की पहचान और अस्मिता का प्रतीक है। यह शब्द आदिवासी समुदाय के इतिहास पूर्वजों के संघर्ष और संवैधानिक विमर्श से जुड़ा हुआ है। समाज की पहचान को लेकर भ्रामक बयान देना उचित नहीं है। भविष्य में आदिवासी शब्द समुदाय की पहचान और संस्कृति को लेकर इस प्रकार के भ्रामक बयान नहीं दिए जाएं तथा प्रशासन इस मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करे ज्ञापन सौंपने के दौरान महापंचायत अध्यक्ष मानसिंह कोकडिया, कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश तिलगाम, सचिव सरिता मरावी, समाजसेवक अजीत सिंह मरावी, कोषाध्यक्ष बीआर कोर्राम, मंगल सिंह करचाम, मंगल सिंह मार्शकोले, मिलन सिंह वरकड़े, केहर सिंह पंद्रे, केएस मरावी, सोमवती धुर्वे, महेंद्र सिंह कुशरे, गोपाल शाह मरावी, एसएस परते सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व का 7 दिवसीय आयोजन प्रारंभ





नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, आज से निकलेगी प्रभात फेरी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में गुरु ग्रंथ साहिब जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा ने नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ गुरु ग्रंथ साहिब जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर भ्रमण के पश्चात शोभायात्रा पुन: गुरुद्वारा दोपहर बाद पहुंची, जहां विधिवत पाठ साहिब का आरंभ किया गया।

इस सम्बन्ध में अध्यक्ष चन्द्र कुमार नागपाल के द्वारा बताया गया कि सात दिनों तक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी, वहीं प्रत्येक रात्रि में सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।सात दिवसीय इस आयोजन को लेकर सिंधी पंचायत एंव सिख समाज सहित नगरवासियों में उत्साह का माहौल है।

आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रमों में शामिल होकर गुरु नानक देव जी के संदेशों और आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की है।

जेसोबा क्विज कांटेस्ट में हुए विजयी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जेसोबा की दो प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। पीएल चौरसिया प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य में प्रथम प्रतियोगिता बजरंग उच्च माध्य विद्यालय बबलिया में संपन्न हुई जिसमें शास हाई स्कूल सुखराम से रिंकू यादव, दीपिका मरकाम तथा विमलेश्वरी मरावी, शास उच्च माध्य विद्यालय बबलिया से नंदनी चक्रवर्ती, शुभकामना विश्वकर्मा तथा सोनाली वरकड़े, बजरंग उच्च माध्य विद्यालय बबलिया से सुशीला कुलस्ते, चैती यादव तथा सावित्री वरकड़े एवं शास कन्या हाई स्कूल बरबटी से धनराज कुशराम, वर्षा भवेदी तथा रेखा पन्द्राम सम्मलित हुईं। इस प्रतियोगिता में शास उच्च माध्य विद्यालय बबलिया विजयी हुई। द्वितीय प्रतियोगिता संगीता गुप्ता प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य में सांदीपनी शास उच्च माध्य विद्यालय नारायणगंज में संपन्न हुई जिसमें हितकारिणी हाई स्कूल नारायणगंज से अमृता परते, दीक्षिका यादव तथा अनन्या सिंगरौरे, शास कन्या उच्च माध्य विद्यालय नारायणगंज से मंजुला मार्को, रवीना बैरागी तथा रिदिमा अग्रवाल, शास हाई स्कूल भाबल बम्हनी से नन्दिनी मारिया तथा रवीना पन्द्रो एवं सांदीपनी शास उच्च माध्य विद्यालय नारायणगंज से पूर्वी यादव, अनुश्री अग्निहोत्री, तथा आशुतोष सोनी सम्मलित हुए। इस प्रतियोगिता में सांदीपनी शास उच्च माध्य विद्यालय नारायणगंज विजयी हुआ। इन आयोजनों में छात्रों के अतिरिक्त हरिलाल वरकड़े, संदीप मरावी, आर के शुक्ला, अशोक कुमार मर्सकोले, गोपाल प्रसाद, तरुण पुसाम, संतोष रजक, सोनू गुप्ता, प्रदीप कुलस्ते, अंकिता साहू, सुमित्रा परते, अंशिका पाण्डेय, नमिता विसेन, इशरत जहां, सुनीता यादव आदि शिक्षक उपस्थित हुए।

संपादकीय

आम आदमी क्या करे?

देश में खुदरा महंगाई दर पहले ही 6 फीसदी की हद लांघ चुकी है, यह 'लक्ष्मण-रेखा' भारतीय रिजर्व बैंक ने खींची थी। अब थोक महंगाई दर भी चार साल में सबसे अधिक 12.29 फीसदी पर पहुंच गई है। यह बीते 50 माह (4 साल, 2 माह) में महंगाई का सर्वोच्च स्तर है। ग्रामीण इलाकों में मुद्रास्फीति और खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 'दहाई' में पहुंच चुकी है। यह लगभग वही स्थिति है, जो कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान होती थी। तब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बहुत आक्रामक अभियान छेड़ा था और ढेरों आश्वासन दिए थे। आज कोई सुनने वाला भी नहीं है, जब केंद्र में भाजपा-एनडीए की सरकार है और मोदी बीते साढ़े 12 साल से प्रधानमंत्री हैं।

बहरहाल थैली में बिकने वाला दूध एक ही दिन में 4 रुपए से 12 रुपए प्रति लीटर तक महंगा कर दिया, कोई सवाल करने वाला ही नहीं है कि ऐसा क्यों किया गया? आम आदमी के लिए चाय पीना भी महंगा और दुश्वार हो गया है। दूध के अलावा दालें, आटा, खाद्य तेल और अधिकतर सब्जियां भी महंगी बेची जा रही हैं। थोक महंगाई दर अगस्त 2022 में भी 12.48 फीसदी तक उछल चुकी है। अब दालें करीब 26 फीसदी और तिलहन करीब 22 फीसदी महंगे हो चुके हैं। सबसे अधिक दबाव निर्माण क्षेत्र पर दिख रहा है, जहां कपड़ा, रसायन, रबर और प्लास्टिक, धातुएं और बिजली के उपकरणों की कीमतें बढ़ गई हैं। बेशक ये वस्तुएं रोजमर्रा जीवन की बुनियादी जरूरतें नहीं हैं, लेकिन कपड़ा और दवा के रूप में रसायन तो बेहद महत्वपूर्ण वस्तुएं हैं। जरूरत पर इन चीजों की खरीद करनी ही पड़ती है। महंगाई के जो आंकड़े जारी किए गए हैं, उनके आधार पर कपड़ा 13.67 फीसदी, तंबाकू उत्पाद 13 फीसदी, रसायन 17.5 फीसदी, रबर और प्लास्टिक करीब 14 फीसदी, बेसिक धातुएं 17 फीसदी से अधिक और बिजली उपकरण करीब 10.5 फीसदी महंगे हो गए हैं। इस महंगाई के कई कारण हैं। ईंधन और बिजली महंगी हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम 57 फीसदी से बढ़ कर 71 फीसदी पर पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई 40 फीसदी से बढ़ कर 45.5 फीसदी हो गई है। कच्चा माल महंगा होने से महंगाई दर 17.5 फीसदी तक बढ़ गई है। कच्चे माल की लागत बढ़ने से कंपनियों के मुनाफे पर संकट है। वह सिकुड़ता जा रहा है। कंपनियों पर सरकारों के दबाव भी हैं कि कीमतें ज्यादा नहीं बढ़नी चाहिए। यदि कंपनियां, ग्राहकों पर बोझ डालती हैं, तो आने वाले दिनों में कारखानों से बन कर निकलने वाली वस्तुओं की महंगाई दर कई और फीसदी तक बढ़ सकती है। यदि उत्पादन महंगे होते रहे तो स्वाभाविक है कि बाजार में मांग घट सकती है, उसका प्रभाव औसत क्रय-शक्ति पर पड़ेगा। नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था ही प्रभावित होगी। फिलहाल स्टील, एल्युमीनियम, लोहा आदि की भी महंगाई दर 17 फीसदी से ज्यादा है। ये भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य कारकों में से हैं। चूंकि पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध के हालात हैं, होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद है, लिहाजा सप्लाई चेन अवरुद्ध है। यह स्थिति भी महंगाई बढ़ा रही है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर भी 8.67 फीसदी से बढ़ कर 9.24 फीसदी हो गई है। गांवों में यह 11-12 फीसदी से अधिक है। संभवतः आम आदमी 'फीसदी' के अर्थशास्त्र को नहीं समझता। आम भाषा में महंगाई बढ़ती जा रही है। आम आदमी का बजट तो सीमित है। जब भी महंगाई उछलती है, तो हम पर्याप्त विश्लेषण करके सरकार को जगाते रहे हैं, लेकिन सरकार के झंडेबरदार 50 करोड़ अत्यधिक गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने की बातें तो दोहराते रहते हैं, लेकिन उन्हें अब महंगाई की चिंता नहीं है। उन्हें तो सब कुछ निःशुल्क या औने-पौने दाम पर उपलब्ध है, क्योंकि वे देश की सरकार हैं, लेकिन आम आदमी क्या करे?

संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र



ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?



लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

सम्मेलन, समीकरण और संकेतः बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की कूटनीतिक भूमिका और बढ़ती प्रासंगिकता

देवेश त्रिपाठी

ऐसे वक्त में, जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं व संघर्षों से घिरी है, तब भारत-आसियान, पूर्व एशिया व क्वाड नेताओं के सम्मेलन और कल हो रही ट्रंप, पुतिन व जिनपिंग की मुलाकात से वैश्विक कूटनीति के बदलते समीकरणों के अहम संकेत मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की मनीला यात्रा के दौरान संपन्न आसियान-भारत शिखर सम्मेलन, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और क्वाड देशों के नेताओं की बैठक ने बदलती वैश्विक व्यवस्था के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने रखा है। इस कड़ी में 19 नवंबर को चीन के शेनझेन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित मुलाकात भी वैश्विक कूटनीति के नए समीकरणों को समझने का एक और अवसर होगी। आसियान तथा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के संदर्भ में भारत की भागीदारी को केवल क्षेत्रीय कूटनीति के एक नियमित आयोजन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दक्षिण



पूर्व एशिया भारत के आर्थिक व सामरिक हितों और समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना उल्लेखनीय है कि भारत व आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए दोनों के बीच सहयोग को निरंतर मजबूत करना बेहद जरूरी है। चीन के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव और दक्षिण चीन सागर में जारी तनाव के बीच आसियान देशों की सामरिक अहमियत और बढ़ गई है। इस परिप्रेक्ष्य में क्वाड की बैठक भी महत्वपूर्ण रही, जिसमें सदस्य देशों के बीच दुर्लभ खनिजों से संबंधित अहम समझौते हुए। गौरतलब है कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का यह समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित समुद्री परिवेश का पक्षधर है। हालांकि, क्वाड को चीन के विरुद्ध सैन्य गठबंधन के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा, पर यह भी सच है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सामरिक व आर्थिक शक्ति इस समूह के गठन व इसकी गतिविधियों की एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि रही है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में क्वाड की यह पहली शिखर बैठक इसलिए भी अहम है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की चीन के प्रति नीति में कई बार विरोधाभासी संकेत दिखाई देते हैं। इस बीच, ट्रंप, जिनपिंग और पुतिन की कल होने वाली मुलाकात पर भी दुनियाभर की नजरें होंगी। इन देशों के विरोधाभासी हितों व प्राथमिकताओं के मद्देनजर किसी बड़े समझौते या वैश्विक विवादों के समाधान की उम्मीद करना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह बैठक केवल संवाद की एक औपचारिकता बनकर रह जाती है या इससे किसी बड़े कूटनीतिक बदलाव की जमीन भी तैयार होती है। दरअसल, मौजूदा दौर की अंतरराष्ट्रीय राजनीति की एक बड़ी विशेषता है कि देशों के संबंध अब स्थायी मित्रता या शत्रुता के पारंपरिक खांचों में नहीं बंधे हैं। इस बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की प्रासंगिकता केवल इससे नहीं तय होगी कि वह किन देशों के साथ मंच साझा करता है, बल्कि इससे भी होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग में कितना योगदान दे पाता है।

खुद से आंख मिलाने का साहस रखें, भीड़ और शोर में नहीं, एकांत में छिपा है सच्चे विवेक का रास्ता

हिमांशु सिंह चंदेल

आज की जिंदगी में ज्यादातर लोग खुद को व्यस्त रखने में लगे रहते हैं। कोई काम के पीछे भाग रहा है, कोई घूमने-फिरने में समय बिता रहा है तो कोई लगातार मनोरंजन और लोगों के बीच रहकर अपना खालीपन भरने की कोशिश करता है। लेकिन क्या कभी आपने शांत बैठकर अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? क्या आप बिना किसी फोन, शोर या दूसरे व्यक्ति के कुछ समय अकेले बिता सकते हैं? फ्रांसीसी दार्शनिक ब्लेज पास्कल के विचार इसी सवाल पर सोचने के लिए मजबूर करते हैं। उनका मानना है कि इंसान के दुखों की एक बड़ी वजह यह है कि वह अपने कमरे में अकेले और शांत बैठने में असमर्थ है। वह बाहरी दुनिया की भागदौड़ में इतना उलझ जाता है कि खुद को समझने और अपने जीवन के वास्तविक सवालों का सामना करने से बचता रहता है।

इंसान जब भीड़, शोर, यात्राओं और नए लक्ष्यों के पीछे लगातार भागता है, तो कई बार वह ऐसा अपनी वास्तविक स्थिति से बचने के लिए करता है। उसे अपनी कमजोरियों, सीमाओं और जीवन की सच्चाई का सामना करना मुश्किल लगता है। वह मनोरंजन और व्यस्तता के सहारे अपने भीतर के खालीपन को दबाने की कोशिश करता है। लेकिन जब व्यक्ति बाहरी भागदौड़ रोककर कुछ समय अकेले बिताता है, तब उसे अपने विचारों और भावनाओं को समझने का मौका मिलता है। यही एकांत आत्मचिंतन का रास्ता खोलता है। अपने भीतर उठने वाले सवालों को सुनना और उनका सामना करना ही सच्चे विवेक की शुरुआत है। इसका अर्थ दुनिया से दूर भागना नहीं, बल्कि खुद को समझने के लिए कुछ समय निकालना है।

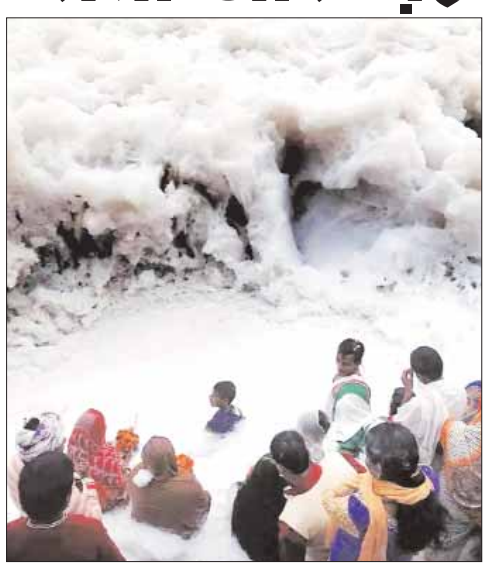
मनुष्य इस विशाल ब्रह्मांड के सामने बेहद छोटा और कमजोर है। प्रकृति की मामूली ताकत भी उसके जीवन को खत्म कर सकती है। इसके बावजूद मनुष्य ब्रह्मांड से एक मायने में अधिक महान है, क्योंकि उसे अपनी नश्वरता का ज्ञान है। वह जानता है कि उसका जीवन सीमित है और एक दिन उसका अंत होगा। इसके उलट, विशाल ब्रह्मांड को अपने अस्तित्व की इस सच्चाई का बोध नहीं है। मनुष्य की असली गरिमा उसकी शारीरिक ताकत, जमीन-जायदाद या भौतिक संपत्ति में नहीं, बल्कि उसकी सोचने और खुद को समझने की क्षमता में है। हर बात को केवल तर्क और गणित से नहीं समझा जा सकता। हृदय के भी अपने तर्क होते हैं, जिन्हें केवल बुद्धि के सहारे पूरी तरह नहीं समझा जा सकता।

जीवन केवल काम, उपलब्धियों और दूसरों की नजर में सफल दिखने का नाम नहीं है। व्यक्ति को अपने भीतर की चेतना को समझना चाहिए और अपने विचारों तथा कर्मों में तालमेल बैठाना चाहिए। हम अक्सर जीवन को जीने के बजाय अतीत और भविष्य के बीच उलझकर उसकी तैयारी में ही समय गंवा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि इंसान कुछ समय अपने लिए निकाले, अपनी गलतियों को स्वीकार करे और वर्तमान को पूरी जागरूकता के साथ जिए। जब व्यक्ति खुद से आंख मिलाने का साहस जुटाता है, तभी वह अपने जीवन को बेहतर ढंग से समझ पाता है। यही आत्मचिंतन उसे ऐसी आंतरिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है, जिसे बाहरी परिस्थितियां आसानी से प्रभावित नहीं कर सकतीं।

धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में धर्मावलम्बी?

निर्मल रानी

स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था Air IQ की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान Air IQ की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत AQI 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे।



उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे।

सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने मरी हुई मछलियों का वीडियो जारी करते हुए कहा कि नदी में अत्यधिक प्रदूषण के कारण हज़ारों मछलियों की मौत हुई है और सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये तस्वीरें यमुना की सफ़ाई को लेकर किए गए सरकारी दावों की पोल खोलती हैं।

निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस क़द्र झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ के अवसर पर डुबकी लगाते हुये देखा।

पाकिस्तानी सेना के बागी कैप्टन ने दहलाया पूरा देश, कांपी मुनीर की सेना

इस्लामाबाद

जो दूसरों को धोखा देते हैं, भ्रमित करते हैं या नुकसान पहुंचाते हैं उनके कर्मों की सजा एक दिन किसी ना किसी रूप में जरूर मिलती है। वैसे ही कुछ इन दिनों पाकिस्तान की कायर सेना के साथ भी हो रहा है। यह बात पूरी दुनिया अच्छे से जानती है कि पाकिस्तान की सेना जिस तरह से आतंकियों की फौज तैयार करके उन्हें दशकों से भारत में खून खराबा करने के लिए भेजती रही है। उसी का नतीजा है कि आज पाकिस्तान में दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हुए हैं। आटे के लिए मार-काट हो रही है। महंगाई के विस्फोट ने आवाम को परेशान कर दिया है। पाकिस्तान का यह हाल कहीं ना कहीं भारत की उस कूटनीति ने भी किया है जिसने पूरी दुनिया में उसको अकेला करा दिया। यह बात अब पाकिस्तान की जनता को भी पता चल गई है कि भारत से पंगा लेकर उसकी सेना और सरकार ने बहुत बड़ी गलती की है। इसलिए अब वहां की आवाम ही सेना को सुधारने के लिए मैदान में उतर आई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि अब उन सैनिकों ने भी खुली बगावत शुरू कर दी है जो कल तक पाकिस्तानी सेना के साथ कई ऑपरेशंस में शामिल रहे। लेकिन अब वो पाकिस्तानी सेना के लिए काल बन गए हैं। ऐसे ही एक पाकिस्तानी सेना के पूर्व कैप्टन को विद्रोही गुट बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने अपना नया कमांडर इन चीफ नियुक्त किया है।

वही बलूच लिबरेशन आर्मी जिसने



पिछले कुछ सालों के भीतर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर उसे तगड़ा जख्म दिया है। सैकड़ों धमाकों में हजारों पाकिस्तानी सैनिकों को मारा है। रहमान गुल को बीएलए का नया कमांडर इन चीफ बनाते ही कैसे मुनीर की नींद उड़ गई है और वहां की सरकार और सेना के लिए कितना बड़ा झटका है। दरअसल बीएलए ने जिस पूर्व कैप्टन रहमान गुल को अपना नया कमांडर इन चीफ नियुक्त किया है। उसने 8 साल तक पाकिस्तानी सेना में नौकरी की थी। लेकिन बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की बर्बरता देखने के बाद उसने बगावत का रास्ता अपनाया। रहमान गुल 2010 में बीएएलए में शामिल हुए थे। फिदायन हमले करने वाली मजीद ब्रिगेड को ट्रेनिंग देने में रहमान की अहम भूमिका है। सेना छोड़ने के 16 साल बाद कई पदों पर काम करते हुए आखिरकार बीएएलए के शीर्ष तक पहुंच गए। अब जब यह बीएएलए के कमांडर इन चीफ बने हैं तो इससे बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनखा जैसे प्रांतों में विद्रोह को हवा मिल सकती है। जहां पहले इस्लामाबाद मुश्किलों का सामना कर रहा है क्योंकि सेना में कैप्टन के पद पर रहते हुए रहमान गुल को पाकिस्तानी सेना की कई कमजोरियां पता है। उन्हें पता है कि कहां सेना के हथियार और गोला बारूद हैं। कौन सा जनरल कहां रहता है। किसकी क्या कमजोरी है।

पाकिस्तानी सेना को किस चीज का डर है? पाकिस्तान के पास कितने गोला बारूद हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि रहमान गुल को सेना में रहते हुए यह तो पता ही चल गया होगा कि किस मोड़ पर आकर पाकिस्तानी सेना का हौसला टूट जाता है। यानी कि पाकिस्तानी सेना किस मोड़ पर आकर सरेंडर कर देती है यह बात रहमान गुल को अच्छे से पता होगी क्योंकि रहमान गुल ने पाकिस्तान आर्मी में रहते हुए वजीरस्तान में तहरीक तालिबान यानी टीटीपी पाकिस्तान के खिलाफ अभियानों में हिस्सा लिया था। साल 2010 में सेना छोड़ने से पहले उनकी आखिरी पोस्टिंग पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के कोठली में यानी कि एलओसी पर थी। आर्मी छोड़ने के बाद गुल उसी साल 2010 में बीएएलए में शामिल हो गए थे। इसलिए आर्मी चीफ से लेकर सारे जनरल घबराए हुए हैं कि रहमान गुल उनका काल बनकर आ गए हैं।

दरअसल रहमान गुल का नाम पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की वांटेड लिस्ट में शामिल है। 6 अक्टूबर 2024 को पाकिस्तान के कराची में चीनी नागरिकों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई थी। जिनमें दो चीनी इंजीनियर शामिल थे। इस हमले में रहमान गुल का नाम सामने आया था।

सत्ता के लिए गाजा में बिछाई लाशें? नेतन्याहू के खिलाफ अब बाइडेन ने भी मुंह खोल दिया

वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी आने वाली किताब प्रॉमिस में अमेरिका में इजराइल की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी सत्ता बचाने के लिए झूठे वादे करने वाला नेता करार दिया है। सीएनएन में प्रकाशित इस संस्मरण में बाइडन ने खुलासा किया है कि सार्वजनिक रूप से एकजुट दिखने के बावजूद गजा युद्ध के लिए दोनों नेताओं के बीच पर्दे के पीछे गहरे मतभेद दिखते थे। बाइडन के मुताबिक अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद इजराइल ने गजा में जो सैन्य कार्रवाई शुरू की उसमें आम नागरिकों और बच्चों की बढ़ती मौतों को लेकर वे बिल्कुल सहज नहीं थे। अपनी किताब में बाइडन ने लिखा कि नेतन्याहू ने कई बार आम नागरिकों की मौतों को कम करने और ज्यादा सावधानी बरतने का वादा किया लेकिन यह उनका एक जाना माना पहचाना हुआ पैटर्न बन चुका था। वे वादा तो करते थे और उसके तुरंत बाद ऐसी आक्रामक सैन्य कार्रवाई होती थी जिसमें और ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिक मारे जाते थे।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने नेतन्याहू की विश्वसनीय नेता और राजनीतिक समझ पर सीधा सवाल उठाते हुए लिखा है। नेतन्याहू को ऐसे वादे करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होती



थी जिन्हें पूरा करने की न तो उनमें क्षमता थी और न ही कोई इरादा। बाइडन की मुताबिक नेतन्याहू इस बात को समझते थे कि आम नागरिकों की मौतों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल की छवि खराब हो रही है और अमेरिका का समर्थन भी कमजोर पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने जमीनी स्तर पर आक्रामकता जारी रखी। बाइडन ने अपने संस्मरण में यह भी उल्लेख किया कि वे नेतन्याहू पर मौजूद भारी दबाव को समझते थे लेकिन उन्हें इस बात से गहरी निराशा हुई कि नेतन्याहू एक राजनेता की तरह नहीं सोच पाए। बाइडन के अनुसार नेतन्याहू ने इजराइल की दीर्घकालिक खेतों और सुरक्षा की रक्षा करने की बजाय केवल अपनी अल्पकालिक राजनीतिक जरूरतों और अपनी कुर्सी बचाने को ही शीर्ष पर रखा था। इससे पहले भी बाइडन प्रशासन के कई अधिकारियों ने गजा अभियान को लेकर इस तनाव की पुष्टि की है। पिछले महीने प्रकाशित अपनी किताब ब्रिंक में बाइडन के पूर्व उप सहायक ब्रेट मैकगर्क ने दोनों नेताओं के बीच के टकराव का जिक्र किया था।

मैकगर्क की मुताबिक युद्ध से जुड़े बड़े फैसलों जिनमें जुलाई 2024 में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या भी शामिल थी। उसे लेकर बाइडन और नेतन्याहू के बीच तीखे मतभेद उभरे थे। एक तरफ इजराइल की मौजूदा राजनीति में नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए जूझ रहे हैं। चुनाव हार चुके हैं। अपने विपक्षी गाजी आयोजन कोर्ट से गुहार लगा रहे तो दूसरी तरफ उनके सबसे बड़े सहयोगी रहे पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के इन खुलासों ने गजा युद्ध के दौरान पर्दे के पीछे चल रही कूटनीतिक खींचतान को भी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है। सवाल यह उठता है कि नेतन्याहू को लेकर जिस तरीके से अब दिन ब दिन खुलासे हो रहे हैं। क्या नेतन्याहू के लिए इजराइल में आने वाला वक्त और ज्यादा मुश्किल हो जाएगा? क्या नेतन्याहू की सत्ता जाने के साथ-साथ अब उनकी तमाम कार्यशैली को लेकर सवाल उठेंगे? क्या उनकी भी अब उस स्तर पर जाकर जांच होगी जहां [से उन्हें कोई सजा मिल सकती है। क्या ईरान से युद्ध में दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका अब अकेला और बेबस नजर आने लगा? जो अमेरिका और इजराइल तेहरान में सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज का ख्वाब दिख रहे थे आज खुद उन्हीं के मुल्कों की सियासत ने उन्हें बड़ा झटका दे दिया है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारत की धरती से एक ऐसा बयान दिया जिसने वाशिंगटन से लेकर तेल अवीव तक खलबली मचा दी। हिंदुस्तान लीडरशिप समिट में बोलते हुए एंटनी ब्लिंकर ने साफ शब्दों में कहा ईरान को हराने का एकमात्र रास्ता है और वो है जमीनी हमला। यानी लैंड इनविजन। लेकिन अगर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया तो यह उसके लिए एक महाविनाश साबित हो सकता है।

ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक को अमेरिका में 27 साल की सजा, ईरान के इशारे पर रचा था षड्यंत्र

वाशिंगटन



अमेरिकी अदालत ने पाकिस्तानी नागरिक को हत्या की साजिश रचने के आरोप में 330 महीने जेल में रहने की सजा सुनाई है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने इस पाकिस्तानी नागरिक को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के इशारे पर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप सहित कई अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की हत्या का दोषी मानते हुए 27 साल और छह महीने की सजा सुनाई है।अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आसिफ मर्चेंट के तौर पर हुई है। अमेरिकी संघीय अदालत ने इसे 330 महीने की जेल की सजा ईरान के आईआरजीसी (%इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स%) के इशारे पर राष्ट्रपति ट्रंप सहित अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की हत्या की साजिश रचने के आरोप में दी है। 48 वर्षीय मर्चेंट को ब्रूकलिन की एक संघीय अदालत में अमेरिकी जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने सजा सुनाई। इससे पहले, मार्च 2026 में एक संघीय जूरी ने उसे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार आतंकवाद की कोशिश करने और पैसे लेकर हत्या की साजिश रचने का दोषी ठहराया था। उसे ईरानी सरकार के वैश्विक आतंकवादी बल, ड्रक्नष्ट का एक प्रशिक्षित ऑपरेटिव बताया गया है।

अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश को अंजाम देने के लिए अमेरिका आए एक ईरानी एजेंट को उसके आपराधिक कार्य के लिए उचित सजा दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ रची गई विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा और तब तक नहीं रुकेगा जब तक कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। प्रेस विज्ञप्ति से मिली जानकारी के अनुसार, मर्चेंट अपनी मर्जी से आईआरजीसी में शामिल हुआ और एक प्रशिक्षित इंटेलिजेंस एसेट बन गया। इसके बाद वह अमेरिका आया, ताकि ईरानी बल की ओर से अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की हत्या करने के लिए लोगों (हिटमैन) को ढूंढ़ सके और उन्हें पैसे दे सके। मर्चेंट ने यह भी बताया कि ट्रंप के अलावा संभावित लक्ष्यों में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व राजदूत निक्की हेली भी शामिल थे। उस समय ये सभी अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। माना जा रहा है कि यह साजिश ईरान द्वारा अपने पूर्व आईआरजीसी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी। सुलेमानी जनवरी 2020 में एक अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया था।

वह एनवीडिया में लौटने के लिए तैयार हैं -जेनसेन हुआंग

सांता क्लारा, (वार्ता)

एनवीडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग ने मंगलवार को एक बयान में कहा है कि वे कंपनी में वापस लौटने के लिए तैयार हैं। हुआंग ने एक महिला के साथ अफेयर के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। उस महिला पर चीनी खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का संदेह था।

एबीसी न्यूज़ को भेजे गए एक संक्षिप्त बयान में हुआंग ने कहा, मेरे जाने के बाद से, एनवीडिया के कर्मचारियों, निवेशकों, बिजनेस पार्टनर्स और ग्राहकों की ओर से मुझे वापस सीईओ के रूप में लाने की लगातार मांग की जा रही है।

अगर निदेशक मंडल को को



लगता है कि मेरी वापसी हमारे शेयरधारकों, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मुझे इन मांगों को स्वीकार करने और फिर से सीईओ के रूप में लौटने में खुशी होगी।

हुआंग का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सांसदों ने मंगलवार को घोषणा की कि एक दिसंबर को वे हाउस फॉरेन अफेयर्स कमिटी, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर बनी विशेष समिति और हाउस इंटेलिजेंस कमिटी के सामने एक बंद कमरे में इंटरव्यू (जिसका लिखित रिकॉर्ड रखा जाएगा) देंगे।

एनवीडिया के जनरल काउंसल टिम टीटर भी 2 दिसंबर को इन तीन समितियों के सामने बंद कमरे में इंटरव्यू देंगे। अध्यक्ष ब्रायन मास्ट, जॉन मूलनार और रिक क्रॉफर्ड ने एक बयान में कहा, हम जेनसेन हुआंग और टिम टीटर से यह जानना चाहते हैं कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संभावित चूक में उनकी क्या भूमिका थी।

लश्कर के स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मुठभेड़ में मारे जाने पर शाह ने दी सुरक्षा बलों को बधाई

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में संयुक्त कार्रवाई के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने पर सुरक्षा बलों को बधाई दी है और कहा है कि पूरे अभियान में सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच उच्च स्तर का तालमेल देखने को मिला। श्री शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और खुफिया एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से घाटी में लश्कर-ए-तैयबा के अंतिम ज्ञात सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट को आज तड़के कुलगाम में एक अभियान के दौरान मार गिराया गया।

जंगल से निकलकर आखिर कहां जा रही है क्रिसमस आइलैंड के लाल केकड़ों की फौज? चांद की चाल से जुड़ा है रहस्य

क्रिसमस आइलैंड

ऑस्ट्रेलिया के क्रिसमस आइलैंड पर करोड़ों लाल केकड़ों ने अपना सालाना प्रवास (माइग्रेशन) शुरू कर दिया है।

पार्क्स ऑस्ट्रेलिया (जो इस प्रवास की देखरेख और निगरानी करता है) के अनुसार जब आइलैंड पर भारी बारिश शुरू होती है, तो ये केकड़े जंगलों से समुद्र की ओर निकल पड़ते हैं। बीबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, इस प्रवास से कई महीने पहले, पार्क्स ऑस्ट्रेलिया इस माइग्रेशन के लिए द्वीप को तैयार करता है।

इसके तहत अंडरपास की सफाई की जाती है, केकड़ों के



लिए पुल बनाए जाते हैं, सड़कों के किनारे कई किलोमीटर तक बैरियर लगाए जाते हैं और प्रवास से जुड़े खास सड़क साइन लगाए जाते हैं।

लाल केकड़े हर साल प्रजनन के लिए समुद्र तट की ओर प्रवास करते हैं। पार्क्स ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, केकड़ों का यह सामूहिक प्रवास लूनर साइकिल से जुड़ा होता है। ये केकड़े चंद्रमा के अंतिम चरण (लास्ट क्वार्टर) के दौरान समुद्र में ज्वार (हाई टाइड) के उतरने के समय भोर होने से पहले अंडे देने देते हैं।

चक्रवात अकवान के कारण ओडिशा ने समुद्र-आधारित पर्यटन पर लगाई रोक

भुवनेश्वर,(वार्ता)। ओडिशा के तटीय इलाकों पर चक्रवात अकवान से होने वाले खतरे के मद्देनजर राज्य सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया है। तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजाम कड़े किए गए हैं और दुर्घटनाओं को रोकने तथा लोगों की जान बचाने के लिए राजमार्गों के संवेदनशील हिस्सों पर रात के समय गश्त बढ़ा दी गई है। एहतियाती उपायों के तहत, विशेष राहत आयुक्त ने पर्यटन विभाग तथा वाणिज्य एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिया है कि वे समुद्र से जुड़ी पर्यटक गतिविधियों को तुरंत रोक दें, संवेदनशील तटीय इलाकों में लोगों की आवाजाही सीमित करें और पूरे राज्य में सड़क सुरक्षा की निगरानी को मजबूत करें।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अक्षय ओबेरॉय ने प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम की शूटिंग पूरी की



अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने निर्देशक प्रकाश झा की चर्चित वेब सीरीजआश्रम्भ के चौथे सीजनआश्रम की शूटिंग पूरी कर ली है। बॉबी देओल अभिनीत इस सीरीज में अक्षय अहम भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेता ने शूटिंग पूरी होने पर अपने अनुभव साझा करते हुए प्रकाश झा के निर्देशन की जमकर सराहना की।

अक्षय ने कहा, आश्रम 4 की शूटिंग पूरी करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। यह शानदार सफर रहा और मैं सेट से कई खूबसूरत यादें लेकर जा रहा हूं। हर दिन एक अभिनेता के तौर पर कुछ नया सीखने और अपनी प्रतिभा को तलाशने का मौका मिला। इतने मजबूत विरासत वाले शो का हिस्सा बनना मेरे लिए संतोषजनक रहा है। इस सफर को यादगार बनाने के लिए मैं पूरी टीम का आभारी हूं। प्रकाश झा के साथ काम करने के अनुभव पर अक्षय ने कहा, प्रकाश झा सर के साथ काम करना इस परियोजना के सबसे खास अनुभवों में से एक रहा। मैं लंबे समय से उनकी फिल्म निर्माण शैली का प्रशंसक रहा हूं। उनके निर्देशन में काम करने का अवसर मिलना मेरे लिए बेहद खास है। किरदारों को देखने और उनसे बेहतरीन अभिनय निकलवाने का उनका अंदाज बेहद अनूठा है। उनके साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है। यह ऐसा अनुभव है, जिसे हमेशा संजोकर रखूंगा। अक्षय के लिएआश्रम का हिस्सा बनना इसलिए भी खास है, क्योंकि प्रकाश झा के साथ काम करना लंबे समय से उनकी पेशेवर आकांक्षाओं में शामिल था। अपनी दमदार कहानियों और विशिष्ट निर्देशन शैली के लिए पहचाने जाने वाले प्रकाश झा नेआश्रम्भ फ्रेंचाइजी के जरिए एक ऐसी दुनिया रची है, जिसने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है।

तब्बू वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की नेटफ्लिक्स सीरीज़टनल मेन में आएंगी नजर



बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज़टनल मेन से जुड़ गई हैं। यह उनकी पहली हिंदी ओरिजिनल स्ट्रीमिंग सीरीज़ होगी। वर्ष 2023 में उत्तराखंड में हुए सिलक्यारा सुरंग हादसे और श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए गए बचाव अभियान की भावना से प्रेरित यह सीरीज़ एक काल्पनिक ड्रामा है। नवंबर 2023 में उत्तराखंड की ढही हुई सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाया गया अभियान देशभर में चर्चा का विषय बना था।टनल मेन इसी बचाव अभियान से जुड़े साहस, धैर्य, टीमवर्क और उम्मीद के मानवीय पहलुओं को कहानी के रूप में पेश करेगी। तीन दशक से अधिक लंबे फिल्मी करियर में तब्बू ने मुख्यधारा और स्वतंत्र सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई है।माचिस औरचांदनी बार में अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहींमकबूल,हैदर औरअंधाधुन जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली है। तब्बू अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में भी काम कर चुकी हैं। इनमें मीरा नायर कीद नेमसेक, आंग ली कीलाइफ ऑफ पाई और सीरीज़ड्यून- प्रोफेसी शामिल हैं।द नेमसेक में उन्होंने अशिमा गांगुली औरड्यून- प्रोफेसी में सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका निभाई थी। द रेलवे मेन का निर्देशन कर चुके शिव रवैलटनल मेन के शोरनर होंगे। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के सीईओ अक्षय विधानी के नेतृत्व में बन रही यह सीरीज़ हेड ऑफ कंटेंट सौगता मुखर्जी की पहली परियोजना भी है।

कार्तिक आर्यन की धमाका के पांच साल पूरे, लीक से हटकर निभाया था चुनौतीपूर्ण किरदार



बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्मधमाकाभ्द की रिलीज के पांच साल पूरे हो गए हैं। निर्देशक राम माधवानी की इस फिल्म में कार्तिक ने अपनी स्थापित रोमांटिक और कॉमेडी छवि से अलग हटकर एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया था। पांच साल बाद भी यह फिल्म उनके अभिनय करियर के महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद की जाती है।नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुईधमाकाभ्द कार्तिक आर्यन की पहली ओटीटी फिल्म थी। इसमें उन्होंने अर्जुन पाठक नाम के एक टेलीविजन न्यूज एंकर की भूमिका निभाई थी। कहानी एक धमकी भरे फोन कॉल से शुरू होती है, जो एक सामान्य कामकाजी दिन को खौफनाक घटनाक्रम में बदल देती है। लाइव न्यूज प्रसारण की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसमें हर बातचीत और फैसला तनाव को बढ़ाता है। फिल्म की सबसे खास बात अर्जुन पाठक के किरदार की जटिलता थी। वह कोई पारंपरिक हीरो नहीं, बल्कि महत्वाकांक्षाओं, निजी छाओं और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच उलझा एक आम इंसान था। कार्तिक ने अपने संयमित अभिनय, प्रभावशाली हाव-भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव से किरदार के विभिन्न पहलुओं को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा।

फिल्म का अधिकांश हिस्सा एक सीमित न्यूजरूम के भीतर फिल्माया गया था। ऐसे में कहानी का रोमांच और भावनात्मक प्रभाव काफी हद तक कार्तिक के अभिनय पर निर्भर था। उन्होंने अपनी स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों को बांधे रखने की कोशिश की और यह साबित किया कि वह रोमांटिक कॉमेडी से इतर गंभीर और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने की क्षमता भी रखते हैं। ने कार्तिक को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी अभिनय क्षमता तलाशने का अवसर दिया। यह फिल्म ऐसे समय में आई थी, जब मनोरंजन जगत में ओटीटी तेजी से अपनी जगह बना रहा था। इस प्रयोग ने कार्तिक की फिल्मी छवि को एक नया आयाम दिया। पांच साल बाद भीधमाकाभ्द कार्तिक आर्यन के करियर का एक उल्लेखनीय अध्याय है।

पिता धर्मेंद्र का नाम अपने नाम के साथ देखकर भावुक हुईं ईशा देओल, फिल्म प्रताप में पहली बार ईशा धर्मेंद्र देओल के रूप में आएंगी नजर



बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल अपनी आगामी फिल्म प्रताप को लेकर बेहद उत्साहित हैं। फिल्म से जुड़ा एक खास पल उनके लिए भावुक कर देने वाला बन गया, जब

ईशा देओल ने पहली बार अपने पिता और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का नाम अपने नाम के साथ देखा।

ईशा देओल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रताप्रभ्द उनके करियर की पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें वहईशा धर्मेंद्र देओलभ्द के नाम से नजर आएंगी। पिता का नाम अपने नाम के साथ जुड़ा देखकर उन्हें गर्व और भावनात्मक जुड़ाव का एहसास हुआ।

ईशा ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 24 वर्षों के सफर को याद करते हुए प्रशंसकों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सिनेमाघरों के बाहर लगे बिलबोर्ड्स पर खुद को देखना आज भी उन्हें उतनी ही खुशी और उत्साह देता है, जितना उनके करियर की शुरुआत में हुआ करता था।

पिता के आशीर्वाद और प्रशंसकों के निरंतर प्यार के साथ ईशा देओल अपनी आगामी फिल्म,प्रताप्र की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

मुख्यमंत्री के एक्शन से सिवनी पुलिस महकमे में हड़कंप, एएसपी, एसडीओपी सहित 6 पुलिसकर्मी निलंबित

होटल सिद्धार्थ वायरल वीडियो मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव का सख्त रुख, वर्दी में अनुशासनहीनता और कदाचार पर जीरो टॉलरेंस; डीआईजी स्तर पर होगी जांच

सिवनी, स्वतंत्र मत। होटल सिद्धार्थ वायरल वीडियो प्रकरण ने प्रदेश स्तर पर पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ी कार्रवाई की है। एएसपी, एसडीओपी सहित छह पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पुलिस की वर्दी में अनुशासनहीनता, कदाचार और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल में अनुशासन, जवाबदेही और कर्तव्यनिष्ठा सर्वोपरि है। वायरल वीडियो में प्रथम दृष्टया संदिग्ध आचरण सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित कर निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच डीआईजी स्तर के अधिकारी करेंगे और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।



बालिग कपल को गांजे के केस में फंसाने की धमकी का आरोप

पूरा मामला डूंडासिवनी थाना क्षेत्र के बाबरिया रोड स्थित होटल सिद्धार्थ का है। 13 नवंबर की शाम करीब 6 बजकर 17 मिनट का बताया जा रहा एक मिनट 15 सेकंड का सीसीटीवी वीडियो मंगलवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसने पुलिस महकमे में खलबली मचा दी।

पूरा मामला डूंडासिवनी थाना क्षेत्र के बाबरिया रोड स्थित होटल सिद्धार्थ का है। 13 नवंबर की शाम करीब 6 बजकर 17 मिनट का बताया जा रहा एक मिनट 15 सेकंड का सीसीटीवी वीडियो मंगलवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसने पुलिस महकमे में खलबली मचा दी। वीडियो में एएसपी दीपक मिश्रा, एसडीओपी चंचलेश मरकाम, कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी, ट्रैफिक निरीक्षक विजय बघेल सहित अन्य पुलिसकर्मी होटल के रिसेप्शन पर नजर आ रहे हैं।कानून के अनुसार दो बालिग व्यक्ति अपनी सहमति से साथ रह सकते हैं। केवल होटल में साथ ठहरना अपने आप में अपराध नहीं है। ऐसे मामलों में पुलिस की भूमिका सुरक्षा एवं कानूनसम्मत कार्रवाई तक सीमित होनी चाहिए।

होटल में ठहरे बालिग युवक-युवती ने पुलिस को बताया कि वे दोनों बालिग हैं, एक ही जाति के हैं और शादी करना चाहते हैं। आरोप है कि पुलिस ने युवती से मोबाइल खोलकर उसके पिता को फोन लगाने के लिए कहा। युवती के मना करने पर कथित तौर पर युवक के बैग में गांजा रखकर उसे फंसाने जैसी बातें कही गईं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के व्यवहार और कार्रवाई के तरीके को लेकर तीखे सवाल उठने लगे।

होटल संचालक ने लगाए 50 हजार रुपये मासिक वसूली के आरोप- मामले में होटल संचालक संजय सनोडिया ने भी पुलिस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि कोतवाली टीआई, एसडीओपी और ट्रैफिक निरीक्षक द्वारा होटल से प्रतिमाह 25-25 हजार रुपये मांगने का दबाव बनाया जा रहा था। संचालक के मुताबिक, मांग पूरी नहीं होने पर 7, 8 और 9 अक्टूबर को लगातार तीन दिनों तक होटल में तलाशी के नाम पर कर्मचारियों एवं ग्राहकों को परेशान किया गया और होटल बंद कराने की धमकी दी गई। उन्होंने अधिकारियों को 10-10 हजार रुपये देने का आरोप भी लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच होना आवश्यक है।

धनौरा तहसीलदार राजेंद्र तेकाम की भूमाफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई, शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त कराया

धनौरा तहसीलदार राजेन्द्र तेकाम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सपने को कर रहे साकार शासकीय भूमि सहित निजी भूमि अवैध कब्जों पर लगातार कार्यवाही से धनौरा विकासखण्ड की क्षेत्रीय जनता में प्रशासन पर विश्वास जग रहा है। शिकायत मिलते ही राजस्व अमले ने की कार्रवाई, मक्के की फसल लगाकर किए गए कब्जे से भूमि मुक्त कराकर ग्राम पंचायत के अधीनस्थ की।

क्या धनोरा तहसीलदार इसके बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा के चंगुल से छुड़ा पाएंगे सुनवारा उपस्वास्थ्य केंद्र की भूमि?



धनौरा, स्वतंत्रमत। सिवनी जिले की धनोरा तहसील अंतर्गत ग्राम सुआडोंगरी में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के मामले में तहसील प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 0.60 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुआडोंगरी, हल्का पटवारी क्रमांक 40, राजस्व निरीक्षक मंडल धनोरा के अंतर्गत खसरा नंबर 218, कुल रकबा 18.6 हेक्टेयर शासकीय भूमि में से 0.60 हेक्टेयर भूमि पर मतिराम द्वारा मक्के की फसल लगाकर कब्जा किया गया था। इस संबंध में शिकायत प्राप्त होने के बाद धनोरा तहसीलदार राजेंद्र तेकाम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व अमले के माध्यम से कार्रवाई की।

दिनांक 16 नवंबर 2026 को तहसील प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए उक्त भूमि को मतिराम के कब्जे से मुक्त कराया गया और ग्राम पंचायत के अधीनस्थ किया गया।

इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि क्षेत्र में अन्य शासकीय भूमियों पर हुए अतिक्रमण के मामलों में भी इसी तरह निष्पक्ष कार्रवाई जारी रहेगी।

इस कार्यवाही को देखते हुए सुनवारा की जनता भी धनोरा तहसीलदार राजेंद्र तेकाम से आशा लगा कर बैठी है कि कब भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा के कब्जे से सुनवारा उपस्वास्थ्य केंद्र की जमीन को खाली करवाएंगे या फिर सत्ता पक्ष के दबाव में आकर कार्यवाही को सिर्फ कागजों तक ही सीमित रखेंगे।

जिले में अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

सिवनी, स्वतंत्र मत।

कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम 18 एवं 19 के तहत 16 एवं 17 नवंबर 2026 को अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर को धनौरा तहसील में सहायक खनि अधिकारी श्रीमती श्रीवंती परते द्वारा खनिज दल के साथ कार्रवाई की गई। इस दौरान वाहन को ओवरलोड अवैध रेत परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक सोमेश यादव, निवासी सहसना, तहसील लखनादौन, जिला सिवनी बताया गया है। इसी कार्रवाई के दौरान वाहन को भी अवैध रेत परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक नीरज वरकड़े, निवासी कुम्हड़ा, तहसील केवलारी, जिला सिवनी है। दोनों वाहनों को जब्त कर धनौरा थाना परिसर में खड़ा कराया गया तथा अवैध परिवहन के प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। वहीं, 17 नवंबर को कुरई तहसील के ग्राम सापापार में प्रभारी खनि निरीक्षक/सर्वेयर रंजीत डेहरिया द्वारा आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ट्रैक्टर मय ट्रॉली को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक नीलेश उईके, निवासी कोटकसा, तहसील कुरई, जिला सिवनी से वाहन जब्त कर पुलिस चौकी बालपार परिसर में खड़ा कराया गया तथा अवैध परिवहन का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाविद्यालयीन छात्रों को दी गई विधिक साक्षरता की जानकारी

सिवनी, स्वतंत्र मत।

जिला विधिक प्राधिकरण द्वारा दिनांक 14 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक न्याय सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है यह कार्यक्रम जिला विधिक प्राधिकरण अध्यक्ष एवं सचिव महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है जिसके तहत मैराथन दौड़ बाइक रैली साक्षरता कार्यशाला एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में पीएम श्री शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवानी एवं विधि महाविद्यालय सिवनी में छात्र-छात्राओं को विधिक साक्षरता की जानकारी पी ए ल व्ही विजय शुक्ला द्वारा



प्रदान की गई इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री आर एस नाग एवं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री रामेश्वर प्रसाद शिववेदी द्वारा छात्रों को कानूनी जानकारी की समझाइए दी गई पैरालेगल वॉलिंटियर विजय शुक्ला द्वारा विधिक साक्षरता से संबंधित सभी विधिक जानकारी तथा विधिक सहायता कैसे प्राप्त की जाती है प्रदान की गई इस कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय के छात्रों ने प्रसन्नता जाहिर की की किस प्रकार के आयोजन होने से हमें अपने अधिकार एवं विधिक लाभ कौन-कौन से प्राप्त किये जा सकते हैं इसकी जानकारी प्राप्त हुई इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग अध्यक्ष श्री मान सिंह बघेल महाविद्यालय विधि महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री मंडलोई श्री चौहान श्रीमती सोनी उपस्थित रहे।

जिले में नरवाई जलाने की घटना रोकने के लिए बनाई गई टास्क फोर्स

बालाघाट, स्वतंत्र मत। जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आदित्य सिंह द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत जिले की सीमा में फसल कटाई के बाद नरवाई जलाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए विकासखंड स्तरीय एवं पंचायत स्तरीय नरवाई टास्क फोर्स का गठन किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जा सकती है साथ ही अर्थदण्ड की कार्रवाई भी की जाएगी। गठित टास्क फोर्स में संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं तहसीलदार एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्राम स्तर पर कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिव को दल में शामिल किया गया है। आदेश में निर्देशित किया गया है कि विकासखंड एवं तहसील क्षेत्र के सहायक नोडल अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में नरवाई जलाने की घटना सामने आने पर तत्काल इसकी जानकारी उप संचालक कृषि एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को दें। साथ ही संबंधित प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराने एवं अर्थदण्ड की कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करें।

स्वामित्व योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए किरनापुर तहसीलदार एवं खैरलांजी के पटवारी सम्मानित

बालाघाट, स्वतंत्र मत।

स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को भूमि संबंधी अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए बालाघाट जिले के दो राजस्व अधिकारियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। मध्यप्रदेश शासन के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा एवं प्रमुख सचिव राजस्व द्वारा किरनापुर तहसील की तहसीलदार सुश्री वर्षा झरिया तथा खैरलांजी तहसील के पटवारी विकास चौकसे को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान 16 नवंबर को भोपाल स्थित नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी में आयोजित कार्यशाला के दौरान प्रदान किया गया। दोनों अधिकारियों ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की रजिस्ट्री कराने के कार्य में उल्लेखनीय योगदान दिया है। किरनापुर तहसीलदार सुश्री वर्षा झरिया ने योजना के तहत 5,900 रजिस्ट्रियां कराकर जिले में उत्कृष्ट कार्य किया है। वहीं खैरलांजी तहसील के पटवारी विकास चौकसे ने अपने क्षेत्र में 600 रजिस्ट्रियां पूर्ण कर सराहनीय कार्य किया है। उल्लेखनीय है कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवासरत लोगों को उनकी भूमि का वैधानिक अधिकार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निःशुल्क रजिस्ट्री कर दस्तावेज प्रदान किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी संपत्ति का स्वामित्व प्रमाणित करने में सुविधा मिल रही है। बालाघाट जिले के दोनों राजस्व अधिकारियों को मिला यह सम्मान जिले के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में राजस्व विभाग के प्रयासों को भी रेखांकित करती है।



किसान गर्जना संगठन ने मनाया 15वां स्थापना दिवस

भगवान बलराम की पूजा-अर्चना कर लिया किसान हितों की लड़ाई का संकल्प

बालाघाट। किसानों के हक, अधिकार और सम्मान की लड़ाई लड़ने वाले किसान गर्जना संगठन ने आज अपना 15वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में प्रदेश कार्यालय में मनाया। इस अवसर पर भगवान बलराम जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर संगठन की मजबूती, किसानों की खुशहाली और किसान हितों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर किसान गर्जना संगठन के संस्थापक सदस्यों एवं संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में चंदन बोपचे, बसताराम परिहार, धनीराम हनुवत, डीपलाल परिहार, पुनाराम चौहान, नारायण प्रसाद यादव एवं अन्य साथी विशेष रूप से शामिल रहे। सभी ने संगठन के 15 वर्षों के संघर्ष, उपलब्धियों और किसान हितों के लिए किए गए आंदोलनों को याद किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के संगठन मंत्री रूपचंद बिसेन द्वारा किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी को उनके किसान हितों के प्रति समर्पण, प्रखर नेतृत्व, तेजस्वी व्यक्तित्व एवं निरंतर संघर्षशील भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें 18 नवंबर 2026 को स्मृति तस्वीर भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया।

बच्चो में निकल रहे मलेरिया और निमोनिया के लक्षण

आदिवासी अंचल में दहशत, स्वास्थ महकमे में भी चिंता

बालाघाट, स्वतंत्र मत। मौसम में ठंडक घूलने के साथ जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रो के मासूम बच्चो में एक बार फिर बिमारीयों का प्रकोप बढ़ता दिखाई दे रहा है। क्षेत्र में तेज बुखार के साथ निमोनिया और मलेरिया के मरीज अधिक मिल रहे है। जहां अस्पतालों में उपचार के लिए भीड़ बढने लगी है। मरीजों में कम उम्र के बच्चों की संख्या अधिक बताई जा रही है। परंतु लगातार बच्चो के बीमार पडने से ईलाके में दहशत भी घूलने लगी है और स्वास्थ विभाग में भी चिंता गहराने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों का टीकाकरण होने के बाद भी बीमारियों से राहत नहीं मिल रही है। तेज बुखार और अन्य संक्रमणों की शिकायतों के बाद परिजन बच्चों को लेकर अस्पताल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन उनके चेहरो पर दहशत साफ झलक रही है।





क्योकि बार बार मासुमो की मौत का मंजर आखो के सामने आ रहा है। उस बुरे वक्त को बीते हुए ज्यादा समय नही हुआ है, जहां सिस्टम की लापरवाही के चलते आदिवासी समुदाय के कई बच्चे काल-कलवित हुए है।

सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में ईलाज के लिये आ रहे मरीज और रजिस्टर में दर्ज हो रहे आंकडें बहुत कुछ ब्यां कर रहे है। हालांकि बीमारियों के वास्तविक आंकड़ों और संक्रमण की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक जानकारी सामने आना जरूरी है, ताकि हालात का सही आकलन किया जा सके। दुर्गम गांवों में रहने वाले लोगों के लिए समय पर अस्पताल पहुंचना, उन्हे उचित उपचार मिलना और बीमारी की पहचान होना बड़ी चुनौती है। इस बीच पुनः बच्चों के बीमार पड़ने की शिकायतें चिंता बढा रही है। स्थानीय जागरूक लोगों का मानना है कि दिसंबर तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी, बशर्त आवश्यक्ता है कि प्रभावित ईलाको में पहले की तुलना में कठोर कदम उठाये जाये।

इस पूरे मामले में क्षेत्रीय विधायक संजय उईके ने औपचारिक चर्चा में कहा कि बच्चो को बिमार पढ़ने का सिलसिला तो अनवरत जारी है। क्योकि बच्चो का इम्युनिटी पॉवर कमजोर है। इसके पीछे कुपोषण बडा कारण है। यदि बच्चो को सर्वश्रेष्ठ पोषण आहार दिया जाता है तो उनके शारिरिक विकास में भी बदलाव देखने मिलेगा। परंतु पोषण आहार के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है, आहार की गुणवत्ता ठीक नही रहती। विधायक ने कहा कि समस्याएं सामने आने के बाद केवल उपचार की व्यवस्था करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि बीमारियों पर ब्रेक लागने की ओर कदम उठाये जाने चाहियें।

इनका कहना है

बच्चो में बुखार के साथ निमोनिया और मलेरिया के लक्षण मिल रहे है। हमारी टीम अलर्ट पर है और लगातार बच्चो के स्वास्थ पर नजर बनाये हुए है। गांव में सर्वे टीम स्क्रेनिंग भी कर रही है, जो बच्चे ज्यादा इफेक्टिव मिल रहे है, उन्हे अस्पताल लाया जा रहा है। ज्यादा गंभीर पाये जाने पर जिला अस्पताल भेजा जाता है। अभी तो स्थिति नियंत्रण में है।

देवेंद्र निगोले

मेडिकल ऑफिसर, प्राथमिक स्वास्थ केंद्र सोनगुड्डा।

नगर पालिका परिषद, जिला-सिवनी (म.प्र.)

नगर पालिका चौराहा, एन. एच.7 मार्ग, जिला सिवनी (म.प्र.) 480661

Email Id: cmoseoni@mpurban.gov.in **Phone:** 07692221301

भवन / प्लॉट में नामांतरण उद्घोषणा का प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदनकर्ता से म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत प्लॉट/भवन में नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, किसी भी व्यक्ति या संबंधित वारसान को यदि निम्नलिखित प्लाट / भवन में नामांतरण में अपत्ति हो तो इस उद्घोषणा के जारी दिनांक से 15 दिवस के अंदर मय भूस्वामी दस्तावेजों सहित अपनी दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, समयावधि के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं नामांतरण की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र.	वार्ड का नाम	प्लाट/दुकान /भवन नम्बर	आवेदनकर्ता (क्रेता)	अनावेदक (विक्रेता)	नामान्तरण का आधार
1.	शास्त्री वार्ड वार्ड, क्र. 04	1000786775	आशीष नोएल/एस ईमानुएल	जितेन्द्र महोबिया/राजेन्द्र कुमार महोबिया	पंजीकृत बैयनामा।
2.	महामाया वार्ड, क्र. 01	1000788120	सध्या बघेल/वीरेन्द्र बघेल	दुलीचंद/उदयसिंह	पंजीकृत बैयनामा, खसरा नकल, राजस्व आदेश।
3.	महामाया वार्ड, क्र.01		सुनील कुमार/होलाराम चन्द्रानी	कविता काछेलानी/गोपीचंद	राजस्व आदेश, पंजीकृत बैयनामा, खसरा नकल।
4.	विवेकानद वार्ड वार्ड, क्र. 17	1000788204	प्रहलाद चौहान/रामप्रताप सिंह चौहान	रामवती बाई/स्व. रामप्रताप सिंह चौहान	राजस्व आदेश, खसरा नकल।
5.	विवेकानद वार्ड वार्ड, क्र. 17	1000790083	पूजा चौहान/प्रहलाद चौहान	पुनिया बाई/स्व. तखत सिंह बघेल	बयनामा, राजस्व आदेश।
6.	विवेकानद वार्ड वार्ड, क्र. 17	1000788124	अनिल कुमार/गजानंद तिवारी	गिरजा बाई, अंजूलता पिता गजानंद तिवारी	खसरा नकल।
7.	महा.रा. लक्ष्मीबाई वार्ड, क्र. 02	1000793753	प्रहलाद राय सच्चानी/जमीयतमल	जमीयतमल सच्चानी/साधूराम	नजूल पटटे की कापी।
8.	भगतसिंह वार्ड, क्र. 23	1000801563	हिमांशु निमंजे/राजकुमार निमंजे	सोनाली हेडाउ/रूपेश हेडाउ	पंजीकृत बैयनामा, खसरा नकल, न्याया. आदेश।
9.	तिलक वार्ड वार्ड, क्र. 18	1000788989	ओमप्रकाश, कृष्णकुमार साहू/बाबूलाल	गुरूप्रसाद/गुलाब प्रसाद	पंजीकृत बैयनामा, राजस्व आदेश।
10.	गुरूनानक वार्ड वार्ड, क्र. 09	1000794156	नाएमा जानिश/अयाज हैदरी	फातमा बी/शेख सरदार	पंजीकृत बैयनामा, खसरा नकल।
11.	शहीद वार्ड वार्ड, क्र. 13	1000802415	माधुरी अमित, अंजली, प्राची पाठक/स्व. मधुकरराव	मधुकर राव पाठक/गोविंद पाठक	मृत्यु प्रमाण पत्र, खसरा, भू अधिकार पु।
12.	महामाया वार्ड वार्ड, क्र. 01		उषा सूर्यवंशी/भुवनलाल सूर्यवंशी	कोमलसिंह/सुग्रीमसिंह ठाकुर	पंजीकृत बैयनामा, भू अधिकार पुस्तिका नकल।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सिवनी

शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में अंतर जिला संभाग स्तरीय महिला योग प्रतियोगिता का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर नागेंद्र यादव के संयोजन में अंतर जिला संभाग स्तरीय महिला योग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में योग के प्रति रुचि एवं जागरूकता विकसित करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बढ़ावा देना तथा योग के क्षेत्र में प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया।



कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों, निर्णायकों, खिलाड़ियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने माँ सरस्वती का स्मरण कर प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना की। इसके पश्चात प्रतिभागी टीमों का परिचय कराया गया तथा प्रतियोगिता से संबंधित नियमों एवं निर्धारित मापदंडों की जानकारी प्रदान की गई। इस अंतर जिला संभाग स्तरीय महिला योग प्रतियोगिता में संभाग के चार जिलों की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रतियोगिता में जिला कटनी, जिला मंडला, जिला डिंडोरी एवं जिला जबलपुर की महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न जिलों से आई प्रतिभागियों ने योग की विभिन्न विधाओं एवं निर्धारित योगासनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, संतुलन, एकाग्रता, लचीलापन एवं शारीरिक दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण निर्मित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में पीयूषा खंडेलवाल, निखिल दुबे एवं मोनिका तोमर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायकों द्वारा निर्धारित नियमों एवं तकनीकी मापदंडों के आधार पर प्रतिभागियों के प्रदर्शन का सूक्ष्मता से मूल्यांकन किया गया।

सभी टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को सफल एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाया। प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम स्थान जिला कटनी की टीम ने प्राप्त किया जबकि द्वितीय स्थान जिला जबलपुर की टीम ने हासिल किया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। अन्य जिलों की टीमों ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य परंपरा है, जो व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्राओं को अपनी प्रतिभा निखारने और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। स्पोर्ट्स ऑफिसर नागेंद्र यादव ने प्रतियोगिता में शामिल सभी जिलों की टीमों, निर्णायकों एवं सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

महापौर जनसुनवाई : नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को मौके पर किया तलब

निगम की जनसुनवाई में महापौर ने आवेदनों पर समय-सीमा तय करने अधिकारियों को दिए निर्देश



कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों पर सुनवाई हुई। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नागरिकों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को मौके पर तलब कर समस्या के निराकरण की स्थिति पूछी। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि शिकायत का समाधान कब तक किया जाएगा। महापौर ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का जल्द निराकरण कराया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान वार्ड क्रमांक 3 के युवाओं द्वारा मार्ग से संबंधित विषय महापौर के समक्ष रखा गया तथा आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया गया। महापौर ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही साफ-सफाई, आवास, पेंशन एवं अतिक्रमण से संबंधित आवेदन भी प्रस्तुत किए गए, जिन पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आवेदनों पर कार्रवाई के साथ जवाबदेही तय करने पर फोकस

नगर निगम की जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की स्थानीय समस्याओं को सीधे सुनकर संबंधित विभागों के माध्यम से उनका निराकरण कराना है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लें और प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही जरूरत पड़ने पर मौके पर जाकर समस्या का निरीक्षण करें और आवेदकों को कार्रवाई की जानकारी भी दें। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर जनसुनवाई में पहुंचते हैं। ऐसे में अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान निगम की सभी शाखाओं के अधिकारी, कर्मचारी एवं आवेदकों की उपस्थिति रही।

धर्मसागर तालाब के 10 वर्षीय पट्टा आवंटन को लेकर संयुक्त जांच



11 सदस्य ही हुए उपस्थित

कटनी (स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत कटनी के स्वामित्व वाले धर्मसागर तालाब को मत्स्य पालन के लिए 10 वर्षीय पट्टे पर आवंटित किए जाने की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत पड़ुआ में संबंधित मत्स्य सहकारी समिति की पात्रता एवं दस्तावेजों की संयुक्त जांच की गई। यह जांच सहायक मत्स्य अधिकारी प्रियंका पटेल एवं सहकारिता विभाग की क्षेत्रीय अधिकारी सुनैना द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जांच के दौरान समिति के सदस्यों के आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक, सदस्यता सूची, बैठक पंजी सहित समिति के मूल अभिलेखों का भौतिक सत्यापन किया जाना था। इसके अलावा मत्स्याखेट, मत्स्य बीज, मत्स्य उत्पादन एवं बिक्री पंजी तथा ऑडिट रिपोर्ट सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी जांच प्रस्तावित थी।

जांच के दौरान समिति के कुल 11 सदस्य ही उपस्थित हुए। वहीं समिति की ओर से आवश्यक अभिलेख एवं दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। इसके चलते समिति के सभी सदस्यों और अभिलेखों का पूर्ण भौतिक सत्यापन नहीं हो पाया। गौरतलब है कि धर्मसागर तालाब के 10 वर्षीय पट्टा आवंटन की प्रक्रिया में संबंधित समिति की पात्रता और शासन के निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह जांच की जा रही है। अब आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और पात्रता परीक्षण के बाद ही पट्टा आवंटन की आगामी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

महापौर ने 1.04 करोड़ के आधुनिक स्कूल भवन की रखी आधारशिला

नदीपार शासकीय माध्यमिक शाला की बदलेगी तस्वीर, बेटियों के चेहरों पर खिली मुस्कान शहर के अन्य स्कूलों के कायाकल्प का भी रोडमैप तैयार

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के शासकीय स्कूलों की शैक्षणिक सुविधाओं एवं अधोसंरचना को बेहतर बनाने की दिशा में महापौर द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सौगात देते हुए इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 4 स्थित शासकीय माध्यमिक शाला नदीपार में 1 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन विद्यालय भवन का छात्र-छात्राओं के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू एवं उमेंद्र अहिरवार, पार्षद शकुंतला सोनी एवं रेखा तिवारी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, पूर्व पार्षद विजय रजक, सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी, प्राचार्य प्रशांत चनपुरिया सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नवीन विद्यालय भवन की आधारशिला से खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे-भूमिपूजन समारोह के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। महापौर सूरी ने छात्राओं के करकमलों से नवीन विद्यालय भवन का विधिवत भूमिपूजन कराया तथा स्वयं भी पूजा-अर्चना में सहभागिता की। क्षेत्रीय पार्षदों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में नवीन भवन की आधारशिला रखी गई।

जी प्लस वन स्ट्रक्चर पर बनेगा 8 कक्षों वाला आधुनिक भवन-शासकीय माध्यमिक शाला नदीपार के नवीन विद्यालय भवन का निर्माण जी प्लस वन स्ट्रक्चर पर कराया जाएगा।



भवन में विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कुल 8 कक्षों के साथ शौचालय की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

शिक्षा का कायाकल्प मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता: महापौर-समारोह को संबोधित करते हुए महापौर सूरी ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और शहर के उज्ज्वल भविष्य की असली नींव है। नगर निगम का प्रयास है कि शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को भी निजी स्कूलों जैसी आधुनिक सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक माहौल मिले। इसी उद्देश्य से महापौर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करते हुए विद्यालयों की अधोसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के शासकीय विद्यालयों में नवीन भवन निर्माण एवं मरम्मत के माध्यम से शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। नदीपार, केसीएस, पुरवार पुत्री शाला एवं बरगवां स्कूल में नवीन भवन निर्माण कार्यों के साथ ए रविन्द्र राव स्कूल में 1.94 करोड़ रुपये से भवन निर्माण जारी है। वहीं केसीसी स्कूल में डेढ़ करोड की लागत से नवीन भवन का निर्माण होने जा रहा है साथ ही निषाद शाला का 2 करोड़ रुपये की लागत से नवीन भवन निर्मित कराया जा चुका है तथा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में लगभग 3 करोड़ की लागत के मरम्मत कार्य कराए जा रहे हैं। नगर निगम शहर के विकास के साथ शिक्षा के क्षेत्र को भी प्राथमिकता दे रहा है। विद्यालयों में बेहतर अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाओं का विस्तार कर विद्यार्थियों को अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आगे भी कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य प्रशांत चनपुरिया ने नवीन विद्यालय भवन की सौगात के लिए महापौर एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गोपाष्टमी पर धूमधाम से हुई गौ माता की पूजा-अर्चना

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कार्तिक शुक्ल अष्टमी, गोपाष्टमी के पावन पर्व पर आज शहर में गौ माता की धूमधाम से पूजा-अर्चना की गई। कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) के तत्वावधान में गोपाष्टमी पर्व बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जुराही स्थित दयोदय जैन गौशाला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पुष्पा ठाकुर, रश्मि अग्रवाल, माही तिवारी एवं श्रुति चौदहा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ गौ माता को स्नान कराकर, तिलक लगाकर माला अर्पित कर पूजन एवं आरती कर गौ माता की आराधना से हुआ। इसके बाद गौ माता की सामूहिक आरती, परिक्रमा की गई। इस पावन अवसर पर गौमाता को गौग्रास खिलाने की परंपरा निभाई गई, जिसमें संस्था के सभी सदस्यों ने अपने घर से रोटी, गुड़, चना, चुनी, चोकर, खली तथा हरी पत्तेदार सब्जियाँ लाकर गौवंश को खिलाया।

इस अवसर पर गौ भंडारा का आयोजन हुआ। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। संस्था की महिला विंग अध्यक्ष मंजू शर्मा ने



कहा कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के गौ.चारण प्रारंभ करने की स्मृति का पर्व है। संस्था के सचिव ने कहा गौ सेवा ही सच्ची सेवा है। संस्था के अध्यक्ष टीनू सचदेवा ने आगे भी गौ सेवा, रक्तदान व जनसेवा के कार्य इसी तरह करती रहेगी।

अंत में कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सदस्यों ने गौमाता से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं प्रार्थना की कि संस्था इसी प्रकार रक्तदान एवं गौसेवा के क्षेत्र में निरंतर अपने सार्थक प्रयासों से समाजसेवा करती रहे। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया राज सोनी द्वारा। कार्यक्रम का उद्देश्य गौसेवा के माध्यम से समाज में करुणा, सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना है।

सनशाइन एकेडमी में साप्ताहिक आउटडोर गतिविधियों का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए साप्ताहिक आउटडोर गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को डीपीएस ले जाया गया, जहाँ उन्होंने स्केटिंग एवं ताइक्वांडो जैसी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने खेल-खेल में नई चीजें सीखीं तथा अपने आत्मविश्वास, शारीरिक क्षमता और अनुशासन को विकसित करने



का अवसर प्राप्त किया। बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इन गतिविधियों का आनंद लिया। विद्यालय का उद्देश्य पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के बेहतर अवसर प्रदान करना है। विद्यालय की इंचार्ज नाजनीन तौफीक ने कहा कि यह एक्टिविटी बच्चों को स्वस्थ रखने, महत्वपूर्ण जीवन-कौशल और व्यायाम का हिस्सा हैं, विद्यालय की डायरेक्टर जूही जैन और वाइस प्रिंसिपल शबनम अख्तर ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को कुछ नया सीखने के अवसर प्रदान करना है।

कटनी में 22 को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चेतनोदय औषधालय, चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र कैलवारा (जैन मंदिर), कटनी में रविवार, 22 नवंबर को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, जानकीकुंड, चित्रकूट सतना एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, कटनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की आंखों की नि:शुल्क जांच की जाएगी। जिन लोगों को नजदीक की वस्तुएं देखने अथवा पढ़ने-लिखने में परेशानी होती है, उन्हें नेत्र परीक्षण के उपरांत नि:शुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें चित्रकूट में नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, ऑपरेशन के लगभग एक माह बाद फॉलोअप जांच के दौरान संबंधित मरीजों को नि:शुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

शिविर में आने वाले मरीजों के लिए आवश्यक निर्देश

शिविर में शामिल होने वाले प्रत्येक मरीज को अपना आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। साथ ही परिवार के किसी सदस्य का मोबाइल नंबर उपलब्ध होना आवश्यक है। नेत्र परीक्षण के दौरान मास्क पहनना एवं सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना भी अनिवार्य रहेगा। सकल दिगम्बर जैन समाज, कटनी ने नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इस नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाएं। साथ ही इस जनकल्याणकारी पहल की जानकारी जरूरतमंद एवं बुजुर्ग लोगों तक भी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

1.25 करोड़ की लागत से बनेगा केसीएस स्कूल का नवीन भवन, महापौर ने किया भूमिपूजन

शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महापौर का महत्वपूर्ण कदम शासकीय विद्यालयों की अधोसंरचना सुदृढ़ करने पर विशेष जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी शहर की बेटियों को आगे बढ़ाने की सोच के साथ महापौर प्रीति संजीव सूरी की पहल पर मंगलवार को महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड स्थित केसीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक अनूठा और प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जहाँ करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए स्कूल भवन का भूमिपूजन विद्यालय की बेटियों द्वारा कराया गया। महापौर सूरी ने छात्राओं को आगे रखकर उनके साथ वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के बीच विकास कार्य की आधारशिला रखी। शहर के शासकीय विद्यालयों के कायाकल्प के लिए महापौर द्वारा किए जा रहे इन निरंतर प्रयासों से अब विद्यालय की छात्राओं को पढ़ाई के लिए और भी अनुकूल एवं सुविधायुक्त परिसर उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, पार्षद शकुंतला सोनी, रेखा तिवारी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, पूर्व पार्षद विजय रजक, सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी, विद्यालय की प्राचार्य रूप भास्कर, उपप्राचार्य रिजवान खान सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यालय परिसर को मिलेगी नई पहचान, नवीन भवन के साथ विकसित होगा खेल मैदान-केसीएस विद्यालय के पुराने एवं जर्जर हिस्से को हटाए जाने के बाद अब विद्यालय परिसर में लगभग सवा करोड़ रुपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्तावित भवन में 8 कक्षों के साथ आवश्यक शौचालय सुविधा भी विकसित की जाएगी।

इसके अतिरिक्त परिसर के शेष हिस्से में विद्यार्थियों के खेलकूद एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए खेल मैदान तैयार किया जाएगा। नवीन भवन के निर्माण से विद्यालय की शैक्षणिक अधोसंरचना सुदृढ़ होगी तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित,



सुविधाजनक एवं बेहतर वातावरण में अध्ययन और अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर प्राप्त होंगे।

जिस विद्यालय से सीखी शिक्षा, आज उसी के विकास में योगदान देना सौभाग्य: महापौर-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रीति सूरी ने अपने विद्यालय से जुड़ी स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि उन्होंने भी इसी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने का सफर तय किया है। आज इसी विद्यालय के विकास एवं नवीन भवन निर्माण में सहभागी बनना उनके लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि आज हम केवल एक विद्यालय भवन के निर्माण की नींव नहीं रख रहे हैं, बल्कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य, उनके सपनों और आत्मविश्वास की नींव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प है कि बेटियों को आधुनिक कक्षाएं, स्वच्छ शौचालय एवं खेलकूद के लिए बेहतर मैदान जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़ सकें। एक महापौर के रूप में यह उनका दायित्व भी है और सौभाग्य भी कि वे बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास में योगदान दे पा रही हैं। आपने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार, सेवा, दया एवं अनुशासन के मूल्यों को आत्मसात कर जीवन में आगे बढ़ें, अपने सपनों को साकार करें और अपने विद्यालय, परिवार एवं शहर का नाम रोशन करें।

विद्यालय को महापौर के कार्यकाल में मिली एक के बाद एक सौगात-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्य एवं उपप्राचार्य ने महापौर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महापौर सूरी के कार्यकाल में विद्यालय को एक के बाद एक विकास कार्यों की सौगात मिली है। नवीन विद्यालय भवन का निर्माण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे विद्यालय में शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार होगा और बच्चों को बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि महापौर सूरी के प्रयासों एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण से प्रेरणा लेकर सभी बच्चे पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करें तथा अपने विद्यालय, परिवार एवं शहर का नाम रोशन करें।

वेलिंगटन में बुमराह की वापसी

न्यूज़ीलैंड के सामने भारत की कड़ी परीक्षा



वेलिंग्टन (वार्ता)

भारत गुरुवार से यहां बेसिन रिजर्व में दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में जब न्यूजीलैंड से भिड़ेगा, तो उसकी बल्लेबाजी की गहराई, गेंदबाजी के स्रोत और विदेशी मिजाज का कड़ा इम्तिहान होगा। जिसमें टेस्ट में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह भारतीय तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे। पिछली एकदिवसीय सीरीज 3-1 से जीतने के बाद, भारत अपनी इस लय को लंबे प्रारूप में भी जारी रखना चाहेगा और न्यूजीलैंड का सफल दौरा पूरा करना चाहेगा। हालांकि, टेस्ट चुनौती एक अलग प्रस्ताव पेश करती है, जिसमें मेजबान टीम से बेसिन रिज़र्व की जानी-पहचानी कंडीशन का फायदा उठाने की उम्मीद है, जो पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों की मदद करने के लिए जानी जाती है, विशेषकर शुरुआती दौर में। यह मुकाबला भारत को 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 0-3 से मिली हार की निराशा को दूर करने का भी मौका देता है, जब मेहमान टीम भारतीय धरती पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत को हराने वाली पहली टीम बनी थी।

बुमराह भारतीय आक्रमण की अगुआई करेंगे

कप्तान शुभमन गिल जो लाल गेंद सीरीज की तैयारी के लिए आखिरी दो वनडे नहीं खेल पाए थे, ने इशारा किया है कि भारत सात विशेषज्ञ बल्लेबाज और चार तेज गेंदबाज उतारेगा, हालांकि फाइनल पेस कॉम्बिनेशन अभी तय नहीं हुआ है। दौरे के सफेद गेंद प्रारूप के दौरान आराम दिए गए बुमराह भारतीय आक्रमण की अगुआई करेंगे, जिसमें मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार बाकी जगहों के लिए दावेदारों में शामिल हैं। अंशुल कंबोज और नीतीश कुमार रेड्डी भी अतिरिक्त गेंदबाज और निचले क्रम बल्लेबाजी का विकल्प देते हैं। गिल ने तेज गेंदबाजों के बीच कॉम्पिटिशन को एक अच्छी सिलेक्शन की मुश्किल बताया, उनके परफॉर्मेंस और बदलते हालात के हिसाब से ढलने वाले अटैक को चुनने की ज़रूरत की ओर इशारा किया। भारतीय टीम के कप्तान का मानना है कि मैच में दो अलग-अलग चुनौती हो सकती हैं, जिसमें पहले दो दिन सीमर को मदद मिलने की संभावना है, इससे पहले कि सरफेस काफी फ्लैट हो जाए। उन्होंने ऐसे बॉलर होने की अहमियत पर ज़ोर दिया है जो नई बॉल का फायदा कम होने पर भी डेक पर हिट कर सकें और बाउंस निकाल सकें। वेलिंग्टन का मौसम, खासकर उसकी तेज हवाएं, मुकाबले में एक और मोड़ ला सकती हैं। हालात गेंदबाजी को फिजिकली मुश्किल बना सकते हैं, जिससे भारतीय आक्रमण को अपना वर्कलोड मैनेज करना होगा और पांच दिनों तक कंसिस्टेंसी बनाए रखनी होगी।

मैच के शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी

बेसिन रिज़र्व के क्यूरेटर टॉम डेवी ने इशारा किया है कि सरफेस पर लगभग 15 एमएम घास रह सकती है, जिससे मैच की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ेगा, पिच सूख जाएगी और खराब होती जाएगी, जिससे चौथे और पांचवें दिन स्पिनर्स को मुकाबला करने का मौका मिल सकता है। इस बीच, न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने इस बात को खारिज कर दिया है कि मेहमान टीम भारत के तेज आक्रमण का मुकाबला करने के लिए एक बहुत ही गेंदबाजों की मददगार पिच तैयार की गई है। उन्हें बेसिन रिज़र्व के जाने-पहचाने हालात की उम्मीद है और उनका मानना है कि दो मैचों की सीरीज में बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होना चाहिए।

भारतीय बल्लेबाजी पर कड़ी नज़र रहेगी

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी पर कड़ी नज़र रहेगी, जिसमें यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, गिल और वापसी कर रहे ऋषभ पंत से बड़ी जिम्मेदारी लेने की उम्मीद है। ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन से ठीक होने के बाद पंत की वापसी खास तौर पर ज़रूरी है। गिल ने विकेटकीपर-बल्लेबाज के अनुभव और काबिलियत का साथ दिया है, और हाल ही में मैच प्रैक्टिस की कमी की चिंताओं को खारिज कर दिया है। पंत भी न्यूजीलैंड में अपना पहला टेस्ट शतक बनाने के लिए बेताब होंगे। विकेटकीपर की जगह के लिए मुकाबला भी तेज हो गया है, ध्रुव जुरेल ने इंडिया ए के लिए अपने प्रदर्शन से एक मजबूत दावेदारी पेश की है, जिसमें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल ने भी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके अपनी दावेदारी मजबूत की है, जिससे भारत को अतिरिक्त बल्लेबाजी हैं।

दो टेस्ट से बाहर हुए ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर

न्यूजीलैंड के लिए, दाहिने हाथ में फ्रैक्चर के कारण दो टेस्ट से बाहर हुए ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर की गैरमौजूदगी एक झटका है। उनकी जगह डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को टीम में लाया गया है। मेजबान टीम कप्तान टॉम लैथम, अपने अनुभवी बैटिंग ग्रुप और वेलिंग्टन के हालात से वाकिफ पेस अटैक पर निर्भर करेगी। वे विदेशी मुश्किल हालात में भारत की कमजोरी का भी पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। गिल ने इशारा किया है कि दोनों टेस्ट जीतने से भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें और मजबूत होंगी, जिससे वेलिंग्टन में अच्छी शुरुआत खास तौर पर ज़रूरी हो जाती है।

भारत की नजर खिताबी हैट्रिक पर



भोपाल (स्वतंत्र मत)

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 हॉकी टूर्नामेंट की शुरुआत 19 नवंबर को मध्य प्रदेश के भोपाल में होगी। मौजूदा चैंपियन भारत की नज़र अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीसरा खिताब जीतने और कुल मिलाकर चौथी बार चैंपियन बनने पर है। 10 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में एशिया की छह प्रमुख महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी और इसका समापन 28 नवंबर को फाइनल मैच के साथ होगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें संस्करण में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम इस टूर्नामेंट में एक बड़ी उपलब्धि के साथ उतर रही है हाल ही में जापान के आइची-नागोया में हुए एशियाई खेल 2026 में टीम ने 44 साल के इंतज़ार को खत्म करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। इस बार टीम की कमान मिडफील्डर सलीमा टेटे के हाथों में होगी। एशियाई खेलों के फाइनल में भारत ने चीन को 1-0 से हराकर 1982 के बाद अपना पहला महिला हॉकी स्वर्ण पदक जीता और साथ ही लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। एशियाई खेलों में मिली शानदार जीत के बाद, यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। भारत इस टूर्नामेंट को तीन बार जीत चुका है - 2016, 2023 और 2024 में। उनकी पिछली जीत बिहार के राजगीर में हुई थी, जहाँ उन्होंने फाइनल में चीन को हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। दक्षिण कोरिया भी तीन बार की चैंपियन रही है, जबकि जापान ने 2013 और 2021 में, यानी दो बार यह प्रतियोगिता जीती है। छह टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेलेंगी, जिसमें हर टीम पांच लीग मैच खेलेगी। इसके बाद, स्टैंडिंग में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले सेमीफाइनल में पहले स्थान पर रहने वाली टीम का मुकाबला चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें दूसरे सेमीफाइनल में एक-दूसरे का सामना करेंगी। लीग चरण के मैच 19 से 25 नवंबर तक खेले जाएंगे, जिसमें 20, 23 और 26 नवंबर को आराम के दिन होंगे। पांचवें स्थान के लिए वर्गीकरण मैच और सेमीफाइनल 27 नवंबर को होंगे, जिसके अगले दिन ब्रॉन्ज मेडल (कांस्य पदक) के लिए मुकाबला और फाइनल खेला जाएगा।

एक टेस्ट पारी में विकेटकीपर लिटन ने किए आठ शिकार

बनाया नया विश्व रिकॉर्ड



जोहानसबर्ग (वार्ता)। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज़ लिटन दास ने टेस्ट पारी में सर्वाधिक आठ शिकार करने का एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस समय जारी जोहान्सबर्ग टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ कगिसो रबाडा को जब उन्होंने स्टंप किया तब ऐसा करते हुए उन्होंने एक ऐसे रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो अब तक पांच विकेटकीपरों के नाम था। इससे पहले यह रिकॉर्ड वसीम बारी, बॉब टेलर, इयान स्मिथ, रिडली जेकब्स और जोशुडा डा सिल्वा के नाम था। डा सिल्वा ने 2023 में यह कारनामा किया था। बांग्लादेश की पहली पारी में शतक लगाने और आठ शिकार करने के साथ ही लिटन ने एक ऐसे क्लब में अपना नाम दर्ज कराया जो कि पूरी तरह से उनका अपना है। इससे पहले डेनिड लिंडसे (1966) और एबी डी विलियर्स (2013) ने शतक लगाया था और एक पारी में छह शिकार किए थे, इत्तेफ़ाक़ से यह दोनों उपलब्धियां भी जोहान्सबर्ग में ही हासिल की गई थीं। तीसरे दिन के खेल की समाप्ति तक लिटन ने छह कैच लिए थे। उन्होंने एडन मारक्रम, ज़ुबैर हमज़ा, माइकल ब्रीत्ज़के, वियान मुल्डर, मार्को यानसन और साइमन हार्मर के कैच लपके थे। इसके बाद चौथे दिन उन्होंने रायन रिकल्टन और रबाडा को स्टंप किया। इससे पहले उन्होंने 14 चौके और एक छक्के की मदद से 179 गेंदों पर 120 रनों की पारी खेली जिसमें तौहीद हृदोय के साथ छठे विकेट के लिए 206 रनों की साझेदारी शामिल थी। इसकी मदद से बांग्लादेश ने साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ 400 रनों का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। पिछले महीने अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ पूरे टेस्ट मैच में लिटन ने नौ शिकार किए थे और शतक के साथ-साथ अर्धशतक भी जड़ा था। किसी टेस्ट में यह कारनामा करने वाले वह पहले विकेटकीपर भी बने थे। इस प्रदर्शन के लिए लिटन को प्लेयर ऑफ़ द मैच भी चुना गया था। लिटन बांग्लादेश के वनडे और टी20 कप्तान भी हैं।



इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से सीरीज जीती

होबार्ट (वार्ता)। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली है। पर्थ में बुरी तरह हारने के बाद यह एक शानदार वापसी है। ऑस्ट्रेलिया लगातार दो बार रन चेज करने में नाकाम रहा, और दोनों ही बार पावरप्ले में ही उनकी हार तय हो गई थी। इंग्लैंड ने 328 रन बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 46.5 ओवर में 231 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड के बेन डकेट को उनके 133 रन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया जबकि इंग्लैंड के बल्लेबाज़ टॉम बैंटन को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। आज भी इंग्लैंड ने नई गेंद से बेहतरीन गेंदबाजी की। एटकिंसन ने जल्दी ही हेड का विकेट लिया, और बेकर ने गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराकर शुरुआत में ही ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरा दिए। इंग्लैंड ने रेन्शॉ का एक कैच जल्दी ही छोड़ दिया था, जिसके बाद उन्होंने कैरी के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। ग्रीन के साथ तालमेल की कमी के कारण कैरी आउट हो गए, और फिर एक खतरनाक बाउंसर लगने से ग्रीन के होंठों से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह आए कन्कशन सब पीक कुछ खास नहीं कर सके, और इंग्लैंड के लिए मैच जीतना बस एक औपचारिकता रह गई थी। बेकर ने वापसी करते हुए कुल चार विकेट लिए; वे पांच विकेट लेने के करीब भी पहुंचे, लेकिन मिडिल ओवरों में डॉसन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए रेन्शॉ, कोनोली और एडवर्ड्स के विकेट झटके।

भारत ने बांग्लादेश को हराया

पाकिस्तान से होगी खिताबी भिड़ंत



ढाका (वार्ता)। बुधवार को ढाका के बसुंधरा स्पोर्ट्स सिटी में, भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने मेजबान बांग्लादेश पर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए एशिया कप ब्लाइंड क्रिकेट 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब 20 नवंबर को होने वाले बहुप्रतीक्षित फाइनल में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह फाइनल एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है, खासकर इसलिए क्योंकि लीग चरण में भारत को पाकिस्तान के हाथों एक विकेट से करीबी हार का सामना करना पड़ा था। अब जब चैंपियनशिप का खिताब दांव पर है, तो भारत उस हार का बदला लेने और टूर्नामेंट का समापन जीत के साथ करने की कोशिश करेगा। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, भारत ने अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और बांग्लादेश को निर्धारित 20 ओवरों में 123/7 के स्कोर पर रोक दिया। भारतीय कप्तान टी. दुर्गा राव ने शानदार नेतृत्व किया; उन्होंने तीन ओवर में केवल 10 रन दिए और एक विकेट भी लिया। लोकेशा, देबराज बेहरा और सुनील रमेश ने भी एक-एक विकेट चटकाया, जबकि भारतीय फील्डरों ने तीन रन-आउट करके बांग्लादेश पर दबाव बनाए रखा। बांग्लादेश की ओर से मुहम्मद तहाफिज ने सबसे ज्यादा रन बनाए, जो 30 गेंदों पर 36 रन बनाकर नाबाद रहे। 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत ने आसानी से जीत हासिल कर ली और केवल 13.2 ओवरों में 124/2 का स्कोर बना लिया। सुनील रमेश ने 41 गेंदों पर नाबाद 63 रनों की पारी खेलकर टीम को संभाला। उनकी इस पारी में सात बाउंड्री शामिल थीं और उन्होंने 153.66 का शानदार स्ट्राइक रेट बनाए रखा। संजय कुमार शाह ने 25 गेंदों पर 32 रनों का बहुमूल्य योगदान दिया, जबकि सुखराम 20 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारत ने 40 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस शानदार जीत ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले खिताबी मुकाबले से पहले भारत को एक अच्छी लय (मोमेंटम) दी है। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल को लेकर कप्तान दुर्गा आश्वस्त हैं ।

गोयल ने रोम में इटली की कई प्रमुख कंपनियों के साथ निवेश के बारे में चर्चा की



नयी दिल्ली (वार्ता)

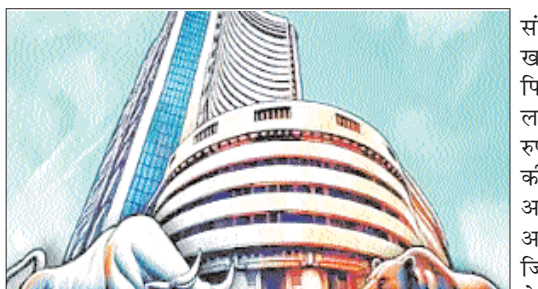
वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इटली यात्रा के दौरान वहां के प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रोम में बैठकें कीं और उनके साथ निवेश के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चाएं कीं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ये बैठकें मंगलवार को हुईं। श्री गोयल ने वहां वाल्टर टोस्टो के प्रबंध निदेशक लुका टोस्टो, नॉर्डइम्पियान्टी सिस्टम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जियान पिएरो गैग्लियार्डी, एटिटेक के चेयरमैन जियानी लेटिएरी, मैगाल्डी ग्रीन एनर्जी की प्रबंध निदेशक लेटिज़िया मैगाल्डी, और ब्रैको इमेजिंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फुल्वियो रेनोल्डी ब्रैको से मुलाकात की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन कंपनियों के साथ चर्चाओं में भारत में इतालवी निवेश बढ़ाने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और भारतीय साझेदारों के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

इन कंपनियों ने अपनी तकनीक को भारत लाने और विनिर्माण, विमान रखरखाव, थर्मल एनर्जी स्टोरेज तथा फार्मास्युटिकल सामग्री जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ मिलकर काम करने में रुचि दिखाई। ये बैठकें ऐसे समय में हुई हैं जब भारत और इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं और 2029 तक 20 अरब यूरो के वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

शेयर बाजारों में तेजी पर विराम

धातु, बैंकिंग ,आईटी शेयरों पर दबाव बढ़ा

मुंबई (वार्ता)। अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने की संभावनाओं के बीच डॉलर की मजबूती तथा विदेशी बाजारों से नरमी के समाचारों से प्रभावित स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को चुनिंदा शेयरों में मुनाफा वसूली के चलते तेजी का सिलसिला टूट गया और बाजार के प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई 30 सेंसेक्स 82,031.81 पर 500.38 अंक (0.61 प्रतिशत) टूट गया जबकि एनएसई का निफ्टी50 बाजार बंद होने के समय 25,227.95 पर कल की तुलना में 159.45 अंक (0.63 प्रतिशत) गिरावट दर्ज की गयी। सेंसेक्स और निफ्टी कल तेजी के साथ कमश: 82,532.19 और 25,387.40 पर बंद हुए थे। इस सप्ताह पहले दो कारोबारी दिवसों में बाजार में तेज सुधार दर्ज किया गया था। आज बैंकिंग, वित्त, मेटल और आई शेयरों में बिकवाली का दबाव बढ़ा हुआ था। बाजार को अमेरिकी आंकड़ों और वहां के केंद्रीय बैंक की बाजार समिति की पिछली बैठक की कार्रवाई रिपोर्ट का इंतजार है। सेंसेक्स 82,376.56 पर खुलने के बाद ऊपर में 82,578.87 तथा नीचे में 81,780.47 अंक तक गया था। निफ्टी 50 सुबह 25,323.15 पर खुला था। बीएसई सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर गिरावट में बंद हुए जबकि आठ में लाभ रहा। लाभ में रहे शेयरों में एसबीआई 2.26 प्रतिशत, आईटीसी 1.37 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.22 प्रतिशत के लाभ में रहा। पावर ग्रिड, ट्रेंट, सन फार्मा, मारुति, और आईसीआईसीआई बैंक भी लाभ में बंद हुए। ज्यादा गिरावट में रहे शेयरों में टाइटन 4.82 प्रतिशत टूट गया, टीसीएस में 2.49 प्रतिशत, इटरनल और बजाज फाइनेंस में 2.45-2.45 प्रतिशत तथा इंडिगो में 1.97 प्रतिशत और इन्फोसिस में 1.86 प्रतिशत की गिरावट रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सम्पत्ति प्रबंधन प्रभाग के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, हाल ही में आई तेज़ी के बाद, भारतीय बाज़ारों में अब ठहराव देखने को मिल सकता है। इसकी मुख्य वजह कमज़ोर वैश्विक संकेत और व्यापक रूप से बाज़ारों में थोड़ी-बहुत मुनाफावसूली है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी जारी रखी है; पिछले सत्र में उन्होंने लगभग 4,000 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। निवेशक अब कल आने वाले प्रमुख वैश्विक आंकड़ों पर नज़र रखेंगे, जिनमें अमेरिका के रोज़गार के आंकड़े और फेडरल रिजर्व की खुले बाजार की क्रियाओं संबंधी समीति की पिछली बैठक की कार्रवाई रिपोर्ट शामिल हैं। मज़बूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिज़र्व द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की बढ़ती उम्मीदों के दबाव के चलते, निफ्टी मेटल में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई। निफ्टी ऑटो में 1.4 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि मीडिया और सार्वजिनक बैंकों के सूचकांक में क्रमश: 0.5 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। सोने और चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट आई और ये कई महीनों के निचले स्तर पर आ गईं। एमसीएक्स पर सोना लगभग 2 प्रतिशत और चांदी करीब 3 प्रतिशत गिर गयी, जिसका असर ज्वेलरी और गोल्ड-फाइनेंसिंग कंपनियों के शेयरों पर पड़ा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बाजार समिति के मिनट से पहले फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के सख्त बयानों ने फेड द्वारा दरों में और बढ़ोतरी की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। इसके चलते अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोने जैसी ऐसी संपत्तियों पर दबाव पड़ा जिनसे कोई नियमित आय नहीं मिलती; साथ ही, वैश्विक कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई। घरेलू यील्ड में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे हाल के ऊंचे स्तरों के आसपास निवेशकों ने मुनाफावसूली की।



रुपये में तेजी का सिलसिला बरकरार

मुंबई (वार्ता)। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा और रुपये की विनिमय दर 9.5 पैसे और मजबूत हो गयी। आज कारोबार बंद होने के समय रुपया डॉलर विनियम दर 93.4175 थी। कल बाजार बंद होने के समय विनिमय दर 93.5125 थी। सुबह बाजार खुलने के समय डॉलर 93.47 था और ऊपर में 93.5750 तथा नीचे 93.25 जाने के बाद अंत में 93.4175 पर बंद हुआ। रुविदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से स्थानीय बाजार में पूंजी प्रवाह बना हुआ है। प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती का सिलसिला बरकरार रहा । डॉलर इंडेक्स 0.31 प्रतिशत बढ़ कर 103.725 पर चल रहा था।

अंकुर आईवीएफ एंड फर्टिलिटी सेंटर ने 11 वर्ष पूरे किए

जबलपुर। शहर के संजीवनी नगर स्थित अंकुर आईवीएफ एंड फर्टिलिटी सेंटर ने 9 नवंबर को अपनी स्थापना के सफल 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इन 11 वर्षों में सेंटर ने नि:संतानता के उपचार, आईवीएफ तकनीक और महिलाओं के प्रजनन एवं स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और मरीजों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ यह संस्थान जबलपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के अनेक परिवारों के लिए आशा और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। सेंटर की संचालक एवं विशेषज्ञ स्त्री रोग व आईवीएफ चिकित्सक डॉ. दीप्ति गुप्ता के नेतृत्व में यहां महिलाओं के स्वास्थ्य और फर्टिलिटी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ. दीप्ति गुप्ता रजिस्टर्ड आईवीएफ स्पेशलिस्ट हैं और महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, गर्भधारण संबंधी समस्याओं तथा जटिल स्त्री रोगों के उपचार में विशेषज्ञता रखती हैं। अपने 11 वर्षों के इस सफर में सेंटर ने चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ मरीजों के प्रति विश्वास, संवेदनशीलता और समर्पण को अपनी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है। इस अवसर पर सेंटर की चिकित्सकीय एवं सहयोगी टीम ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए मरीजों और उनके परिजनों के विश्वास तथा सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। अंकुर आईवीएफ एंड फर्टिलिटी सेंटर का उद्देश्य भविष्य में भी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों, विशेषज्ञ सेवाओं और बेहतर मरीज देखभाल के माध्यम से महिला स्वास्थ्य एवं फर्टिलिटी उपचार के क्षेत्र में अपनी सेवाओं को निरंतर आगे बढ़ाना है।



डॉ. यादव ने किया पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की एक इकाई का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ रामपुर प्लांट का किया अवलोकन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर जिले के गांधीसागर में कैबिनेट बैठक के पश्चात ग्रीनको पावर प्लांट ,रामपुर जिला नीमच का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर परियोजना एक इकाई का बटन दबाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में हाइड्रो पावर प्लांट और पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज एक नई तकनीक है। गांधीसागर में निर्मित पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की कुल लागत 11 हजार 474 करोड़ रुपए है। इसके प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में बिजली की मांग के पीक ऑवर्स में पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज से 2 हज़ार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और मांग के अनुरूप तुरंत बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इससे प्रदेश में चौबीसों घंटे बिजली की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित होगी।



एशिया की सबसे बड़ी परियोजना

नीमच जिले में ग्रीनको ग्रुप की 1920 मेगावाट भंडारण क्षमता वाली गांधीसागर पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना पर 11 हजार 500 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। पूर्ण होने पर इसमें 1920 मेगावाट पूर्ण क्षमता पर लगातार 6 घंटे विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा। परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लॉक के गांव में स्थापित की जा रही है। परियोजना का निर्माण लगभग 414 हेक्टेयर भूमि पर किया जा रहा है। परियोजना देश ही नहीं पूरे एशिया में निर्माणाधीन सबसे बड़ी स्वतंत्र पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना है। इसमें दो जलाशय शामिल हैं।निचला जलाशय मौजूदा गांधीसागर जलाशय है। परियोजना में गांधीसागर जलाशय से केवल 2.4 टीएमसी पानी का गैर-उपभोक्ता पुन: उपयोग किया जाएगा, यानी पानी की खपत नहीं होगी, बल्कि उसे चक्रिय रूप में बार-बार इस्तेमाल किया जाएगा। पंपिंग मोड (ऊर्जा भंडारण) अन्तर्गत दिन या रात के समय ग्रिड से मिलने वाली अतिरिक्त सौर या पवन ऊर्जा से दो दिशाओं में आगे-पीछे चलने वाली मोटरों के ज़रिए पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय में पंप करके संग्रहित किया जाएगा। टरबाइन मोड (बिजली उत्पादन) अन्तर्गत अधिक मांग वाले व्यस्त समय (पीक ऑवर्स) में ऊपरी जलाशय से पानी निचले जलाशय में छोड़ा जाता है।

संग्रहित ऊर्जा क्षमता 80 प्रतिशत रहने का अनुमान

परियोजना 1920 मेगावाट की पूरी क्षमता पर लगातार 6 घंटे तक बिजली उत्पादन कर सकती है। टरबाइन मोड में इसका रेटेड हेड लगभग 122 मीटर है। परियोजना की राउंड ट्रिप एफीशिएंसी यानी संग्रहित ऊर्जा को वापस देने की क्षमता लगभग 80 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कुल 9 टर्बाइन लगाए जा रहे हैं, इनसे कुल वार्षिक ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,580 मिलियन यूनिट होगी। पम्पिंग और उत्पादित बिजली की निकासी के लिए यह परियोजना 60 किमी दूर मंदसौर जिले में स्थित सब स्टेशन से जुड़ी है। जून 2027 से पूरी परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशंस पूर्ण रूप से शुरू होगा। परियोजना में लगभग 4 हजार लोगों को रोजगार मिला है। संचालन एवं रखरखाव शुरु होने पर इस परियोजना से स्थायी रोजगार और इस क्षेत्र और संपूर्ण प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री और मंत्रीगण के समक्ष हुआ प्रेजेंटेशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष ग्रीन को कांफ्रेंस हॉल में, पावर प्लांट पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रोजेक्ट व्यू प्वाइंट और टरबाइन तथा पावर हाउस का अवलोकन किया और तकनीकी जानकारियां प्राप्त की।

बड़ा बाजार में मुन्ना नेमा के घर आंवले का अनोखा वृक्ष बना आस्था का केंद्र

अक्षय नवमी पर दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने की पूजा

हटा (स्वतंत्र मत)।



आस्था और परंपरा के लिए लोग पकृति को सहेजने के अनूठे प्रयास भी करते हैं। नगर के बड़ा बाजार में मुन्ना नेमा के घर लगा 50 वर्ष से अधिक पुराना आंवले का पेड़ इसका उदाहरण है। घर के निर्माण के दौरान पेड़ को कटवाने के बजाय सुरक्षित रखा गया। पेड़ का तना कमरे के अंदर है जबकि इसकी शाखाएं छत पर फैली हैं और उन्हीं पर फल व पत्तियां लगती हैं। अक्षय नवमी पर यह प्राचीन वृक्ष धार्मिक आस्था का केंद्र बना रहा जहां मोहल्ले की दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने पहुंचकर पूजन किया। कार्तिक शुक्ल नवमी पर महिलाओं ने आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख.समृद्धि की कामना की।

गंगा झिरिया सिद्ध क्षेत्र, गायत्री शक्तिपीठ, गौरीशंकर मंदिर और अग्रसेन कॉलोनी सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं की भीड़ रही। पूजा के बाद महिलाओं ने आंवले के वृक्ष की छांव में बैठकर घरों से लाए पकवान और प्रसाद ग्रहण किया। बुंदेलखंड में आंवला नवमी पर वृक्ष के नीचे भोजन करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। बड़ा बाजार स्थित मुन्ना नेमा के घर का पुराना आंवला वृक्ष इस परंपरा की अनूठी मिसाल है। पेड़ की उम्र 50 वर्ष से अधिक बताई जा रही है।

घर के भीतर तना होने के बावजूद वृक्ष की शाखाएं छत तक पहुंचकर फैल गई हैं। नेमा ने धार्मिक मान्यताओं और वृक्ष के महत्व को देखते हुए इसे कटवाने के बजाय सुरक्षित रखा। अक्षय नवमी पर यहां महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजन कर वृक्ष के नीचे भोजन किया। पंकज बिदौलिया ने बताया कि अक्षय नवमी पर आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु सहित सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इस दिन वृक्ष का पूजन करने से पुण्य प्राप्त होता है और माता लक्ष्मी की कृपा से सुख-समृद्धि आती है। धार्मिक मान्यता के साथ आंवले का औषधीय महत्व भी है, इसलिए यह पर्व प्रकृति के संरक्षण और आस्था का संदेश देता है।

हादसे के बाद घायल रामेश्वर के लिए मददगार बनी डायल 112

पथरिया (स्वतंत्र मत)। सड़क हादसे में घायल हुए 40 वर्षीय रामेश्वर पटेल के लिए डायल 112 की टीम समय पर मददगार साबित हुई। मैय्यत में शामिल होकर सागर से अपने गांव बोबई लौट रहे रामेश्वर पटेल रास्ते में अचानक कुत्ते के सामने आ जाने से बाइक पर नियंत्रण खो बैठे और सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में उन्हें काफी चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पायलट वीरेंद्र गंधर्व एवं आरक्षक पवन तिवारी बिना देरी किए घायल रामेश्वर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया पहुंचाया जहां उन्हें उपचार उपलब्ध कराया गया। समय पर मिली मदद और डायल 112 की तत्परता से घायल को अस्पताल पहुंचाया जा सका। आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित कार्यवाही एक बार फिर लोगों के लिए मददगार साबित हुई।



राज्य स्तरीय विज्ञान नाटिका में सरदार पटेल दमोह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्य स्तरीय विज्ञान नाटिका का आयोजन राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान जबलपुर मे नेहरू विज्ञान केंद्र मुंबई के सहयोग से 17 एवं 18 नवंबर को किया गया। जिसमें शासकीय सरदार पटेल उमा विद्यालय दमोह की टीम ने राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। नाटिका का विषय विज्ञान और समाज एउप कथानक महासागरों की वहाली एवं भावी पीढ़ियों का संरक्षण तथा विज्ञान नाटिका का शीर्षक रोता समंदर सोता इंसान रहा। विज्ञान नाटिका में मुख्य रूप से ऋषिका, शाल्या, अर्पिता, पार्वती, कल्पना, वैष्णवी एवं रानू ने समुद्रो की बहाली हेतु 30 मिनट की नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

दिव्यांग व्यक्ति की प्रतिभाएं साहस एवं आत्मविश्वास ही वास्तविक शक्ति: पंकज वर्मा

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष सुभाष सोलंकी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के मार्गदर्शन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार विषय पर जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र दमोह में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश/सचिव पंकज वर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, प्रभारी अधिकारी संगीता मिश्रा



जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र सहित दिव्यांग जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश/सचिव पंकज वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति समाज का अभिन्न अंग है और उन्हें भी समाज में समान स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अधिकार है दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति की प्रतिभा एवं क्षमता को प्रभावित नहीं कर सकती बल्कि आपकी प्रतिमा, आपका साहस एव आपका आत्मविश्वास ही आपकी वास्तविक शक्ति है।

आपने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा अधिनियम के अतर्गत 21 प्रकार की दिव्यांगत्ता की मान्यता प्रदान की गई है। जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, समाजिक सुरक्षा एवं न्याय प्राप्त करने के अधिकार प्रदान किये गये है। आपने कहा कि सभ्य एवं विकसित समाज वही है जहा प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर प्राप्त हो तथा किसी के साथ भेदभाव न हो और व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत दिव्यांग व्यक्ति नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकारी है वे अपने कानूनी विवादों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सपर्क कर सकता है अथवा नि:शुल्क हेल्पलाईन नम्बर 15100 पर भी संपर्क कर सकता है।आपने नालसा मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवायें, योजना, नालसा बच्चों के लिये मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाये, योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम में सुषमा श्रीवास्तव ने अतिथियों द्वारा दी गई जानकारी सांकेतिक भाषा में उपस्थित दिव्यांगजनों दी। अंत में दिव्यांगजनों से उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर उचित विधिक मार्गदर्शन दिया गया।

एडिशनल डायरेक्टर बनकर ऐश करता रहा जालसाज

सरकारी बंगला और मुफ्त हवाई यात्रा का उठाया लुत्फ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। न कोई सरकारी नियुक्ति, न संवैधानिक पद और न ही शासन से कोई अधिकार, लेकिन ठाठ ऐसे कि पांच सशस्त्र कमांडो 24 घंटे सुरक्षा में तैनात रहते थे। सरकारी बंगला, हर जिले में आरक्षित गाड़ी, देशभर में मुफ्त हवाई यात्रा और लाखों रुपये मासिक वेतन। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में अमित तिवारी नाम के एक व्यक्ति ने खुद को अभियोजन विभाग का अतिरिक्त निदेशक (न्याय) बताकर ऐसा फर्जी रुतबा कायम कर रखा था। जाली नियुक्ति पत्र और सरकारी आदेशों के दम पर वह शासन के वीआईपी प्रोटोकॉल का लाभ उठाता रहा। उसका यह फर्जीवाड़ा तब उजागर हुआ, जब एक आरटीआई आवेदन के जरिए उसकी नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। अब अरेरा हिल्स पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का मामला दर्ज किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अमित तिवारी ने 6 अप्रैल 2025 का एक कथित नियुक्ति पत्र तैयार कराया था। इसे राज्य के विधि और गृह विभाग की ओर से जारी दिखाया गया था। इसके बाद 17 मई 2025 के एक अन्य फर्जी आदेश के जरिए खुद को राज्य अतिथि का दर्जा दिलाने का दावा किया। इस आदेश में भोपाल में आलीशान सरकारी बंगला, देशभर में असीमित मुफ्त हवाई यात्रा और प्रत्येक जिले में एक सरकारी वाहन आरक्षित रखने जैसी सुविधाओं का



उल्लेख था। यहां तक कि आदेश में यह भी लिखा था कि कोई अधिकारी या मंत्री उसकी पूर्व अनुमति के बिना उससे मुलाकात नहीं कर सकता। जांच में 7 जून 2024 का एक अन्य कथित फर्जी दस्तावेज भी सामने आया है। इसमें अमित तिवारी का चयन केंद्र सरकार की केंद्रीय अभियोजन सेवा में विशेष निदेशक (अभियोजन) के पद पर होने और मध्यप्रदेश में कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किए जाने का दावा किया गया था। दस्तावेज में यह भी उल्लेख था कि वह सुप्रीम कोर्ट में सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत है। फिलहाल अरेरा हिल्स पुलिस ने विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपी ने फर्जी सरकारी आदेशों के आधार पर किन-किन विभागों और अधिकारियों से सुविधाएं हासिल कीं। साथ ही इस पूरे फर्जीवाड़े में उसके साथ अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

पांच सशस्त्र कमांडो रहते थे तैनात-आरोपी ने अपने कथित पद का रुतबा दिखाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी जुटा रखी थी। जांच के अनुसार, गृह विभाग के नाम से जारी फर्जी आदेश के आधार पर उसके साथ 24 घंटे पांच सशस्त्र पुलिसकर्मियों का सुरक्षा घेरा रहता था। इस तरह उसने खुद को बेहद प्रभावशाली सरकारी अधिकारी के रूप में पेश किया।

पुलिस को जून 2025 की एक कथित फर्जी वेतन पर्ची भी मिली है। इसमें अमित तिवारी का मासिक सकल वेतन 3 लाख 85 हजार 700 रुपये और शुद्ध वेतन 3 लाख 32 हजार 700 रुपये दर्शाया गया था। दस्तावेज में उसकी सालाना आय 46 लाख रुपये से अधिक बताई गई थी। इस वेतन पर्ची के जरिए भी उसने अपनी कथित सरकारी हैसियत को प्रमाणित करने की कोशिश की।

राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह

अस्पताल से घर तक नवजात की देखभाल और नियमित फॉलोअप पर विशेष जोर

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि नवजात शिशु का जीवन सुरक्षित रहे उसका समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास सुनिश्चित हो सके इस उद्देश्य से राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह 15 से 21 नवंबर के अंतर्गत जिले में स्वास्थ्य संस्थाओं से लेकर समुदाय स्तर तक नवजात शिशुओं की देखभाल, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं अनुवर्ती सेवाओं फॉलोअप केयर को सुदृढ़ करने के लिए विशेष सामुदायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विक्रांत चौहान ने बताया कि वर्ष 2026 की थीम नन्हे शिशु उज्ज्वल भविष्य बेहतर कल के लिए निरंतर देखभालष् के अनुरूप सभी विकासखंड स्तर पर विशेष रूप से समयपूर्व जन्मे, कम वजन वाले एवं बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल तथा विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई से उपचार के बाद डिस्चार्ज किए गए बच्चों की नियमित निगरानी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

28 नवंबर को होगी जवाहर नवोदय विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा

दमोह (स्वतंत्र मत)। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा 2027 का आयोजन 28 नवंबर को किया जाएगा। परीक्षा का समय प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा जिले के सभी विकासखंडों में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने परीक्षा के सुचारूए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन तथा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व को अपने-अपने अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले समस्त परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर स्थित भवन क्रमांक HIG-05 श्रीमति निशा चतुर्वेदी पति स्व. श्री प्रदीप चतुर्वेदी को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 04.02.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्रीमति निशा चतुर्वेदी पति स्व. श्री प्रदीप चतुर्वेदी की मृत्यु दिनांक 28.10.2025 को हो गई है। उक्त भवन के पंजीकृत विक्रय विलेख में श्री प्रियांक चतुर्वेदी पिता स्व.श्री प्रदीप चतुर्वेदी को नॉमिनी नियुक्त किया था। अत: उनके पुत्र श्री प्रियांक चतुर्वेदी पिता स्व. श्री प्रदीप चतुर्वेदी ने उक्त संपत्ति को नॉमिनेशन के आधार पर लीज नामांतरण स्वयं के नाम से करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाईन आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये है। उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति/वैध उत्तराधिकारी/संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के पश्चात् लीज नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक / 286/वि.अधि. / 2026
जबलपुर दिनांक 06/10/2026

सार्वजनिक सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 6 के तहत विषय - विवाह सूचना पत्र का प्रकाशन दावत । एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **Ramji Yadav** पिता **Hub Narayan Yadav** उम्र 64 वर्ष निवासी **Gram Para Post Sahajpuri Shahajpuri Jabalpur** एवं आवेदिका **Pushpa Yadav** पिता **Banshi Lal Yadav** उम्र 50 वर्ष निवासी **Sahajpuri Bargi Jabalpur** के द्वारा समक्ष में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अंतर्गत विशेष विवाह अनुष्ठापन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 06/10/2026 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्तावित विवाह अनुष्ठापन के विरुद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 30/11/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला जबलपुर (म.प्र.)

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कटनी

लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स पी. के. माइंस एंड मिनिरल्स, देवरी हटाई डोलोमाईट माईन, खसरा नं. 1234,1232,1233/1 एंड 1233/2 ग्राम-देवरी हटाई, तहसील एवं जिला- कटनी, (म.प्र.) लीज क्षेत्रफल 6.210 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता 25000 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म.प. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई. ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अग्रेंजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर, कटनी (2) कार्यालय जिला पंचायत, कटनी, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उघोग केन्द्र, कटनी (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम देवरी हटाई, तहसील एवं जिला कटनी, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय, नवीन भवन एन.एच. 30, जबलपुर रीवा बायपास पता रोड, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा शो रुम के पास गुलवारा तहसील - मुडवारा, जिला - कटनी (म.प्र.) मे कार्यालयीन समय मे किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कटनी (म.प्र.) के कार्यालय मे मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 24.12.2026 दिन गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे मेसर्स पी. के. माइंस एंड मिनिरल्स, देवरी हटाई डोलोमाईट माईन, ग्राम देवरी हटाई, तहसील एवं जिला कटनी, (म.प्र.) के परियोजना स्थल के परिसर के समीप आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण **https://mptender.gov.in** वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3.	4	5	6
1.	Tender ID-2026_UAD_550445_1 PRO-756 Date: 18/11/26	संभाग क्र. 02 कछपुरा रानी दुर्गावती वार्ड अंतर्गत सूपाताल रामायण मंदिर के पास मल्लू बेन जी के घर से महेश चौधरी जी के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	03 माह 1.47 लाख (एक लाख सैतालीस हजार रुपए मात्र)	1000 2953	08/12/2026
2.	Tender ID-2026_UAD_550445_2 PRO-756 Date: 18/11/26	संभाग क्र. 02 कछपुरा रानी दुर्गावती वार्ड में रामायण मंदिर को बाजू से सन्जू लोधी जी के घर से बबलू चौधरी जी के घर तक सड़क सीमेन्टीकरण कार्य	03 माह रु. 3.79 लाख (तीन लाख उन्यासी हजार रुपए मात्र)	2000 3795	08/12/2026

नोट:- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन वेबसाइट **https://mptender.gov.in** पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. No./PWD/e-tendering/PRO-749 DATE 18/11/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण **https://mptender.gov.in** वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD 550320_1 Date: 19/11/26	सं.क्र.-03 रामपुर अंतर्गत शंकरशाह वार्ड में न्यू राम नगर में सचिन के घर से पप्पू के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण। (पार्षद अनुशंसा)	03 माह रु. 08. 45 लाख	2000/- रु. 8454/-	04/12/2026
2.	2026_UAD 550320_2 Date: 19/11/26	सं.क्र.-03 रामपुर अंतर्गत शंकरशाह नगर वार्ड में दुर्गानगर में लोखंडे जी के घर के समीप सार्वजनिक रंगमंच में मरम्मत रोड निर्माण व अन्य कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	03 माह 04.30 लाख	2000/- रु. 4309/-	04/12/2026
3.	2026_UAD 550320_3 Date: 19/11/26	सं.क्र.-03 रामपुर अंतर्गत शंकरशाह नगर वार्ड में शैल विहार प्रमोद पटेल शंकर मंदिर जोगनी नगर के पास सार्वजनिक स्थल एवं पाठक जी के समीप पुताई,मरम्मत व ग्रिल लगाने का कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	03 माह 04.30 लाख	2000/- रु. 4302/	04/12/2026

नोट:- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट **https://mptender.gov.in** पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

एक ही टावर पर 220 केवी एवं 132 केवी लाइनों का किया गया संयोजन



एमपी ट्रांसको के तकनीकी सुपरविजन में शिफ्ट किए गए 15 ट्रांसमिशन टावर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने राष्ट्रीय हित की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की सड़क निर्माण संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए अपने तकनीकी सुपरविजन में कुल 15 ट्रांसमिशन टावरों की शिफ्टिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कराया है। यह कार्य भारतमाला परियोजना के पैकेज.1 के अंतर्गत गौर नदी बरेलाए जबलपुर के पास किया गया। इस कार्य में 220 केवी के 9 तथा 132 केवी के 6 ट्रांसमिशन टावर शिफ्ट किए गए। एमपी ट्रांसको ने टावर शिफ्टिंग के लिए अलग-अलग ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित करने के बजाय अपनी तकनीकी प्लानिंग एवं डिजाइन के माध्यम से मल्टीसर्किट टावरों का विकल्प अपनाया।

मुख्य आरोपी देवेन्द्र सिंह ठाकुर गिरफ्तार, दूसरा फरार



वेयर हाउस पर 30 करोड़ का लोन दिलाने के नाम पर 30 लाख की ठगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत वेयर हाउस पर भारी.भरकम लोन दिलाने और अनाज भंडारण का झांसा देकर 30 लाख रुपये हड़पने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया हैए जबकि दूसरे फरार आरोपी की तलाश सरगर्मी से जारी है। शिकायतकर्ता नरेन्द्र सिंह परिहार के परिचित देवेन्द्र सिंह ठाकुर और जितेन्द्र सिंह ठाकुर ने उनसे संपर्क किया था। आरोपियों ने नरेन्द्र सिंह की पत्नी श्रीमती आराधना सिंह परिहार के नाम पर दर्ज ओम साईराम वेयर हाउस पर 30 करोड़ रुपये का लोन पास कराने और वेयर हाउस में अनाज का भंडारण करवाने का भरोसा दिलाया था।

प्लेटफार्म नंबर एक के कैफे में लगी भीषण आग, मचा हड़कम्प

पास खड़ी पार्सल बोगी तक भी पहुंची आग की लपटें, लाखों का नुकसान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर.1 पर बुधवार शाम करीब पौने 4 बजे अचानक आग लगने से यात्रियों और रेलकर्मियों में हड़कंप मच गया। कटनी छोर पर पार्सल गेट के समीप स्थित एक फूड स्टॉल में भड़की आग की लपटें तेजी से फैलते हुए पास खड़ी पार्सल बोगी और वहां रखे सामान तक पहुंच गईं। हालांकिए रेलवे स्टाफकी तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। 10 मिनट में आग पर पाया काबूस्टॉल से धुआं और ऊंची लपटें उठती देख प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्टेशन स्टाफ, आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर और वाटर हाइड्रेंट की मदद से महज 10 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया। एहतियात के तौर पर घटना के तुरंत बाद प्लेटफॉर्म नंबर.1 की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई।



लाखों का सामान खाक, शेड भी प्रभावित

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि हादसे के वक्त संबंधित स्टॉल बंद था और उसका संचालन शुरू नहीं हुआ था, जिसके चलते कोई हताहत नहीं हुआ। आग की चपेट में आने से स्टॉल में रखे बिस्किट, नमकीन और अन्य पैक्ड खाद्य सामग्री जलकर खाक हो गई। इसके अलावाए पास में रखा पार्सल विभाग का सामान जल्द शुरू होने वाला एक अन्य स्टॉल और पास खड़ी पार्सल बोगी भी आग की चपेट में आ गई। सीनियर डीसीएम शशांक गुप्ता ने जानकारी दी कि आग की लपटों से प्लेटफॉर्म के शेड का एक छोटा हिस्सा भी प्रभावित हुआ है। फिलहाल रेलवे प्रशासन द्वारा आग से हुए कुल आर्थिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म पर अचानक आग कैसे लगी, इसके कारणों की जांच शुरू कर दी गई है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



फर्जीवाड़ा: कागजों पर बंजर जमीन में उगा दी फसल



54 हजार क्विंटल मूंग खरीदी घोटाला, हाईकोर्ट में अब स्टोरेज अनियमितताओं पर भी होगी सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिवनी जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी में करोड़ों रुपए के कथित घोटाले का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। आरोप है कि राजस्व रिकॉर्ड में बंजर, असिंचित और गैर-कृषि योग्य दर्ज जमीनों को सरकारी पोर्टल पर उपजाऊ और फसल उत्पादक दिखाकर वहां मूंग का उत्पादन दर्ज किया गया। इसी आधार पर करीब 54 हजार क्विंटल मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी कर ली गई। जबकि याचिकाकर्ता का दावा है कि जिले में वास्तविक मूंग उत्पादन एक हजार क्विंटल भी नहीं होता। सिवनी निवासी हरीशचंद्र गोल्हानी ने इस मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। मंगलवार को चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता को मूंग खरीदी के साथ उसके भंडारण में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी याचिका में शामिल करने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अगली सुनवाई 25 नवंबर को निर्धारित की है।

फर्जी तरीके से दिखाया मूंग का उत्पादन

याचिका के मुताबिक रबी सीजन 2025-26 में राजस्व रिकॉर्ड में बंजरए असिंचित और गैर-कृषि योग्य दर्ज जमीनों को सरकारी पोर्टल पर उपजाऊ और फसल उत्पादक दर्शा दिया गया। इसके बाद इन जमीनों पर मूंग की फसल का उत्पादन दिखाकर समर्थन मूल्य पर खरीदी दर्ज कर ली गई। आरोप है कि जिन खेतों में मूंग की फसल पैदा ही नहीं हुई, वहां भी बंपर उत्पादन दर्शाया गया और सरकारी खरीदी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी खरीदी के बाद मूंग के भंडारण में भी अनियमितताएं हुई हैं। पहले याचिका में मुख्य रूप से खरीदी में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया गया था। मंगलवार को कोर्ट ने संशोधन की अनुमति देते हुए स्टोरेज से जुड़ी कथित अनियमितताओं को भी इसमें शामिल करने की मंजूरी दी। अब खरीदी और भंडारणए दोनों प्रक्रियाओं की जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसारए मामले में संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद जनहित याचिका दायर की गई।

प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम अध्ययन केंद्र के प्रमुखों की बैठक संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेंट एलोसियस कॉलेज में प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम अध्ययन केंद्र के प्रमुखों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय सह-संयोजक चंद्रकांत जी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित युवाओं का मार्गदर्शन किया। युवाओं को संबोधित करते हुए चंद्रकांत जी ने जीवन में सफलता के लिए चार प्रमुख बिंदुओं-अच्छा पढ़ना, अच्छा लिखना, अच्छा सुनना और अच्छा बोलना पर विशेष ध्यान देने का मंत्र दिया। उन्होंने टीम वर्क की महत्ता समझाते हुए कहा कि अकेला व्यक्ति तेज तो चल सकता है, लेकिन लंबा नहीं चल सकता। किसी भी लक्ष्य की दीर्घकालिक प्राप्ति के लिए एक मजबूत टीम का होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रांत संयोजक एडवोकेट राकेश सिंह, युवा आयाम सह-प्रमुख आशीष यादव एवं उदित नारायण



तिवारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही स्टडी सर्किल के प्रमुख सदस्य नवीन धनवार, शालिनी सिंह, सारिका राय, पल्लवी यादव, दीपांश गुप्ता, संतोष सेंगर, खुशी पटेल, मानस श्रीवास्तव, प्रिया तिवारी, अरुस्का सिंह एवं सृष्टि श्रीवास सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ईवी कार ने बुजुर्ग को कुचला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर तेज रफ्तार ईवी कार ने पैदल चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग कार के नीचे दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक कार को चालू हालत में घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। घायल को स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां बुजुर्ग की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर मौजूद लोगों ने जानकारी दी कि मंगलवार देर रात कलेक्ट्रेट चौराहे के पास से एमपी 20 जेडजेड 5100 नंबर की ईवी कार तेज रफ्तार से गुजर रही थी। कार की गति अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे पैदल चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बुजुर्ग कार के नीचे चला गया। भीड़ को अपनी ओर आता देख चालक कार को घटनास्थल पर ही चालू हालत में छोड़कर भाग निकला।

लोकतंत्र बचाओ अभियान में 700 से अधिक युवाओं की सहभागिता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर के तत्वावधान में चल रहे लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र स्थित जानकी रमण महाविद्यालय में विशेष जनसंपर्क एवं छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजयुमो ने बताया कि इस अभियान को महानगर के विद्यार्थियों से व्यापक समर्थन मिल रहा है और अब तक 700 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से अपने विचार दर्ज करा चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजयुमो



कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय परिसर में छात्र.छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए भाजयुमो नगर अध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने कहा कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने में युवा पीढ़ी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि महानगर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में चलाए जा रहे इस कैंपस-टू-कैंपस संवाद अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है, ताकि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक या अराजक वचारधारा को समझ सकें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने जानकी रमण महाविद्यालय के विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता और उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम में भाजयुमो नगर अध्यक्ष रविंद्र तिवारी के साथ महामंत्री श्रीकांत वर्मा, शरद विश्वकर्मा, रोहन वैद्य, रनेश खरे, शानू दुबे, मयंक मिश्रा, किशन ललवानी, आकाश गुप्ता, युवराज यादव, चिन्मय जोशी, प्रचेत शर्मा, अनिकेत चौरसिया, आयुष सिंह और राज रजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर की पूर्व संध्या पर पीएमश्री रानी दुर्गावती शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगानगर में केंद्रीय संचार ब्यूरो (सी बी सी) द्वारा अपनी धरती अपना राज का नारा देने वाले महान जननायक, जनजतीय गौरव के इतिहास पुरुष, स्वंत्रतता आंदोलन के प्रेरणा स्रोत शहीद बिरसा मुण्डा जन्म जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य डॉ. एस.एन श्रीवास्तव ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि मात्र 25 वर्ष के अल्प जीवन में भगवान बिरसा मुंडा ने संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जिसे देश कभी नहीं भुला सकता । उनका जीवन अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध संघर्ष और सामाजिक चेतना का प्रेरणादायी उदाहरण



है। इस अवसर पर सिद्धि चक्रवर्ती, रिया सिंह, रीतिका यादव व प्रतिभा पटेल रहे वहीं चित्रकला स्पर्धा में शुचि सैनी, वर्षा ठाकुर, वैष्णवी बर्मन ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में अहिल्या बाई, लक्ष्मी बाई व दुर्गावती सदन की छात्राओं ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया । कार्यक्रम का कुशल संचालन शाला शिक्षक मनीष दुबे ने किया, स्पर्धाओं के विजेताओं को विभाग की ओर से पुरूस्कृत किया।

सर्द सुबह भी नहीं रोक पाई बाइकर्स का जुनून

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी में सर्दी की दस्तक के साथ ही सुबह-शाम की ठिठुरन बढ़ गई है, लेकिन कड़ाके की यह ठंड भी शहर के बाइकर्स के जुनून को कम नहीं कर पाई। रविवार की सुबह ठंडी हवाओं के बीच स्टॉर्म लॉर्ड्स जबलपुर के सदस्य अपनी-अपनी बाइक्स के साथ एक रोमांचक सफर पर निकल पड़े। क्लब द्वारा आयोजित श्संडे ब्रेकफास्ट राइडश् में बड़ी संख्या में बाइकर्स ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। सुबह 8 बजे सभी राइडर्स निर्धारित असेंबली पॉइंट पर एकत्रित हुए। यहां से सुरक्षा नियमों और अनुशासन का पूर्ण पालन करते हुए राइड की शुरुआत की गई। ठंडी हवाओं के बीच बाइकर्स का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह की सर्द फिज़ाओं में बाइकिंग के रोमांच और साथियों के आपसी उत्साह ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।





बरगी बांध की नहर फूटी, खेतों में पानी भरने से फसल हुई खराब

ग्रामीणों का आरोप खनिज वाहनों की आवाजाही से कमजोर हुई नहर, जांच के आदेश जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी बांध की बाईं तट मुख्य नहर बुधवार सुबह मंगेली गांव के पास फूट गई। नहर से बड़ी मात्रा में पानी बहकर आसपास के खेतों में भर गया, जिससे पकने पर आई धान की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है।

घटना सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच हुई। जानकारी मिलते ही कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने एसडीएम और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर भेजकर नहर की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मामले की जांच कर लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई करने को भी कहा है। जानकारी अनुसार नहर फूटने के बाद पानी आसपास के खेतों में तेजी से भरने लगा। किसानों ने इसकी सूचना प्रशासन और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के



अधिकारियों को दी। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में पानी भरने से धान की खड़ी फसल बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नहर के किनारे से अवैध खनिज से भरे भारी वाहन गुजरते हैं। इन वाहनों ने नहर किनारे से अवैध रास्ता बना लिया है। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के कारण नहर कमजोर हुई और इसी वजह से उसके फूटने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में लंबे समय से खनिज विभाग और एनवीडीए के अधिकारियों को शिकायत की जा रही थी। उन्हें चेतावनी भी दी गई थी कि अवैध खनिज परिवहन नहीं रोका गया तो नहर को नुकसान पहुंच सकता है, लेकिन अधिकारियों ने शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया।

जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही के आदेश

घटना की जानकारी मिलने पर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सबसे पहले बांध से नहर में छोड़ा जा रहा पानी बंद कराने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम सहित प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर भेजकर मरम्मत कार्य शुरू कराने को कहा। कलेक्टर ने घटना के कारणों की जांच करने और लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। फिलहाल प्रभावित खेतों में फसल को हुए नुकसान का आकलन और नहर की मरम्मत की कार्रवाई की जानी है। नहर में पानी का स्तर अधिक होने के कारण कटाव तेजी से बढ़ा और आसपास के खेत जलमग्न हो गए। खेतों में पानी भरने से वर्तमान में बोई गई फसलों के सड़ने और बर्बाद होने का खतरा पैदा हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही किसान मौके पर जमा हो गए। किसानों में एनवीडीए और खनिज विभाग की लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**